{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 29 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 67
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,720.38
निफ्टी	-	26,215.55
सोना	-	1,27,750
चांदी	-	1,73,000
डॉलर	-	89.37

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

उधमपुर में तीन संदिग्ध आतंकी दिखे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को तीन संदिग्ध आतंकियों को देखे गए, इसके बाद सुरक्षा बलों ने हाई लेवल सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। शुरुआती सूचना के अनुसार, ये तीनों संदिग्ध चिल्ला बलोठा गांव में एक स्थानीय व्यक्ति से खाना लेकर पास के जंगल की ओर भाग गए। जानकारी मिलते ही सेना और पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और बसंतगढ़ के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ड्रोन और स्निफर डॉग भी सर्चिंग के लिए लगाए गए हैं। पहाड़ी और घना जंगल होने के कारण ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। सुरक्षा बल घर-घर तलाशी कर रहे हैं और अतिरिक्त जवान भी तैनात किए गए हैं। संभावित भागने के रास्तों पर कई नाके बनाए गए हैं ताकि कोई भी संदिग्ध बच न सके।

पेट्रोलिंग पार्टी पर हमला, चार जवान घायल

इंफाल। मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा के पास शुक्रवार सुबह आतंकियों ने असम राइफल्स की 3आरडी बटालियन की पेट्रोलिंग पार्टी पर घात लगाकर हमला कर दिया। यह हमला तेंगनौपाल जिले के सैबोल गांव के पास बॉर्डर पिलर नंबर-87 के पास हुआ। फायरिंग में चार जवान घायल हुए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल जवानों को तुरंत एयरलिफ्ट कर लेइमाखोंग के मिलिट्री हॉस्पिटल ले जाया गया है। अभी सभी जवानों की पहचान जारी नहीं की गई है। यह इलाका म्यांमार सीमा के बिल्कुल पास है और यहां पहले भी कई बार उग्रवादी हमले होते रहे हैं। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन बढ़ा दिया है और अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं, ताकि हमलावरों का पता लगाया जा सके।

तत्काल टिकट अब ओटीपी से सुरक्षित

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार तत्काल बुकिंग प्रणाली में एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू किया जा रहा है। अब तत्काल टिकट केवल सिस्टम द्वारा भेजे गए वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के सत्यापन के बाद ही जारी किए जाएंगे। यह ओटीपी उस मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा, जो यात्री द्वारा बुकिंग के समय दिया जाएगा। ओटीपी का सफल सत्यापन होने पर ही टिकट जारी किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह ओटीपी-आधारित तत्काल प्रमाणीकरण प्रणाली 01 दिसम्बर, 2025 की रात 00:00 बजे से लागू होगी और प्रारम्भिक रूप से ट्रेन संख्या 12009/12010 मुंबई सेंट्रल ङ्क अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस पर लागू की जाएगी।

कुछ ना कहना

1 जनवरी 2026 को माओवादी डालेंगे हथियार

माओवादी प्रवक्ता अनंत ने 'बालाघाट एक्सप्रेस' को देर रात ईमेल भेजा कहा - जो राज्य सरकार बेहतर सहयोग करेगी उसके सामने हथियार डालेंगे!!

प्रवक्ता ने अपने कैडर को भी सन्देश भेजा - हम टुकड़ों में नहीं एक साथ मुख्यधारा में आएं

पदमेश विशेष
पदमेश न्यूज़ । बालाघाट

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमिटी के प्रवक्ता अनंत ने अब कहा है कि माओवादी 1 जनवरी 2026 को हथियार छोड़ेंगे. उन्होंने यह भी कहा है कि अगर सब कुछ ठीक रहा और इन तीनो राज्यों में जो राज्य सरकार सबसे बेहतर सहयोग करेगी उसके समक्ष पूनर्वास नीति के तहत हथियार डालेंगे.

उल्लेखनीय है कि 'बालाघाट एक्सप्रेस' ने हाल ही में ख़बर प्रकाशित किया था कि माओवादी हथियार डालने का वक़्त बताएँगे।

गुरुवार 27 नवंबर की रात्रि फिर 'बालाघाट एक्सप्रेस' को एक ईमेल भेजकर प्रवक्ता अनंत ने फिर कहा है कि, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमिटी (स्स्ष्ट) के प्रवक्ता के तौर पर आप तीनों राज्य के मुख्यमंत्रियों को एक और निवेदन पत्र जारी कर रहा हूं।

उसने कहा कि हम, एमएमसी के तमाम साथी, 1 जनवरी 2026 को सशस्त्र संघर्ष को अस्थाई रूप से विराम देकर, हथियार त्यागकर सरकार के पुनर्वास को स्वीकार करते हुए, समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे।

तब तक तीनों राज्यों की सरकारों से हमारा अनुरोध हैं कि वे संयम बरतें और उक्त तारीख तक सुरक्षा बलों के अभियानों को पूरी तरह से रोक दें। जोन भर में कहीं भी गिरफ्तारी, मुठभेड़ ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को सुरक्षाबल अंजाम ना दें।

आगे कहा कि इस बीच हम जोनभर में बिखरे हमारे तमाम साथियों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश करेंगे। सुरक्षा बलों के अभियान के जारी रहने से इसमें व्यवधान उत्पन्न होगा और फलस्वरूप प्रयास में तेजी नहीं ला पाएंगे। हम टुकड़ों-टुकड़ों में हथियार छोड़कर आने के बजाय एकसाथ या फिर कहे, एक बड़ी तादाद में सरकार के पुनर्वास योजना को स्विकार करके मुख्यधारा में आना पसंद करेंगे।

माओवादी प्रवक्ता ने कहा कि जिसतरह छत्तीसगढ़ में सतीश दादा और महाराष्ट्र में सोनुदादा के साथ हुआ था, हम उसी तरह तीनों में से किसी एक राज्य के मुख्यमंत्री अथवा गृहमंत्री के सामने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं। अगले एक महिने के इस पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न करने में जिस राज्य की सरकार हमें सबसे बेहतर सहयोग प्रदान करेगी, हम उस राज्य सरकार के सामने हथियार सौंपकर मुख्यधारा में शामिल होने को तरजीह देंगे।

इमेल में आगे कहा गया है कि इसलिए, मैं तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से यह अनुरोध करता हूं कि, इस पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न करने के लिए अनुकुल माहौल बनाएं। और यह तभी संभव हो पाएगा जब सुरक्षा बलों के अभियानों को उक्त तारिख तक स्थगित रखा जाएगा और वे मुठभेड़ जैसी किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम नहीं देंगे।

आगे उल्लेख किया कि हमने विजय शर्मा (गृहमंत्री-छत्तीसगढ़ राज्य) को रेडीओ पर सुना। उन्होंने इसके लिए 10 से 15 दिन का समय पर्याप्त है कहा। हम उनकी प्रतिक्रिया

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
COMMUNIST PARTY OF INDIA (MAOIST)
(महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमिटी)

प्रेस विज्ञप्ति दिनांक- 27 नवंबर 2025

प्रति,
श्री. देवेंद्र फडणवीस (मुख्यमंत्री-महाराष्ट्र राज्य),
श्री. विष्णुदेव साय/विजय शर्मा (मुख्यमंत्री/गृहमंत्री-छत्तीसगढ़ राज्य),
श्री. मोहन यादव (मुख्यमंत्री-मध्यप्रदेश राज्य),

मैं अनंत, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमिटी (MMC) के प्रवक्ता के तौर पर आप तीनों राज्य के मुख्यमंत्रियों को एक और निवेदन पत्र जारी कर रहा हूं।

हम, MMC के तमाम साथी, 1 जनवरी 2026 को सशस्त्र संघर्ष को अस्थाई रूप से विराम देकर, हथियार त्यागकर सरकार के पुनर्वास को स्विकार करते हुए, समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे।

तब तक तीनों राज्यों की सरकारों से हमारा अनुरोध हैं कि वे संयम बरतें और उक्त तारिख तक सुरक्षा बलों के अभियानों को पूरी तरह से रोक दें। जोन भर में कहीं भी गिरफ्तारी, मुठभेड़ ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को सुरक्षाबल अंजाम ना दें। इस बीच हम जोनभर में बिखरे हमारे तमाम साथियों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश करेंगे। सुरक्षा बलों के अभियान के जारी रहने से इसमें व्यवधान उत्पन्न होगा और फलस्वरूप प्रयास में तेजी नही ला पाएंगे। हम टुकड़ों-टुकड़ों में हथियार छोड़कर आने के बजाय एकसाथ या फिर कहे, एक बड़ी तादाद में सरकार के पुनर्वास योजना को स्विकार करके मुख्यधारा में आना पसंद करेंगे।

जिसतरह छत्तीसगढ़ में सतीश दादा और महाराष्ट्र में सोनुदादा के साथ हुआ था, हम उसी तरह तीनों में से किसी एक राज्य के मुख्यमंत्री अथवा गृहमंत्री के सामने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं। अगले एक महिने के इस पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न करने में जिस राज्य की सरकार हमें सबसे बेहतर सहयोग प्रदान करेगी, हम उस राज्य सरकार के सामने हथियार सौंपकर मुख्यधारा में शामिल होने को तरजीह देंगे।

इसलिए, मैं तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से यह अनुरोध करता हूं कि, इस पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न करने के लिए अनुकुल माहौल बनाएं। और यह तभी संभव हो पाएगा जब सुरक्षा बलों के अभियानों को उक्त तारिख तक स्थगित रखा जाएगा और वे मुठभेड़ जैसी किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम नही देंगे।

हमने श्री. विजय शर्मा (गृहमंत्री-छत्तीसगढ़ राज्य) को रेडीओ पर सुना। उन्होंने इसके लिए 10 से 15 दिन का समय पर्याप्त है कहा। हम उनकी प्रतिक्रिया का सम्मान करते हैं, किंतु इतना कम समय नाकाफ़ी है। लेकिन हमने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की जो ठोस तारिख (1 जनवरी 2026) तय की है, उस पर उन्हें कोई आपत्ति नही होनी चाहिए।

हम, श्री. विजय शर्माजी के शुक्रगुजार हैं कि, उन्होंने बयान में आगे कहा कि, यदि हम कुछ ठोस प्रपोजल और मांगे रखना चाहते हैं तो सरकार उसे सुनेगी और पूरा करने का प्रयास भी करेगी। हम, निश्चितही सरकार के सामने कुछ ठोस प्रपोजल और मांगे रखना चाहेंगे। यह हम मुख्यधारा में शामिल होने के ठीक पहले जो प्रेस विज्ञप्ति जारी करेंगे उसमें रखेंगे या फिर पूनर्वास के बाद रखेंगे।

हमारे निवेदन पत्र पर जिसतरह श्री. विजय शर्माजी से प्रतिक्रिया आई है, उस तरह शेष दो राज्यों (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश) की सरकारों से हमें अब तक कोई आश्वस्त करनेवाली प्रतिक्रिया नही मिली है। शेष दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से आश्वासक जवाब मिलने पर हमें प्रसन्नता होगी, और अगर वे श्री. विजय शर्मा की तरह हमसे कोई ठोस प्रपोजल और मांग रखने की बात रखते हैं तो हम जनता की ओर से जरूर रखना चाहेंगे।

मैं, जोनभर के हमारे साथियों से भी यह अनुरोध करता हूं कि, वे इस प्रक्रिया के सुखद अंजाम तक पहुंचने तक अपनी तमाम गतिविधियों को विराम दें और जोश अथवा आवेश में आकर ऐसी कोई हरक़त ना करें जिससे इसमें व्यवधान उत्पन्न हो जाएं। मैं फिर एकबार दोहरा रहा हूं कि, इसबार हम PLGA सप्ताह नही मनाएंगे। हम सरकार से भी यह चाहते हैं कि, इस सप्ताह के दरम्यान वे अपने सुरक्षा बलों के गश्त को रोक दें। हम, जोनभर के तमाम साथियों के लिए एक ऑडियो अपील जारी करेंगे। तमाम साथियों से अनुरोध हैं कि, इसे सुनने के बाद या इसके बारे में जानने के बाद वे तुरंत एक-दूसरे को संपर्क करने का प्रयास करें। हम, साथियों से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे धैर्य बनाए रखें, धीरज से काम लें, अकेले-अकेले जाकर अपने-अपने हिसाब से आत्मसर्पण ना करें। हम सब मिलकर ही यह करने जा रहे हैं; किंतु आत्मसर्पण नही, पूनामार्गेम!

मैं, MMC के तमाम साथियों को खुले रूप से संपर्क करने के लिए बाउफेंग की एक खुली फ्रिक्वेंसी (नंबर) 435.715 जारी कर रहा हूं।

जिसमें अगले एक महिने (1 जनवरी 2026) तक हम हर दिन दोपहर 11 बजे से 11.15 के बीच एक-दूसरे से संपर्क स्थापित कर पाएंगे। इसके अलावा भी हमारे बीच संपर्क की जो तय फ्रिक्वेंसी है, उस पर तय समय पर चालू रखकर प्रयास करेंगे। साथियों, इसमें देर ना करें, जितना जल्दी हो सके संपर्क करने का प्रयास करें।

मैं, तीनों राज्य की सरकारों से अपील करता हूं कि वे उक्त बयान को अगले दो दिनों तक रेडिओ पर सांध्यकालिन प्रादेशिक समाचार के ठीक पहले अवश्य प्रसारित करें। हमारे साथियों से अपील करते हुए, हम जो ऑडियो टेप जारी करेंगे उसे अगले 10 दिनों तक शाम के प्रादेशिक समाचार के ठीक पहले अवश्य प्रसारित करें। हमारे साथी अधिकतर सुबह एवं शाम के प्रादेशिक समाचार अवश्य सुनते हैं।

हम जनप्रतिनीधियों और पत्रकारों से गुजारिश करते हैं कि, इस प्रक्रिया के पूरे होने तक वे इसी तरह हमसे सहयोग बनाए रखें। हम, हमारे साथी सोनु दादा और सतीश दादा से भी यह अनुरोध करते हैं कि, वे हमारी बात को तीनों राज्यों की सरकार के पास रखें, और इस पूरी प्रक्रिया के शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न होने में सहयोग करें।

अनंत
प्रवक्ता,
महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ स्पेशल जोनल कमिटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

का सम्मान करते हैं, किंतु इतना कम समय नाकाफ़ी है। लेकिन हमने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की जो ठोस तारिख (1 जनवरी 2026) तय की है, उस पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

हम, श्री. विजय शर्माजी के शुक्रगुजार हैं कि, उन्होंने बयान में आगे कहा कि, यदि हम कुछ ठोस प्रपोजल और मांगे रखना चाहते हैं तो सरकार उसे सुनेगी और पूरा करने का प्रयास भी करेगी। हम, निश्चितही सरकार के सामने कुछ ठोस प्रपोजल और मांगे रखना चाहेंगे। यह हम मुख्यधारा में शामिल होने के ठीक पहले जो प्रेस विज्ञप्ति जारी करेंगे उसमें रखेंगे या फिर पूनर्वास के बाद रखेंगे।

माओवादी प्रवक्ता ने आगे लिखा है कि हमारे निवेदन पत्र पर जिसतरह श्री. विजय शर्माजी से प्रतिक्रिया आई है, उस तरह शेष दो राज्यों (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश) की

सरकारों से हमें अब तक कोई आश्वस्त करनेवाली प्रतिक्रिया नहीं मिली है। शेष दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से आश्वासक जवाब मिलने पर हमें प्रसन्नता होगी, और अगर वे श्री. विजय शर्मा की तरह हमसे कोई ठोस प्रपोजल और मांग रखने की बात रखते हैं तो हम जनता की ओर से जरूर रखना चाहेंगे।

उसने आगे कहा कि मैं, जोनभर के हमारे साथियों से भी यह अनुरोध करता हूं कि, वे इस प्रक्रिया के सुखद अंजाम तक पहुंचने तक अपनी तमाम गतिविधियों को विराम दें और जोश अथवा आवेश में आकर ऐसी कोई हरकत ना करें जिससे इसमें व्यवधान उत्पन्न हो जाएं। मैं फिर एकबार दोहरा रहा हूँ कि, इसबार हम [illegible] सप्ताह नहीं मनाएंगे। हम सरकार से भी यह चाहते हैं कि, इस सप्ताह के दरम्यान वे अपने सुरक्षा बलों के गश्त को रोक दें। हम, जोनभर के तमाम साथियों के लिए एक ऑडियो अपील जारी करेंगे। तमाम साथियों से अनुरोध हैं कि, इसे सुनने के बाद या इसके बारे में जानने के बाद वे तुरंत एक-दूसरे को संपर्क करने का प्रयास करें। हम, साथियों से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे धैर्य बनाए रखें, धीरज से काम लें, अकेले अकेले जाकर अपने-अपने हिसाब से आत्मसर्पण ना करें। हम सब मिलकर ही यह करने जा रहे हैं, किंतु आत्मसर्पण नहीं, पूनामार्गेम!

शेष पृष्ठ 11 पर

एसआईआर मुद्दे पर चुनाव आयोग से मिले 10 टीएमसी सांसद

चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे; हमने 5 सवाल पूछे, जवाब नहीं मिला

नई दिल्ली। देशभर में एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच ञ्जरूष्ट के 10 सासंदों का डेलीगेशन शुक्रवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। सांसदों और चुनाव आयुक्त के बीच करीब 2 घंटे तक मुलाकात चली। मीटिंग से बाहर आने के बाद टीएससी सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने कहा- हम चीफ इलेक्शन कमिश्नर और उनकी टीम से मिले। हमने सबसे पहले उन्हें एसआईआर प्रोसेस की वजह से लगभग 40 मरे हुए लोगों की लिस्ट सौंपी। हमने मीटिंग यह कहकर शुरू की कि मिस्टर कुमार और इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के हाथ खून से रंगे हैं। हमने पांच सवाल पूछे, किसी का भी जवाब नहीं मिला। मीटिंग के अंदर जो हुआ, वो यही है।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। विपक्ष 1 दिसंबर से शुरु हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र (विंटर सेशन) में इस मुद्दे पर हंगामा कर सकता है।

बीएलओ की मौत मर्डर है

कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान काम के दबाव के चलते जान गंवाने वाले बीएलओ

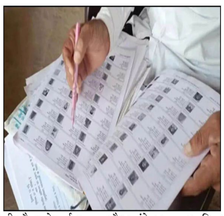

की मौत को मर्डर बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 20 दिनों में 26 बीएलओ की मौत दिनदहाड़े मर्डर जैसी है। सुप्रिया ने गोंडा के बीएलओ विपिन यादव का जिक्र करते हुए कहा कि उनके परिवार ने बताया है कि उन पर वोटर लिस्ट से पिछड़े वर्ग के लोगों के नाम हटाने का दबाव था। सुप्रिया ने कहा कि यह कोई कहानी नहीं बल्कि देश के सामने एक कड़वा सच है। इतनी जल्दी क्या है? थोड़ा समय लेकर एसआईआर करवाओ। एसआईआर का मामला कोई छोटा मामला नहीं है। यह वोट चोरी का सबसे ताकतवर तरीका है, और इसीलिए इसका इतने खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में, 2 दिसंबर को सुनवाई

एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच चुका है। एसआईआर के खिलाफ दायर तमिलनाडु, बंगाल और केरल की याचिका पर लगातार सुनवाई हो रही है। इस दौरान चुनाव आयोग ने कहा- एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दल जानबूझकर डर का माहौल बना रही हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने केरल सरकार की याचिका पर केंद्र और राज्य चुनाव आयोग से 1 दिसंबर तक जवाब देने को कहा है। अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। वहीं, तमिलनाडु में याचिका पर 4 दिसंबर और पश्चिम बंगाल की याचिका पर 9 दिसंबर को सुनवाई होगी। इसी दिन चुनाव आयोग राज्य की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी करेगा। बेंच ने कहा कि अगर राज्य सरकार मजबूत आधार देती हैं तो हम तारीख बढ़ाने का निर्देश दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर पहले कभी नहीं हुआ, तो यह वजह श्वष्ट के फैसले को चुनौती देने का आधार नहीं बन सकती।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक 30 नवबंर को

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के अनुसार, बैठक का मुख्य उद्देश्य विपक्ष के नेता के साथ विधेयकों की सूची साझा करना और उनके सुझाव लेना है। विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा के बाद, सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं के सुझावों के अनुसार शीतकालीन सत्र के लिए रणनीति बनाई जाएगी। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 19 दिनों की अवधि में कुल 15 बैठकें होनी हैं।

चंडीगढ़ संशोधन विधेयक पर स्पष्टीकरण

विधेयकः संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 के तहत चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने की अटकलें हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से अभी भी विचाराधीन है। मंत्रालय ने कहा कि इस प्रस्ताव का इरादा चंडीगढ़ के शासन या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना या चंडीगढ़ और पंजाब या हरियाणा राज्यों के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को संशोधित करना नहीं है। इस मामले पर कोई भी निर्णय सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही लिया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हितों की पूरी तरह से रक्षा हो सके।

मनमोहन सरकार में कोयला मंत्री रहे श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन

कानपुर। मनमोहन सरकार में कोयला मंत्री रहे श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन हो गया है। उन्होंने 81 वर्ष की उम्र में आखिरी सांसे ली। बताया जा रहा है कि श्रीप्रकाश जायसवाल काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। शुक्रवार को उनकी तबीयत एकाएक ज्यादा बिगड़ी तो उन्हें कानपुर के कार्डियोलॉजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन की पुष्टि उनके छोटे भाई प्रमोद जायसवाल ने की है। श्रीप्रकाश जायसवाल उत्तर प्रदेश के कानपुर लोकसभा सीट से चार बार सांसद रह चुके थे। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल बोले

बच्चे जहरीली हवा में सांस ले रहे, मोदी जी चुप क्यों हैं?

-माताएं मुझसे कहती हैं- हमारे बच्चे जहरीली हवा में बड़े हो रहे

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर मोदी जी चुप क्यों हैं। आपकी सरकार प्रदूषण रोकने के लिए न तो कोई तुरंत कार्रवाई कर रही। न कोई योजना और जवाबदेही दिखा रही है। उन्होंने एक्स पर दिल्ली की महिलाओं के साथ प्रदूषण पर बातचीत का वीडियो शेयर किया। साथ में लिखा- मैं जिस भी मां से मिलता हूं, वो कहती हैं कि उनका बच्चा जहरीली हवा में सांस लेकर बड़ा हो रहा है। वे थके, डरे और गुस्से में हैं। मोदी जी भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। राहुल ने 1 दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा की मांग की। साथ ही कहा कि इस हेल्थ इमरजेंसी से निपटने के लिए एक सख्त और तुरंत लागू करने वाले एक्शन प्लान की जरूरत है। हमारे बच्चों को बहाने नहीं बल्कि साफ हवा चाहिए। दिल्ली-एनसीआर में 26 नवंबर को हवा की गुणवत्ता में हल्के सुधार के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप-3 की पाबंदियों को हटा लिया। इसके साथ ही दिल्ली में आधे कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की सुविधा और वाहनों पर लगी पाबंदियां खत्म कर दी गई हैं। साथ ही स्कूलों में चल रहीं हाइब्रिड मोड क्लास भी अब बंद कर दी गई हैं।

'जहर' बेच रहे बाबा रामदेव!

पतंजलि घी के सैंपल जांच में फेल, खाने लायक नहीं है घी, खाद्य विभाग ने लगाया 1.40 लाख का जुर्माना

पिथौरागढ़। अगर आप भी बाबा रामदेव की कंपनी पंतजलि का घी खाने में इस्तेमाल करते हैं तो पहली फुर्सत में घी को अपने घर से बाहर निकाल दीजिए, क्योंकि बाबा रामदेव की कंपनी का घी खाने लायक नहीं। पंतजलि का घी लैब टेस्ट में फेल हो गया है। बता दें कि पिथौरागढ़ में बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद का देसी गाय के घी का सैंपल लेकर रूद्रपुर और गाजियाबाद की लैब में जांच के लिए भेजा गया था, जिसमें बाबा रामदेव की कंपनी का घी फेल हो गया। घी फेल होने के बाद खाद्य विभाग ने लोगों को सेवन न करने की सलाह दी है। खाद्य विभाग के अधिकारी ने घी को लेकर कहा कि कोई भी अगर इसका सेवन करता है तो उसको बीमारी हो सकती है। इतना

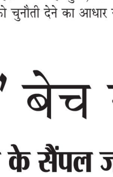

ही नहीं साइड इफेक्ट का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में घी का सेवन करने से लोगों को मना किया गया है। ऐसा पहली दफा नहीं है, जब बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि का कोई प्रोडक्ट जांच में फेल हुआ है, इससे पहले भी कई प्रोडक्ट कंपनी के फेल साबित हुए हैं। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि के घी के सैंपल जांच में फेल पाए गए हैं। जिसके बाद कंपनी समेत 3 कारोबारियों पर 1 लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही खाद्य विभाग का कहना है कि ये खाने लायक भी नहीं है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में घी का सैंपल लिया गया था, इसकी जांच प्रदेश स्तर (रूद्रपुर) और राष्ट्रीय स्तर (गाजियाबाद) की लैब में कराई गयी थी। जांच में घी स्टैंडर्ड पर खड़ा नहीं उतरा। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन पिथौरागढ़ के असिस्टेंट कमिश्नर आरके शर्मा ने बताया कि अगर किसी ने भी यह घी खाया तो उसके साइड इफेक्ट हो सकते हैं, साथ ही लोग बीमार हो सकते हैं।

मद्रास हाईकोर्ट ने क्यों उम्रकैद में बदली मौत की सज़ा?

चेन्नई । मद्रास हाईकोर्ट ने छात्रा एम. सत्या को ट्रेन के सामने धक्का देकर हत्या करने के आरोपी डी. सतीश की निचली अदालत से मिली मौत की सज़ा को उम्रकैद में बदल दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी में नहीं आता है। कोर्ट ने अपराध की क्रूरता के साथ-साथ इन कारकों पर भी विचार किया है। आरोपी की उम्र को देखकर कोर्ट ने उसके सुधरने की संभावना को अधिक माना। कोर्ट ने आरोपी की उम्र, सोशियो-इकोनॉमिक बैकग्राउंड, रिहैबिलिटेशन की संभावना, मनोवैज्ञानिक जांच और जेल के व्यवहार की रिपोर्ट पर भी विचार किया। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में रखी गई चीजें यह नहीं बतातीं कि आरोपी को सुधारा नहीं जा सकता। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि डी. सतीश को 20 साल तक जेल में रहने तक किसी भी कानूनी छूट या जल्दी रिहाई (कम्यूटेशन) पर विचार नहीं किया जाएगा।

मामले की पृष्ठभूमि

अक्टूबर 2022 में, डी. सतीश ने सेंट थॉमस माउंट रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन के सामने छात्रा एम. सत्या को धक्का दे दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। निचली अदालत ने आरोपी को मौत की सज़ा सुनाई थी। डी. सतीश विद्यालय से ड्रॉप आउट था और सत्या का लगातार पीछा करता था (स्टॉकर)। दोनों के परिवार एक ही पुलिस क्वार्टर में रहते थे।

फास्टट्रेक कोर्ट में केस चलाकर हत्यारे युवक को कड़ी सजा दो!!

रितु भंडारकर हत्याकांड को लेकर कलार समाज में आक्रोश

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

बैहर आमगांव में बीते दिनों एक युवक द्वारा दिनदहाड़े कलार समाज की बेटी रितु भंडारकर की नृशंस हत्या किए जाने की घटना ने पूरे जिले ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी गहरा रोष फैला दिया है। इस दर्दनाक घटना ने समाज के लोगों की भावनाओं को झकझोर दिया है और न्याय की मांग को लेकर समाजजन एकजुट होकर आगे आ रहे हैं। इसी विरोध के तहत 28 नवम्बर को जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के सदस्य बड़ी संख्या में आंबेडकर चौक समीप स्थित तुरकर भवन में एकत्रित हुए। यहां सभी समाजजनों ने रितु भंडारकर के लिए न्याय की मांग को लेकर बैठक की और उसके बाद रैली के रूप में कलेक्ट्रेट कार्यालय की ओर प्रस्थान किया।

कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर सभी समाजजनों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई कि रितु भंडारकर हत्याकांड की सुनवाई फास्टट्रैक कोर्ट में कराई जाए, ताकि जल्द से जल्द निर्णय लेते हुए आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दी जा सके। समाज का कहना है कि यह केवल एक परिवार से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि बेटी के सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है, इसलिए इस प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर लेकर त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन में यह भी मांग रखी गई कि मृतका के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए तथा शासन-प्रशासन द्वारा मिलने वाली मुआवजा राशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए, जिससे पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। कार्यक्रम के दौरान जिला सर्ववर्गीय कलार समाज के अध्यक्ष राधेलाल दवने, संजीव धुवारे, शिवाजी बाविसताले, राजेन्द्र साकरे, तरूण सेवईवार, चन्द्रकांत पिपलेवार, केवल सोनेकर, राकेश दौने, धनंजय सोनवाने, सोहन दौने, नीलू पिपलेवार, आशुतोष डहरवाल, आशीष सोनगढ़े, महेश गुप्ता, सुनील शिवहरे, आर.के. सोनवाने, सतीश सोनवाने, धनजंय देशमुख सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे और सभी ने संयुक्त रूप से रितु के परिवार के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। इसी तरह कलार समाज महिला संगठन जिलाध्यक्ष श्रीमती सरिता सोनेकर, पूर्व पार्षद श्रीमती अलका रामटेककर, स्वाति मुरकुटे, गीता दहीकर, रितु आसटकर, वंदना सोनवाने, ललीता भंडारकर, संगीता भंडारकर, ज्योति सोनवाने, भुवनेश्वरी आसटकर सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। महिलाओं ने कहा कि बेटी की सुरक्षा को लेकर सरकार और प्रशासन को और अधिक सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में उपस्थित समाजजनों ने रितु भंडारकर के लिए न्याय की मांग करते हुए जोरदार नारे भी लगाए और कहा कि जब तक आरोपी को सख्त सजा नहीं मिलती तथा पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता तब तक समाज की यह आवाज लगातार उठती रहेगी।

पीजी कॉलेज में छात्र-छात्राओं को बताए गए यातायात के नियम

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में 28 नवंबर को वर्तमान में हो रही वाहन दुर्घटना एवं यातायात के नियमों के संरक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों एवं रोड पर चलते समय गति और सावधानियां का पालन करने के के बारे में यातायात थाना बालाघाट के थाना प्रभारी सूबेदार यीना रहांगडाले द्वारा जानकारी प्रदाय की गई।

कार्यशाला में यातायात प्रभारी सूबेदार राहंगडाले ने यात्री सुरक्षा एवं उसके उपाय पर छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने वाहन बीमा एवं वाहन चलाते समय वाहनों पर लगाए जाने वाली नंबर प्लेट, लाईट, संकेतक तथा प्रदूषण नियंत्रण किट का पालन करने संबंधी दिशा निर्देशों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। सरकार द्वारा की चलाई जा रही राह वीर योजना के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने युवाओं को यातायात के नियम का पालन करने और अपने पास पड़ोस के लोगों से यातायात संरक्षण संबंधी नियमों का पालन करने का संदेश प्रेषित किया गया और भविष्य की होने वाली दुर्घटनाओं से बचने का उपाय बताया गया ।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मृणाल मीना ने 27 नवंबर को सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों की बैठक लेकर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य एसआईआर की समीक्षा की। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी जी एस धुर्वे, अपर कलेक्टर डी पी बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में विधानसभा क्षेत्रवार मतदाताओं के गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान महाराष्ट्र से विवाह होकर आयी बहुओं का डाटा पोर्टल खुलने पर शीघ्रता से अपलोड कर डिजिटलाईज करने के निर्देश दिये गये। जिन मतदाताओं के गणना पत्रक प्राप्त नहीं हुए उन्हें बीएलओ को प्राप्त करने के निर्देश दिये गये। जिन मतदाताओं से अब तक सम्पर्क नहीं हो पाया है उनसे सम्पर्क कर उनके गणना पत्रक शीघ्र भरवाने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार मतदाताओं द्वारा भरे गये गणना पत्रकों का शीघ्रता से डिजिटलाईजेशन करने के निर्देश दिये गये। गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन कार्य पर विधानसभा क्षेत्र बालाघाट, कटंगी एवं लांजी को विशेष ध्यान देने एवं प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये गये।

बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गये। फार्मर रजिस्ट्री के शेष कार्य को तत्परता के साथ पूर्ण करने कहा गया। प्राकृतिक आपदा से जन-धन हानि के प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ कार्य कर प्रकरणों का निराकरण करने कहा गया और निर्देशित किया गया कि सर्पदंश, पानी में डूबने एवं आकाशीय बिजली से गिरने से मृत्यु के मामलों में शीघ्रता राहत राशि का वितरण करायें। बैठक में विभिन्नद राजस्वो मदों की प्रभावी वसूली करने एवं आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गये। सायबर तहसील के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

किसान गर्जना संगठन ने दिया धरना निकाली रैली

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। सात सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को किसान गर्जना संगठन ने कटंगी के बस स्टैंड में धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन शुरू होने से पहले दोपहर ढाई बजे अर्जुननाला के पास स्थित रेलवे ओवर ब्रिज के पास से किसानों ने रैली निकाली और करीब दो किमी की पैदल रैली सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए बस स्टैंड पहुंचकर धरने में तब्दील हुई। यहां धरना प्रदर्शन को किसान गर्जना संगठन के प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी ने संबोधित किया। किसान गर्जन का यहां धरना प्रदर्शन क्षेत्र में लगातार बारिश के बाद कीट व्याधि से बर्बाद हुई धान की फसलड्ड को देखते हुए कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र को आपदा प्रभावित घोषित कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिए जाने, चुनावी वादे के मुताबिक धान का 3100 रुपए समर्थन मूल्य प्रदान किए जाने, मौसमी बीमारी से प्रभावित धान की फसल को धान खरीदी केंद्रों में अस्वीकार न किए जाने, किसानों की दशा सुधारने के लिए 20 हजार प्रति हेक्टर बोनस दिए जाने, कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए 18 घंटे बिजली प्रदान किए जाने, खरीफ सत्र 2025-26 की फसल बर्बादी को ध्यान में रखते हुए खरीफ फसल का ऋ्रण माफ किए जाने और नकली खाद बीज पर अंकुश लगाने जैसी मांगों को लेकर यह धरना प्रदर्शन किया गया।

गौरतलब हो कि इस प्रदर्शन में अपेक्षाकृत कम संख्या में ही किसानों ने शिकरत की। दरअसल, गुरुवार को बोनकट्टा में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ और पठार संघर्ष समिति ने भी किसानों एक बैठक बुलाई थी। जहां दो सूत्रीय मांगों पर चर्चा हुई और विधायक ने किसानों की इन दोनों मांगों पर आश्वासन दिया कि उनकी मांग पूरी होगी। इस बैठक के बाद किसान गर्जना संगठन ने अपने पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक कटंगी में धरना प्रदर्शन किया। यहां संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी से लेकर प्रदेश और केंद्र में काबिज भाजपा सरकार को जमकर घेरा। धरना प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी, प्रदेश संगठन मंत्री गगन चौधरी, जिला अध्यक्ष राजकुमार नगपुरे, ब्लॉक अध्यक्ष भरतलाल बिसेन, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप पटले, जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके सहित तमाम पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इन वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार किसान विरोध और उद्योगपतियों की सरकार है। किसानों के साथ हर बार छलावा जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि हमें पार्टियों में बांट कर रख दिया गया है लेकिन हमें किसान के तौर पर अपनी समस्याओं को देखनी होगी। किसान अगर राजनीतिक दलों में बंटा हुआ रहेगा तो जीवन भर समस्याओं का सामना ही करते रहेगा। किसानों को एमएसपी के नाम पर लगातार गुमराह किया जा रहा है फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। सरकार फसल बदलने के लिए प्रेरित करती है ताकि उद्योगपतियों को फायदा पहुंचे आज किसान अपने मन-मुताबिक फसलें नहीं लगा पा रहा है। यह किसानों का दुर्भाग्य है कि वह अपने फायदे के लिए सरकार बनाते है लेकिन किसानों के द्वारा चुनी गई सरकार के लोग मौज कर रहे है वह परेशान हो रहे है।

चोरों की चुनौती जारी, एक खुलासे के बाद फिर चोरी की वारदात

फिर चोरो ने सिद्धार्थ नगर में सूने घर को बनाया निशाना, पुलिस सीसीटीवी खंगालने में जुटी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र में चोर गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। बीते एक सप्ताह से क्षेत्र में लगातार सूने मकानों को निशाना बनाने की वारदातें सामने आ रही हैं, ताज़ा मामला बूढ़ी क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 सिद्धार्थनगर से सामने आया है, जहां अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान में धावा बोलकर सोने, चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि वारदात उस समय हुई जब घर के सदस्य अनुपस्थित थे। मौका पाकर चोर आसानी से ताले तोड़कर घर में दाखिल हुए और अलमारी में रखे कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए।

स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की है। शहर में एक बार फिर चोरी की घटनाओं ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। पुलिस लगातार चोरियों का खुलासा कर रही है, लेकिन चोर भी पुलिस की चुनौतियाँ बढ़ाते हुए एक के बाद एक नई वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। स्थिति ऐसी बन गई है कि पुलिस द्वारा एक चोरी का खुलासा होते ही दूसरी चोरी की घटना सामने आ रही है। ताज़ा मामला शहर के वार्ड नंबर 1 सिद्धार्थ नगर का है। अभी कुछ ही दिन पहले बूढ़ी और भटेरा क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस द्वारा खुलासा किया गया था, और इसके अगले ही दिन चोरों ने मानो पुलिस को चुनौती देते हुए सिद्धार्थ नगर स्थित सागर पिता श्यामचंद शेंडे के सूने मकान को निशाना बना डाला। चोरी के संबंध में जानकारी देते हुए इंद्रकुमार मेश्राम ने बताया कि उनके परिचित सागर शेंडे जबलपुर में रहते हैं और वहां स्टोनों का कार्य करते हैं। वे हर महीने लगभग 15 दिन के अंतराल में बालाघाट आते-जाते रहते हैं। करीब 15 दिन पहले वे बालाघाट से गए थे। मकान बंद था। 28 अक्टूबर की सुबह पड़ोसी मेश्राम ने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है।

सूचना मिलने पर उनके परिचित पहुंचे और देखा कि घर में चोरी हो चुकी है। फोन पर मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घर में सोने,चांदी के आभूषण और नकदी रखी हुई थी, लेकिन सागर शेंडे अभी बालाघाट नहीं पहुंचे हैं, इसलिए चोरी गए कुल सामान और रकम का सटीक आंकड़ा स्पष्ट नहीं हो सका है। उनके आने के बाद ही चोरी की संपूर्ण सूची और मूल्य की पुष्टि हो सकेगी। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई है। वारदात के बाद मोहल्ले के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं और मुखबिर तंत्र के माध्यम से चोरों का सुराग तलाशने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

भीषण ठंड में राहत- नगर पालिका बालाघाट की टीम ने 6 बेसहारों को सुरक्षित आश्रय स्थल पहुँचाया

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप शीत लहर के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा जरूरतमंदों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नगर पालिका बालाघाट की एनयूएलएम शाखा की आश्रय स्थल सर्वेक्षण टीम ने 27 नवंबर 2025 को देर शाम शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों का भ्रमण कर खुले में सोने वाले लोगों को आश्रय स्थल पहुँचाया।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी.कतरोलिया ने बताया कि टीम ने नगरीय क्षेत्र बालाघाट के रानी अवंती बाई चौक, बस स्टैंड, काली पुतली चौक, अंबेडकर चौक, रेलवे स्टेशन, गोंदिया रोड मार्ग सहित जिला अस्पताल एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर पहुँचकर राहगीरों, बेसहारा एवं निराश्रित लोगों से चर्चा की और उन्हें प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सुरक्षित आश्रय स्थल में रहने के लिए प्रेरित किया। अभियान के दौरान 6 बेसहारा व्यक्तियों को आश्रय स्थल तक पहुँचाकर उन्हें ठंड से राहत दिलाई गई।

नगर पालिका परिषद का यह प्रयास शहर में बढ़ती ठंड के बीच संवेदनशील पहल के रूप में सराहा जा रहा है। टीम ने बताया कि ऐसे सर्वे और रेस्क्यू अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति खुले में ठंड से प्रभावित न हो।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विवाह पूर्व मेरा नाम वर्षा साकरे पिता श्री रविद्र साकरे था, जबकि विवाहोपरान्त मेरा नाम परिवर्तित होकर वर्षा डहरवाल पति श्री पंकज डहरवाल हो गया है।

अत: आज दिनांक में मेरे समस्त अभिलेखों में अंकित किया जावे एवं मुझे वर्षा डहरवाल के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा लिखा जावें।

श्रीमति वर्षा डहरवाल
पति श्री पंकज डहरवाल
वार्ड न. 13 गंगानगर बुढ़ी बालाघाट

आवश्यकता है

- पारस कंपनी में मार्केटिंग हेतु-01 पद (वेतन- 20000.00+)
- फोन कॉल हेतु - 01 पद (वेतन-6000.00+)
- पाइप शोरूम कार्य हेतु युवक-02 पद (वेतन - 10000.00+)
- पाइप शोरूम कार्य हेतु युवती-02 पद (वेतन - 7000.00+)

नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
तंदुरी मिस्त्री-01 पद, वेतन- 15000/-
सप्लायर- 02 पद, वेतन-12000/-
कुक-01 पद, वेतन-15000/-
सावजी भोजनालय
दुर्गा चौक गर्रा, बालाघाट
7999310495, 7089840002

बेचना है
ओकाया ईव्ही टॉप मॉडल बालाघाट पासिंग 3 साल पूरानी इंश्योरेंस कम्पलीट बेचना है।
पता- बालाघाट बस स्टेण्ड के पास, मो. 94258-42604

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवकी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाली ही संपर्क करें
वेतन - 12000+
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)मो. 9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अपराध रोकने रात में पैदल गश्त पर निकली पुलिस

सुनसान स्थानों पर मिले शराबी, कराई उठक-बैठक, गर्ल्स हॉस्टल का भी किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों, अपराध और छेड़छाड़ की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस विभाग ने रात्रिकालीन पैदल गश्त अभियान की शुरुआत कर दी है। अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों और जवानों द्वारा रात में पैदल भ्रमण कर संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। इसी कड़ी में 27 नवंबर की देर रात सीएसपी वैशाली सिंह के नेतृत्व में कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती व पुलिस बल के साथ शहर के सुनसान इलाकों में गश्त की गई।

गश्त के दौरान पुलिस टीम ने बाजार क्षेत्र, मुख्य मार्ग, आवासीय कॉलोनियों और बायपास से जुड़े कई सुनसान हिस्सों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाली पड़े प्लाटों में कुछ युवक शराब के नशे में बैठे मिले। पुलिस ने मौके पर ही युवकों को कड़ी फटकार लगाते हुए समझाइश दी और उठक-बैठक लगवाई। साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा ऐसी हरकत करते पाए जाने पर कानूनन कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम ने इसी क्रम में कुछ युवा समूहों को भी सड़क किनारे बिना किसी कारण खड़े पाया, जिन्हें रोककर पूछताछ की गई और समझाइश दी गई कि देर रात अनावश्यक रूप से घूमना या जमावड़ा करना संदिग्ध गतिविधि की श्रेणी में आता है।

गर्ल्स हॉस्टल का किया निरीक्षण

रात्रि गश्त के दौरान सीएसपी वैशाली सिंह सीधे गर्ल्स हॉस्टल पहुंचीं। यहां उन्होंने छात्राओं से मुलाकात कर सुरक्षा से संबंधित जानकारी ली और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि स्कूल, कॉलेज आने-जाने या हॉस्टल के आस-पास किसी भी व्यक्ति द्वारा परेशानी खड़ी की जाती है, तो बिना झिझक पुलिस को सूचना दें। आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की समस्या को छुपाना नहीं, बल्कि बताना आवश्यक है। पुलिस टीम ने हॉस्टल के सुरक्षा प्रबंधन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी कैमरा और आसपास की परिस्थितियों का भी जायजा लिया।

संदिग्धों पर होगी तत्काल कार्रवाई

सीएसपी वैशाली सिंह ने बताया कि रात में पुलिस की पैदल गश्त नियमित रूप से जारी रहेगी। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में उतरेंगे तथा हर उस स्थान की जांच की जाएगी जहां असामाजिक गतिविधियों की आशंका होती है। वैशाली सिंह ने स्पष्ट कहा है कि सड़क किनारे शराब पीने वालों, सुनसान जगहों में समूह बनाकर बैठने वालों, और बिना कारण भटकने वालों की अब खैर नहीं। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वैशाली सिंह ने शहरवासियों से सहयोग की अपील की हैं और कहा हैं कि रात में असामाजिक गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दें। स्कूल, कॉलेज जाने वाली बेटियों और छात्राओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिस पूरी तरह सतर्क है, लेकिन जनता की सूचना कई अपराधों को होने से पहले रोक सकती है।

सड़क सुरक्षा अभियान जारी, चल रहा जागरूकता अभियान,

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले में इन दिनों पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 26 नवंबर से 10 दिसंबर तक जिले भर में आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत यातायात पुलिस शहर के स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों में पहुंचकर विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर रही है। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाना अनिवार्य रखने तथा वाहनों का बीमा करवाने के महत्व पर विशेष रूप से जानकारी दी जा रही है। यातायात थाना प्रभारी यीना रहांगडाले ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूल संस्थानों और आमजन को यातायात नियमों से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और जीवन की सुरक्षा के लिए हेलमेट सहित सभी नियमों का पालन जरूरी है। थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में दोपहिया व अन्य वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना और मोबाइल का उपयोग न करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही वाहनों का बीमा कराना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुर्घटना की स्थिति में बीमा सुरक्षा कवच की तरह सहयोग करता है। इस कारण अभियान के दौरान विशेष रूप से बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

शहीद हवलदार केशवकुमार राहंगडाले की प्रथम पुण्यतिथि पर प्रतिमा का अनावरण

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले ग्राम देवाटोला निवासी शहीद हवलदार केशव कुमार राहंगडाले की प्रथम पुण्यतिथि पर 30 नवंबर, रविवार को उनकी प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा। यह गरिमामय कार्यक्रम दोपहर 1ः00 बजे ग्राम पंचायत परिसर चीचगांव में आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर ग्राम पंचायत व ग्रामीणों में गहरा उत्साह है। गांव के युवाओं, सामाजिक संगठनों और वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग से आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शहीद के शौर्य और बलिदान को सदैव स्मरण रखने के उद्देश्य से स्थापित यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रेरित करेगी। अनावरण कार्यक्रम में आसपास के गांवों सहित क्षेत्र के ग्रामीण, सामाजिक संगठन, सम्मानित नागरिक एवं जनप्रतिनिधियों के बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गयी है। समारोह के दौरान शहीद के परिजन भी सम्मानपूर्वक उपस्थित रहेंगे। उनके लिए मंच पर विशेष स्थान निर्धारित किया गया है, जहां ग्रामीण उन्हें सम्मान एवं श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

12 लाख 35 हजार 55 मतदाताओं के गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

जिले में 90.13 प्रतिशत गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्ङ्घक्र2026) कार्य में 28 नवंबर 2025 की शाम तक जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 12 लाख 35 हजार 55 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार बालाघाट जिले में मतदाताओं के 90.13 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन किया जा चुका है। बैहर विधानसभा 95.51 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ जिले में प्रथम स्थान पर है। गणना पत्रकों के डिजिटलाईजेशन में बालाघाट जिला प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में बीएलओ की टीम शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के लिए तेजी से काम कर रही है। बालाघाट जिले के 1675 मतदान केन्द्रों के बीएलओ द्वारा किये जा रहे इस कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे एवं सभी एसडीएम व तहसीलदार गांव-गांव जाकर एसआईआर कार्य का सतत निरीक्षण कर रहे हैं । बालाघाट जिले में गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन में बैहर विधानसभा 95.51 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ प्रथम स्थान पर है। बैहर विधानसभा में 02 लाख 37 हजार 371 मतदाताओं में से 02 लाख 26 हजार 705 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा वारासिवनी 91.63 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ दूसरे स्थान पर है, इसमें 02 लाख 07 हजार 152 मतदाताओं में से 01 लाख 89 हजार 820 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा परसवाड़ा 89.83 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है, इसमें 02 लाख 29 हजार 48 मतदाताओं में से 02 लाख 05 हजार 753 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

विधानसभा कटंगी 89.85 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ पांचवें स्थान पर है, इसमें 02 लाख 05 हजार 828 मतदाताओं में से 01 लाख 84 हजार 942 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा लांजी 89.75 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ चौथे स्थान पर है, इसमें 02 लाख 52 हजार 714 मतदाताओं में से 02 लाख 26 हजार 820 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। बालाघाट विधानसभा 84.39 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के साथ छठवें स्थान पर है, इसमें 02 लाख 38 हजार 199 मतदाताओं में से 02 लाख 01 हजार 15 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

दो दिन से लापता व्यक्ति महेश की आमा तालाब से लाश बरामद

रिश्तेदार ने ही शराब पिलाई और तालाब में धक्का देकर उतारा मौत के घाट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगर के वार्ड नंबर 1 बूढ़ी समीप सिदार्थ नगर समीप आमा तालाब में उस समय सनसनी फैल गई ।जब घर से 2 दिन से लापता एक व्यक्ति की लाश इस आमा तालाब से बरामद की गई । मृतक महेश पिता मोहन सोनवाने 43 वर्ष की तालाब में धक्का देकर उसकी हत्या की गई है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति कमलेश कोहरे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू की है । संभावना व्यक्ति की गई की कमलेश कोहरे ने महेश की पत्नी के साथ प्रेम संबंध के चलते इस वारदात को अंजाम दिया है। इस संबंध में मृतक महेश की पत्नी सरिता से भी पूछताछ की जा रही है।

2 दिन से लापता महेश की तालाब में लाश मिलने से फैली सनसनी

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर 1 बूढ़ी माता मंदिर के पास महेश सोनवाने अपने परिवार के साथ रहता था और वह मिस्त्री के काम करता था। 26 नवंबर की शाम से महेश सोनवाने अपने घर से निकला था किंतु वह घर नहीं लौटा परिजनों के द्वारा बालाघाट नगर के अलावा रिश्तेदारी में खोजबीन करने पर भी महेश सोनवाने नहीं मिला । 27 नवंबर को सरिता सोनवाने ने अपने पति महेश सोनवाने के गुम होने की रिपोर्ट कोतवाली बालाघाट में की थी। बताया कमलेश कोहरे का महेश सोनवाने के घर आना-जाना लगा रहता था। 26 नवंबर की शाम कमलेश कोहरे के साथ महेश सोनवाने को अंतिम बार देखा गया था। परिजनों ने कमलेश कोहरे पर ही शक किए थे। 28 नवंबर को कोतवाली पुलिस ने कमलेश कोहरे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई ।पहले तो वह महेश सोनवाने के संबंध में इंकार करता रहा किंतु कड़ाई से

पूछताछ करने पर उसने महेश सोनवाने को शराब पिलाकर आमा तालाब में धकेलना के संबंध में बताया। 4ः00 कमलेश कोहरे के ही निशानदेही पर आमा तालाब से महेश सोनवाने ने की लाश बरामद की गई ।इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उपाध्याय, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिह नगर निरीक्षक कामेश धूमकेतु के अलावा एफ एस एल टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की और मृतक महेश सोनवाने की लाश पंचनामा कार्यवाही पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल बालाघाट भिजवा दी गई।

परिजनों के द्वारा कमलेश कोहरे पर संदेह जताया गया था- नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह

नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली सिंह ने बताया कि थाना कोतवाली में महेश सोनवाने का गुम इंसान दर्ज किया गया था। परिजनों के द्वारा कमलेश कोहरे पर संदेह जताया गया था। कमलेश कोहरे से शक्ति से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि महेश सोनवाने को शराब पिलाकर तालाब में धकेल दिया गया परिजनों को कमलेश कोहरे पर क्यों संदेह हुआ इस संबंध में आगे पूछताछ की जा रही है।

भाई को कमलेश कोहरे द्वारा मारा गया है- राजेश सोनवाने

राजेश सोनवाने ने बताया कि मृतक उनका छोटा भाई महेश सोनवाने है। जिसके गुम होने की जानकारी मिली थी। कल शाम को ही गुम इंसान कायम कर तलाश की गई और कुछ साक्ष्य मिले कोतवाली को दिए थे राजेश सोनवाने ने बताया कि उनके भाई को कमलेश कोहरे द्वारा मारा गया है। कमलेश कोहरे ने महेश सोनवाने को घर ले जा रहा हूं कहकर अपने साथ ले गया और तालाब में धक्का दे दिया।

महेश की हत्या में पत्नी पर भी संदेह-

जानकारी के मुताबिक महेश सोनवाने और कमलेश कोहरे आपस में रिश्तेदार बताए गए हैं और दोनों मिस्त्री का काम करते थे। बताया जा रहा है कि कमलेश कोहरे का मृतक महेश सोनवाने की पत्नी सरिता सोनवाने के साथ अफेयर चल रहा था। जिसके कारण महेश सोनवाने के घर कमलेश कोहरे का आना-जाना लगा रहता था। 26 नवंबर की शाम कमलेश कोहरे महेश सोनवाने के घर आया था और उसने महेश सोनवाने को अपने घर ले जाता हूं का कर अपने साथ लेकर गया था। दोनों ने तालाब किनारे शराब पिए कमलेश कोहरे ने सुरेश सोनवाने को अधिक शराब पिलाई थी और शराब के नशे में उसने महेश सोनवाने को तालाब में धकेल दिया। सम्भवत: महेश सोनवाने की पत्नी सरिता के साथ प्रेम संबंध के चलते कमलेश कोहरे ने इस वारदात को अंजाम दिया। कोतवाली पुलिस सरिता सोनवाने से भी पूछताछ कर रही है। संभावना व्यक्त की गई है कि महेश सोनवाने की हत्या में उसकी पत्नी सरिता सोनवाने का भी हाथ हो सकता है। मामले की जांच की जा रही है। मृतक महेश सोनवाने की लाश का शाम होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। कोतवाली पुलिस ने महेश सोनवाने की लाश जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। जिसका पोस्टमार्टम 29 नवंबर को किया जाएगा।

अफसरों ने बालाघाट बुलाकर हितधारकों को परेशानी थमाया!!

हितग्राहियों को फोन कर बुलाया पहुंचने पर नहीं मिली व्यवस्था

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत बालाघाट के प्रांगण में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से संबंधित कैंप का आयोजन किया गया था। इसके लिए जिले के विभिन्न ब्लॉकों से हितग्राहियों को फोन कर बालाघाट बुलाया गया था, लेकिन जब हितग्राही जनपद कार्यालय पहुंचे तो वहां किसी प्रकार की व्यवस्था ही नहीं मिली।

अव्यवस्था की वजह से कई हितग्राही जनपद पंचायत के बजाय जिला पंचायत कार्यालय पहुंच गए और बाद में वहां से पैदल-पैदल जनपद कार्यालय तक जाते हुए परेशान होते रहे। कुछ हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें फोन पर बालाघाट आने को कहा गया था, लेकिन यहां पहुंचने के बाद जिन नंबरों से कॉल किया गया था, वे रिसीव नहीं किए गए और यहां तक कि उनके नंबर ब्लैकलिस्ट तक कर दिए गए। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इतनी बड़ी संख्या में हितग्राही पहुंचेगें , जिसके कारण प्रबंधन में कमी रह गई और उन्हें थोड़ी असुविधा हुई।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर 28 नवंबर को जनपद पंचायत बालाघाट प्रांगण में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक पी.एम. विश्वकर्मा योजना से संबंधित कैंप आयोजित किया गया था। इस कैंप में योजना से जुड़े विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी, अग्रणी बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग वारासिवनी के अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों के निराकरण

के लिए संबंधित बैंक शाखा प्रबंधकों को भी शिविर में उपस्थित रहने कहा गया था। हितग्राहियों को अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई थी। लेकिन वास्तविक स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत रही। जिले के विभिन्न ब्लॉकों से हितग्राही बालाघाट पहुंचे तो जनपद पंचायत प्रांगण में किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं की गई थी। न तो अधिकारी उपस्थित थे और न ही कैंप संबंधी कोई जानकारी या काउंटर तैयार था। अव्यवस्था की वजह से कई हितग्राही पहले जनपद पंचायत और फिर जिला पंचायत कार्यालय भटकते रहे। बाद में वे पुनः पैदल-पैदल जनपद पहुंचे और जिन नंबरों से उन्हें फोन कर बुलाया गया था, उन पर संपर्क करने का प्रयास किया। हितग्राहियों के अनुसार फोन प्रारंभ में 1-2 बार उठाए गए लेकिन बाद में उनके नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिए गए, जिसके कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मीडिया के हस्तक्षेप के बाद आनन-फानन में जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा हितग्राहियों के बैठने की व्यवस्था कराई गई। जब सीईओ से इस संबंध में जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें केवल हॉल खुलवाने के निर्देश मिले थे और पूरी व्यवस्था दूसरे संबंधित विभाग की थी। संबंधित अधिकारियों से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि उन्हें हितग्राहियों से योजना संबंधी फीडबैक लेने के लिए फोन कर बुलाया गया था , लेकिन उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि इतनी बड़ी संख्या में हितग्राही जिले मुख्यालय पहुंच जाएंगे, जिसके कारण अव्यवस्था की स्थिति निर्मित हुई।

कैंप में कोई व्यवस्था नहीं थी

कुछ हितग्राहियों ने बताया कि जब वे जिला पंचायत के प्रांगण में पहुंचे तो वहां न तो किसी प्रकार का काउंटर बना था और न ही बैठने की कोई व्यवस्था थी। हितग्राहियों का कहना था कि वे सुबह से अपने घरों से निकलकर केवल कैंप के लिए आए थे, लेकिन यहां पहुंचने पर पूरी तरह अव्यवस्था ही दिखाई दी। लोगों का आरोप है कि जब विभागों द्वारा फोन कर उन्हें बालाघाट बुलाया गया था, तो संबंधित अधिकारी वर्ग को कैंप स्थल पर उपस्थित रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी थी।

सुबह से पैदल पैदल भटकते रहे

कटंगी क्षेत्र के पांजगांव निवासी सुनील माहनकर ने बताया कि उन्हें दूरभाष पर फोन कर बालाघाट आने के लिए कहा गया था। वे सुबह 7 बजे ट्रेन से निकलकर 9 बजे बालाघाट पहुंचे, लेकिन जनपद पंचायत में किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं मिली। मौके पर उन्हें जिला पंचायत भेज दिया गया, जहां भी कोई काउंटर या व्यवस्था नहीं थी। सुनील के अनुसार उन्होंने जिस नंबर से कॉल आया था, उस पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन बाद में उनका नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को इस तरह परेशान करना गलत है और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

किसानों ने नहर के लाइनिंग कार्य में भारी अनियमितता बरतने का निर्माण कंपनी और विभाग पर लगाया आरोप

घटिया स्तर से हो रहे नहर लाइनिंग कार्य का बघोली-पनबिहरी के किसानों ने किया विरोध, गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. से निकली बघोली एवं पनबिहरी माइनर नहर का जल संसाधन विभाग के द्वारा माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा नहर के माइनर कार्य में भारी अनियमितता बरतने के साथ ही घटिया मटेरियल का उपयोग किया जा रहा हैं। जिससे नहर जल्द खराब हो जायेगी इसलिए बघोली और पनबिहरी के किसानों ने सर्राटी जलाशय केनाल की माइनर नहर के लाइनिंग के निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितता के लेकर शुक्रवार को निर्माण स्थल में विरोध प्रदर्शन करते हुए निर्माण कार्य बंद करवाकर जिम्मेदार अधिकारी एवं ठेकेदार को निर्माण स्थल पर बुलाने की मांग की। साथ ही विभाग एवं निर्माण कंपनी पर लाखों रूपयों की लागत से बन रही नहर के लाइनिंग कार्य में अनियमितता बरतते हुए शासन की राशियों का दुरूपयोग करने का आरोप भी लगाया है। वहीं किसानों के द्वारा विरोध करने की जानकारी लगने पर जल संसाधन विभाग के एसडीओं एसआर अहिरवार निर्माण स्थल पहुंचे और किसानों से चर्चा कर ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने की सख्त निर्देश देकर गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने आश्वास्त किया। जिसके बाद किसानों का आक्रोश शांत हुआ। वहीं किसानों ने जल संसाधन विभाग के अधिकारी से कहा कि नहर के लाइनिंग कार्य गुणवत्तापूर्ण नही किया गया तो काम बंद करवाकर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसानगण उपस्थित रहे।

निर्माण कार्य में बरती जा रही भारी अनियमिता - राजेश

किसान राजेश टेम्भरे ने बताया कि नहर के लाइनिंग कार्य में ठेकेदार के द्वारा अनियमितता बरतते हुए गुणवत्ताहीन कार्य किया जा रहा है। मिट्टी को ठीक से बैठाना/धूम्मस किये बिना ही सीधे कांक्रीट कर दी जा रही है। जिससे निर्माण के कुछ दिनों बाद दरारे आने लगेगी और नहर जल्द खराब हो जायेगी। आगे बताया कि पूर्व में हुए सीमेन्टीकरण नहर कार्य में भी गुणवत्ता की कमी रही है जिसके कारण जगह-जगह से नहर क्षतिग्रस्त होने लगी है। इसलिए हमारी मांग है कि गुणवत्तापूर्ण कार्य होना चाहिए एवं निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की जाये।

गुणवत्तापूर्ण कार्य होना चाहिए - किशोर

किसान किशोर टेम्भरे ने बताया कि निर्माण कार्य घटिया तरीके से किया जा रहा था, जिसका विरोध करने पर एसडीओं मौके स्थल पर पहुंचे और जिस स्थान पर गुणवत्ताहीन कार्य किया गया था। उस हिस्से को तोड़कर दोबारा कांक्रीट करने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने आश्वास्त किया है जिसके बाद किसानों का आक्रोश शांत हुआ है। श्री टेंभरे ने बताया कि लंबे समय बाद माइनर नहर का सीमेंटीकरण किया जा रहा है इसलिए हमारी मांग है कि गुणवत्तापूर्ण मानकों के आधार पर कार्य किया जाये ताकि किसानों के खेतों तक आसानी से पानी पहुंच सके।

इनका कहना है-

निर्माण स्थल पहुंचकर ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने निर्देशित किया गया है और यह कार्य किसानों के अनुरूप ही किया जायेगा और विभाग के सब इंजीनियर, अमीन और चौकीदार निर्माण स्थल पर उपस्थित रहकर कार्य करवाये।

एसआर अहिरवार
एसडीओं
जल संसाधन विभाग लालबर्रा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मनाया गया संविधान दिवस समरोह

पद्मेश न्यूज बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 26 नवम्बर संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत एक भव्य और ज्ञानवर्धक समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण डॉ. पी.एस. कातुलकर, डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. एन.एम. कुरैशी द्वारा दीप प्रज्वलन और डॉ. बी.आर. आम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मराठे ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेंज नहीं, बल्कि देश की आत्मा और लोकतंत्र की नींव है। हमें अपने मौलिक अधिकारों के साथ-साथ अपने मौलिक कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना चाहिए। वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और गणतंत्र के सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी संविधान पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर संविधान प्रश्नोत्तरी, स्लोगन एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी डॉ. कंचन मसराम द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में सभी शिक्षकगणों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं के एक साथ भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया और सभी ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और उनका पालन करने की शपथ ली। कार्यक्रम के समापन के दौरान सभी ने राष्ट्रगान का गायन किया।

महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर समाज एवं देशहित में करें काम - श्यामलाल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के हाई स्कूल मार्ग न्यू मार्केट के समीप महात्मा ज्योतिबाराव फुले प्रतिमा चौक में फुले, अंबेडकर एवं बिरसा मुंडा संयुक्त समिति के द्वारा 28 नवंबर को देश के महान क्रांतिकारक, समाज सुधारक, विचारवंत व महिला सशक्तिकरण की नींव रखने वाले क्रांतिकारी महात्मा 'योतिबाराव फुले की 135 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम फुले, अंबेडकर, बिरसा मुंडा संयुक्त समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा ज्योतिबाराव फुले की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। इस अवसर पर उपस्थित समिति के पदाधिकारी एवं सामजिक बंधुओं ने महान क्रांतिकारक, समाज सुधारक, विचारवंत व महिला सशक्तिकरण की नींव रखने वाले क्रांतिकारी महात्मा ज्योतिबराव फुले व माता सावित्री बाई फुले के जीवन गाथाओं पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में काम करने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि महात्मा ज्योतिबाराव फुले जी एक महान समाज सुधारक थे और जीवन पर्यन्त हर समाज के हित में काम किया एवं उस समय नारी शिक्षा को महत्व नही दिया जाता था। इसके विरोध में उन्होने अपनी पत्नि सावित्तीबाई फुले को पढ़ाकर दोनों ने नारी शिक्षा पर जोर दिया जिससे वर्तमान में महिलाएं भी पुरूषों की भांति हर क्षेत्र में काम कर रही है। इसलिए हम सभी को महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर समाजोत्थान एवं देशहित में काम करना चाहिए। फुले, अंबेडकर एवं बिरसा मुंडा संयुक्त समिति लालबर्रा के पदाधिकारी श्यामलाल पंचेश्वर ने बताया कि महात्मा 'योतिबाराव फुले समाजोत्थान के लिए अनेक कार्य किये है ऐसे समाजसुधारक की आज पुण्यतिथि मनाकर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित कर उन्हे याद किया गया। साथ ही यह भी बताया कि महात्मा फुले ने समाज को नई दशा व दिशा प्रदान की है, हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलकर समाज व देशहित में काम करना चाहिए। ताराचंद कावड़े ने बताया कि महात्मा ज्योतिबाराव फुले ने शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान दी है, जिसके कारण उन्हे शिक्षा का जनक कहा जाता है क्योंकि इन्होंने ही देश में शिक्षा की अलग जगाई है। साथ ही देश के पिछड़े, दलित को शिक्षित करने का काम महात्मा ज्योतिबाराव फुले ने किया। इस अवसर पर फुले, अंबेडकर एवं बिरसा मुंडा संयुक्त समिति लालबर्रा के पदाधिकारी, सदस्य एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

मंडला जिले के पंचायत जनप्रतिनिधियों ने देखा पांढरवानी के उत्कृष्ट ग्राम स्वराज का मॉडल

पांढरवानी पंचायत क्षेत्र में करवाये गये विकास कार्यों का भ्रमण कर निर्माण कार्यों की सराहना की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत मंडला जिले के निर्वाचित पंचायत के सरपंच एवं पंचायत सचिवों की 50 सदस्यीय दल ने एक्सपोजर विजिट के तहत शासन के निर्देश पर बालाघाट जिले की प्रगतिशील ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा का शुक्रवार को भ्रमण किया। वहीं इस भ्रमण का उद्देश्य सफल पंचायती राज के मॉडल को समझना और उसे अपने-अपने क्षेत्रों में लागू करने की प्रेरणा लेना था। वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र सिवनी द्वारा आयोजित इस विजिट में पंचायत में हुए सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वसुविधायुक्त कार्यों को प्रमुखता से दिखाया गया। जिसमें पंचायत क्षेत्र में निर्मित सार्वसुविधायुक्त गार्डन, सुंदर ग्राम पंचायत भवन, बडे शहरों की तर्ज पर स्थापित कचरा संग्रहण केन्द्र, जिले का सर्वश्रेष्ठ मोक्षधाम, कब्रिस्तान, थोक सब्जी मार्केट, न्यू मार्केट, पंचायत क्षेत्रों में वाहनों से सफाई कार्य की प्रणाली और 5 तालाबों को आपस में जोड़ने के कार्यों का निरीक्षण (भ्रमण) किया। वहीं साथ ही पंचायत क्षेत्र में करवाये गये विकास कार्यों एवं 5 तालाब को आपस में जोड़ने के कार्यों की अनूठी पहल को दल ने सराहा। साथ ही मोक्षधाम और कब्रिस्तान के सर्वागीण विकास कार्य भी देखे। पांढरवानी ग्राम पंचायत में बिजली बिल (ओ.एस.आर.) का ऑनलाईन संग्रहण करने की व्यवस्था को डिजिटल ग्राम स्वराज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। साथ ही पंचायत क्षेत्र में करवाये गये अन्य कार्य स्थल का भ्रमण कर उस कार्य को सभी ने सराहा भी है। इस तरह से एक्सपोजर विजिट के तहत मंडला जिले से पहुंचे पंचायत जनप्रतिनिधियों ने पांढरवानी पंचायत के उत्कृष्ट ग्राम स्वराज का मॉडल (निर्माण कार्यों को नजदीक से देखा)। वहीं अपने क्षेत्र में लागू करने की भी बात कही है।

इनका कहना है-

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के माध्यम से एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत मंडला जिले के 52 सदस्यीय सरपंच व सचिवों का दल ने पांढरवानी पंचायत क्षेत्र में करवाये गये विभिन्न विकास कार्य स्थल पहुंचकर भ्रमण कर कार्यों का अवलोकन किया है और सभी ने निर्माण कार्यों की सराहना भी की है।

अनीस खान
सरपंच
ग्राम पंचायत पांढरवानी।

नेवरगांव ला. की महिलाओं ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

अवैध रूप से पक्की एवं कच्ची शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाने एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. की नशा मुक्ति समिति के बैनर तले सैकड़ों महिलाएं शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाते हुए 28 नवंबर को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ग्राम में कच्ची एवं पक्की शराब की हो रही अवैध बिक्री पर तत्काल रोक लगाने, विक्रय करने वालों पर कार्यवाही एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की है। नशा मुक्ति समिति की महिलाओं ने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत करवाया है कि ग्राम में कुछ लोग अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब का विक्रय कर रहे है। जिसके कारण न केवल बड़े-बुजुर्ग, बल्कि युवा वर्ग भी नशे के आदि हो रहे हैं और शराब के नशे में घरों एवं गांव के चौक चौराहों में लड़ाई झगड़े करते है जिससे ग्राम का सामाजिक और पारिवारिक माहौल खराब हो रहा है। जबकि नशा मुक्ति समिति के द्वारा ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है और ग्राम में अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब बेचने वालों से शराब का विक्रय न करने की अपील की जाती है तो वे लोग महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते है। वहीं ग्राम में कच्ची एवं पक्की शराब बिकने के कारण पीने के लिए दुसरे ग्राम के लोग भी आते है और नशे की हालत में लोगों से वाद-विवाद भी करते है एवं नशे की हालत में वाहन चलाने से दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। इसलिए शुक्रवार को तहसील कार्यालय में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ग्राम में कच्ची एवं पक्की शराब का विक्रय करने पर प्रतिबंध लगाकर विक्रय करने वालों को कठोर कार्यवाही करने एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की है।

ग्राम को नशा मुक्त बनाना है - शीला

श्रीमती शीला सिंघेश्वर ने बताया कि ग्राम में कुछ लोग अवैध रूप से कच्ची एवं पक्की शराब का विक्रय करते है। जिससे लोग शराब पीने का आदि हो रहे है एवं ग्राम का माहौल भी खरब हो रहा है। साथ ही जो लोग शराब पी रहे है वे घर पहुंचकर परिवार से वाद-विवाद करते है जिससे परिवार के लोग बेहद परेशान है एवं उनकी आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है। श्री सिंघेश्वर ने बताया कि तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ग्राम में अवैध रूप से शराब विक्रय करने वालों पर कार्यवाही कर विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है ताकि ग्राम को नशा मुक्त बना सके।

प्रशासन अवैध शराब विक्रय पर लगाये प्रतिबंध - संतोष

नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर ने बताया कि ग्राम में अवैध शराब विक्रय होने से लोग शराब पीकर वाद-विवाद करते है जिससे सबसे अधिक परेशान महिलाएं है इसलिए समूह की महिलाओं ने समिति का गठन कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि महिलाओं के द्वारा पूर्व में पंचायत में पहुंचकर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग एवं शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाने में सहयोग करने की अपील की थी, महिलाओं के प्रयास की हम सराहना करते है जो ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए अभियान चला रहे है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया है और प्रशासन से मांग है कि अवैध शराब विक्रय पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाये और महिलाओं को ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

एकोड़ी सरपंच पर जिला सीईओ ने की धारा 40 की कार्यवाही

मोनिका मेश्राम को तत्काल पद से पृथक कर 6 वर्ष के लिए किया निरर्हित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत एकोड़ी प्रकरण में जिला पंचायत सीईओ के द्वारा २४ नवंबर को आदेश जारी कर ग्राम सरपंच के खिलाफ धारा ४० की कार्यवाही की गई है। जिसमें सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम को तत्काल पद से पृथक कर आगामी ६ वर्ष के लिए किया निरर्हित कर दिया गया है। यह कार्यवाही जिला पंचायत के द्वारा ग्राम में बिना किसी आवेदक के कुटरचित दस्तावेज के आधार पर एवं प्रस्ताव लेकर भू अधिकार पत्र जारी करवाने के विरोध में की गई है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पास जारी प्रकरण में सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम को जयप्रकाश गणवीर को लाभ दिलाये जाने की मंशा से भू.अधिकार का पटटा दिलाये जाने हेतु दोषी पाया गया हैं।

यह है मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत एकोड़ी में ग्राम में नल जल योजना के निर्माण के लिए स्थल चयन किया गया था। इसके बाद ग्राम पंचायत में २४ मई २०२३ को आयोजित ग्रामसभा में उक्त चयनित स्थल पर नल जल योजना निर्माण के लिए प्रस्ताव लिया गया था। जहां पर बोरवेल का निर्माण भी कर दिया गया था। उक्त स्थान पर ग्राम सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम के द्वारा ग्राम के पंच जयप्रकाश गणवीर को मुख्यमंत्री आवासीय भू अधिकार के तहत कुटरचित दस्तावेज जनपद और तहसील को दिए गए। जिसके आधार पर पंच जयप्रकाश गणवीर को भूखंड का पट्टा दिलवाया गया था। उक्त विषय की जानकारी लगते ही ग्राम के मनोज हरिनखेंडे सहित अन्य पांच व्यक्तियों के द्वारा शिकायत

की गई थी। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत का प्रतिवेदन और नायब तहसीलदार के राजस्व प्रकरण आदेश एवं ग्राम पंचायत की ग्राम सभा के प्रस्ताव सहित अन्य दस्तावेज के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट को शिकायत की गई थी। जिसमें उनके द्वारा एकोड़ी सरपंच पर कूटरचित प्रस्ताव के आधार पर भूखंड आवंटन करवाये जाने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही करने मांग की गई थी। उक्त प्रकरण की जांच के दौरान जिला पंचायत सीईओ के द्वारा एकोड़ी सरपंच मोनिका मेश्राम को मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ४० के तहत कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था। जिसमें जवाब और विभिन्न दस्तावेजों की जांच की गई। इस दौरान शिकायतकर्ताओं के द्वारा मामले में धारा ४० की कार्यवाही सरपंच के विरुद्ध करने की मांग जिला पंचायत से की गई थी।

जिला पंचायत ने यह आदेश किया जारी

न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी विहित प्राधिकारी जिला पंचायत बालाघाट ने म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ४०/८९ के तहत पं.प्र.क्र.४६ अ.४० वर्ष २०२५-२६ ग्राम पंचायत एकोड़ी जनपद पंचायत वारासिवनी ने सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम, ता.सचिव ज्ञानेश्वर रोकड़े ,ता.सचिव छोटेलाल राणा के नाम आदेश जारी किया। आदेश में उल्लेखित है की जांच प्रतिवेदन ग्राम पंचायत के प्रस्ताव राजस्व आदेश पत्र जवाब तर्क साक्ष्य कथन के परिशीलन में पाया कि ग्राम पंचायत एकोड़ी के सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम द्वारा ग्राम पंचायत के पंच जयप्रकाश गनवीर को लाभ दिलाये जाने की मंशा से नियम विरूद्ध कूटरचित प्रस्ताव प्रतिवेदन आदि दस्तावेज प्रस्तुत कर नायब तहसीलदार वारासिवनी न्यायालय से मुख्यमंत्री भू.अधिकार योजना के तहत भूखण्ड अधिकार पत्र जारी किया गया था। जिसे जांच उपरान्त पुनर्विलोकन में लेकर नायब तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा दिलाये गए पटटे को निरस्त किया गया है। उक्त भूमि में प्रस्ताव २४ मई २०२३ अनुसार पानी टंकी का निर्माण प्रस्तावित है एवं ट्यूबवेल खनन किया जा चुका है। सरपंच श्रीमती मोनिका मेश्राम के द्वारा जानबूझकर पंच जयप्रकाश गनवीर को लाभ दिलाये जाने की मंशा से नियम विरूद्ध कूटरचित प्रस्ताव तैयार कर उक्त कृत्य किया गया। प्रचलित प्रकरण में श्रीमती मोनिका मेश्राम सरपंच के द्वारा किये गए कृत्य कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार का दोषी पायी गयी है। म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम १९९३ की धारा ४० क के तहत अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार का दोषी पाये जाने से धारा ४० क के प्रावधान अनुसार अनावेदिका श्रीमती मोनिका मेश्राम सरपंच ग्राम पंचायत एकोड़ी के सरपंच पद से तत्काल पृथक किया जाता है। तथा आगामी छः वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित किया जाता है।

महामाया बौद्ध विहार में ७६ वॉ संविधान दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के महामाया बुद्ध विहार में २६ नवंबर को बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ ७६ वॉ संविधान दिवस मनाया गया । जिसमें सर्वप्रथम अपने मुक्तिदाता भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ भीमराव रामजी आंबेडकर की प्रतिमा के सामने मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पुष्प हारो से डॉ आंबेडकर एवं तथागत बुद्ध की प्रतिमाओं का स्वागत सत्कार किया गया । तत्पश्चात सामूहिक रूप से अनु बागडे के द्वारा पूजा वंदना करवाई गई। पश्चात संविधान की प्रस्तावना या उद् ये शिकायत का सामूहिक वाचन किया गया । पश्चात पहले आंबेडकर जयंती समारोह के पूर्व अध्यक्ष उत्तम मेश्राम, मुकेश पटले, मनोज भालाधरे, श्री दरवडे ,रितेश बोरकर, निलेश बौद्ध ,आर डी बंसोड़, आर सी नंदेश्वर ने संविधान दिवस पर अपने महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित विचार रख कर कहा कि हमें अपने बच्चों को संविधान के बारे में प्रतिदिन जानकारी देकर अपने अधिकारों को समझना चाहिए एवं जागरूक करना चाहिए । आज संविधान के संबंध में कुछ तथा कथित लोगों द्वारा अनर्गल बातें फैलाई जा रही है । वहीं आर के डोंगरे के द्वारा एक गीत भीमराव संविधान ना लिखने देश की हालत क्या होती अपने दुखड़े को लेकर के हर बहना और मा रोती, आज संविधान की वजह से महिलाओं को समानता का अधिकार मिला और इसी वजह से देश की प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक बनी । और सभी को समानता, स्वतंत्रता ,बंधुत्व और भाईचारा और न्याय मिला सारे देशों में भारत का संविधान सर्वश्रेष्ठ है जिसमें मिला। स्वतंत्रत एबंधुत्व और न्याय की व्यवस्था है । इस दौरान प्रहलाद ऊके, सिद्धार्थ घोडेश्वार, दिलीप मानकर, मनोज भालाधरे,निर्दोष टेंभुर्ने, समीर मेश्राम, विकास पाटिल,वामन कवडे ,दिनेश पाटील ,कल्पना मिशन ,अनीता मेश्राम ,रीना मेश्राम, शिखा मेश्राम ,साक्षी मेश्राम ,कविता मेश्राम ,प्रमिला चिचखेड़े , ममता बंसोड़ ,किरण मेश्राम, निर्मला देशभरतार ,लक्ष्मी चौहान ,काजल वासनिक, प्रीति चौहान,निशा वासनिक ,वंदना चौहान ,सुजाता ऊके,मंजू गोंडाने मौजूद रहे।

किसान गर्जना का कटंगी में हक अधिकार आंदोलन संपन्न

किसानों ने रैली धरना प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी बस स्टैंड में २८ नवंबर को किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में हक अधिकार आंदोलन का आयोजन किया गया। यह आंदोलन किसान गर्जना जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें संगठन के द्वारा कटंगी में विशाल किसान रैली बैलगाड़ी के साथ निकाली गई। वहीं धरना प्रदर्शन में सरकार के खिलाफजमकर आक्रोश व्यक्त कर एसडीएम को ज्ञापन देकर मांगों को पूरा करवाने अपील की गई।

कटंगी के खजरी से निकली किसानो की रैली

कटंगी के ग्राम खजरी स्थित लोहा पुल पर सभी किसानों एकत्रित हुए। जहां से एक बैलगाड़ी के साथ पैदल रैली निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में रैली में लोग शामिल रहे जिनके द्वारा शासन प्रशासन पर वादा खिलाफी को लेकर जमकर नारेबाजी की जाती रही। यह रैली मुख्य मार्ग से अर्जुन नाला होते हुए तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय के सामने से विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए बस स्टैंड पर पहुंची। जहां रैली का समापन कर शासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया गया।

किसानो ने शासन को याद दिलाया उसका वादा

बस स्टैंड में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। जिसमें किसानो की फसल कीट व्याधि बारिश सहित अन्य प्रकार से क्षति होने अतिवृष्टि होने के बाद भी शासन प्रशासन के रवैया को लेकर आक्रोश व्यक्त करने के लिए किया गया। जहां प्रशासन के द्वारा किए गए सर्वे पर भी आरोप लगाया कि किसानों के खेतों में महज २० से ३० प्रतिशत क्षति दिखाई गई है। जबकि अतिवृष्टि में कई किसानों को शत प्रतिशत नुकसान हुआ है तो वहीं कुछ किसानों की फसल उठने लायक नहीं बची है स्थिति यह है कि मवेशी के लिए पैरा तक

नहीं बच पाया है। शासन को इसे गंभीरता से देखना चाहिए सहित अन्य विषय को लेकर सभी किसान नेताओं के द्वारा शासन प्रशासन पर नाराजगी जाहिर की गई।

सात सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

किसानों ने धरना प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सात सुत्रीय मांगो का ज्ञापन दिया गया। जिसमें उल्लेखित हैं की आज किसानों की हालत बहुत विचारणीय है बालाघाट धान उत्पादक जिला है। हम चाहते हैं की क्षेत्र में लगातार बारीश एवं कीट व्याधि के प्रकोप से बर्बाद हुये धान फसल को देखते हुये कटंगी खैरलांजी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर क्षेत्र अंतर्गत हलकों के किसानों को फ सल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल का लाभ दिया जावें। सरकार अपनी चुनावी वादों के मुताबिक धान समर्थन मुल्य ३१०० रूपये से खरीदें। सरकार के द्वारा निर्धारित धान खरीदी केन्द्रों से किसानों की धान को अस्वीकार ना किये जायें। चुंकि बारिश की वजह से किसानों की धान प्रभावित हो चुकी है। किसानों की दशा सुधार हेतु सरकार किसान को २० हजार रूपये प्रति हेक्टेयर बोनस देवें। कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए बिजली लगभग १८ घण्टे प्रदान कि जावें। खरीफ सत्र २०२५-२६ की फसल बरबादी को ध्यान में रखते हुये खरीफ ऋ ण माफकिया जावें। नकली बीज एवं खाद पर सरकार अंकुश क्यों नहीं लगा रही है जिससे किसान आर्थिक एवं मानसिक रूप से बहुत परेशान है।

सरकार किसानों के साथ वादा खिलाफी कर रही है-रामकुमार

जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहां की किसान आंदोलन का आगाज खैरलाँजी से किया गया था। किसानो की जो उपज नष्ट हुई है उसके लिए किसान अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। अभी तक फसलों का बड़े अधिकारियों में दौरा नहीं किया है। जो सर्वे हुआ उसमें २० से ३० प्रतिशत नुकसानी बताई गई है। जबकि कई किसानो की शत प्रतिशत खराब हो गई है। किसानों का फसल बीमा भी नहीं है जबकि सभी को मुआवजा मिलना चाहिए। विद्युत व्यवस्था पूरी चौपट है किसान बहुत ज्यादा त्रस्त हैं हम सभी मिलकर यह लड़ाई लड़ रहे हैं। सरकार ने चुनाव में सार्वजनिक मंचों से समर्थन मूल्य की घोषणा की थी परंतु आज तक दे नहीं पाई है। ऐसे ही २०२२ में खेती को लाभ का धंधा बनाने का था परंतु लागत बढ़ गई है। किसान अब त्राहि त्राहि कर रहा है रबी की फसल भी यह नहीं खरीद रहे हैं बहुत ज्यादा दिक्कत हम धान उत्पादक किसानों के साथ है। हम जंगली जानवर सूअर मौसम और बीमारी तीनों से परेशान है। आज आप महाराष्ट्र में देखे तो हर प्रकार की सुविधा है परंतु हमारे यहां नहीं जबकि दोनों जगह सरकारें एक ही पार्टी की है।

जंगली सूअर के शिकार में दो आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी परियोजना परिक्षेत्र वन विकास निगम अंतर्गत ग्राम बोटेझरी के जंगल में जंगली सूअर के शिकार करने वाले दो आरोपी हितेश कंगाली और कुंवर वाडी को गिरफ्तार कर २८ नवंबर को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी परियोजना परिक्षेत्र वन विकास निगम को मूखबीर सूचना मिली थी कि ग्राम बोटेझरी के जंगल में वन्य प्राणी जंगली सूअर का शिकार किया गया है। जिस पर वन विभाग के द्वारा मौके पर उपस्थित होकर घटना की जानकारी ली गई वहीं मामले में जांच की गई। जिसमें हितेश पिता बलिराम कंगाली उम्र २८ वर्ष झालीवाड़ा मिर्चीटोला निवासी एवं कुंवर पिता शेरसिंह वाड़ी उम्र २१ वर्ष बोटेझरी निवासी को गिरफ्तार किया गया। जिसमें हितेश कंगाली अपने ससुराल बोटेझरी गया हुआ था जहां उसके द्वारा कुंवर के साथ मिलकर यह घटना की गई थी। उन्हें वन विभाग कार्यालय लाकर पूछताछ की गई तो उनके द्वारा कुत्तों के माध्यम से दौड़ाकर शिकार करने की बात काबुल की गई। विभाग के द्वारा वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की विभिन्न

धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया। वहीं आरोपियों के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त औजार व डंडे जप्त किए गए। वहीं डॉक्टर की उपस्थिति में जंगली सूअर का पोस्टमार्टम करवाया गया। रेंजर दिनेश रामटेके ने बताया कि बोटेझरी के जंगल में जंगली सूअर का शिकार हुआ था । सूचना पर मौके पर जांच की गई इसमें दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके द्वारा श्वान के माध्यम से दौड़ा कर जंगली सूअर का शिकार किया गया है। जंगली सूअर का पोस्टमार्टम डॉक्टर के द्वारा किया गया है। इसमें हमारे स्थाई कर्मी के द्वारा डॉक्टर को सहयोग किया गया था।

महाविद्यालय की दो छात्राओं का संभाग स्तरीय खोखो प्रतियोगिता में हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर अनुसार संभाग स्तरीय खोखो प्रतियोगिता का आयोजन राज माता सिंधिया शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा में २९ नवबंर २०२५ से किया जा रहा है। जिसे हेतु शासकीय एस एस पी महाविद्यालय की दो छात्रा का चयन हुआ है। जिसमे में दीक्षा उइके और पूजा पुर्राम का चयन हुआ है। ज्ञात हो की सभी का चयन जिला स्तरीय खोखो प्रतियोगिता कटंगी बालाघाट में उच्च प्रदर्शन के आधार पर किया गया है । सभी के चयन पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम, क्रीडा समिति के समस्त सदस्यगण समस्त प्राध्यापक सहायक प्राध्यापकों ने बधाइयां प्रेषित की एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मारपीट के चार आरोपियों को ६ माह का सश्रम कारावास

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी न्यायालय के न्यायाधीश देवांश यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने मारपीट के प्रकरण में फैसला देते हुए आरोपी मुन्नालाल चौहान, मिथुन चौहान, महेश चौहान, अनीता चौहान को ६ माह का सश्रम करवास एवं २००० रूपये के अर्थदंड से दंडित कर सजा सुनाई है। इस प्रकरण में प्रणव राजनेगी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ने बताया कि १९ दिसंबर २०२२ को घायल की वारासिवनी कोर्ट में पेशी थी। जिसमें वह गया पेशी करके शाम को करीबन ६ बजे वापस घर मेहदुली आ गया था। घर के सामने आंगन में अपनी पत्नि के साथ खड़ा होकर केस के बारे में बात कर रहे थे। तो तभी उसका चाचा मुन्नालाल और उसका लड़का मिथुन व उसका बड़ा भाई महेश व भाभी अनिता आये और उससे केस की बात को लेकर अश्लील गालियां देकर झगड़ा करने लगे। घायल ने गाली देने से मना किया तो मुन्नालाल ने उसे पकड़ लिया और तीनों ने उसके साथ लाठी डंडे से मारपीट किये। मिथुन चौहान ने बांये पैर में डंडा मारा जिससे वह गिर पड़ा और दर्द होने लगा तो सभी के सभी कहने

लगे कि वह बहुत केस लड़ता है और केस लड़ने की बात पर से जान से खत्म करने की धमकी दी गई थी। पुलिस थाना रामपायली के द्वारा प्रकरण में आवश्यक विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद यह प्रकरण न्यायालय में विचारधीन था जिसमें न्यायाधीश देवांश यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने आरोपी मुन्नालाल पिता तुलसीदास चौहान उम्र ५५ वर्ष ,मिथुन पिता मुन्नालाल चौहान उम्र ३० वर्ष ,महेश पिता नत्थूलाल चौहान उम्र ५० वर्ष, अनिता पति रमेश चौहान उम्र ४५ वर्ष सभी निवासी ग्राम मेहदुली थाना रामपायली का दोष सिद्ध होने पर उन्हें भादवि की धारा ३२५ सहपठित धारा ३४ के अपराध में ६-६ माह का सश्रम कारावास एवं ५००-५०० रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। अर्थदण्ड के व्यतिक्रम में १५ दिवस का सश्रम कारावास भुगताये जाने का आदेश पारित किया गया। यह प्रकरण में सहायक निदेशक कपिल कुमार डेहरिया के कुशल मार्गदर्शन में अभियोजन की ओर से पैरवी प्रणव राजनेगी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी वारासिवनी के द्वारा की गई।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

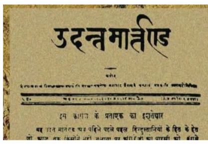

गर्व, चुनौती और जिम्मेदारी

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की महासभा में अहमदाबाद को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए औपचारिक स्वीकृति मिलना पूरे देश के लिए गर्व की बात है, जिसमें चुनौती और जिम्मेदारी, दोनों का संदेश छिपा है। हालांकि, भारत को यह सम्मान मिलने की पूरी संभावना तभी से जताई जा रही थी, जब राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की कार्यकारी समिति ने सौवें राष्ट्रमंडल खेलों के प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अहमदाबाद के नाम की सिफारिश की थी। ग्लासगो में लिया गया निर्णय एक तरह से उसकी आधिकारिक पुष्टि ही है। घोषणा के कुछ ही क्षण बाद जिस तरह से बीस

गरबा नर्तक और तीस भारतीय ढोल वादकों ने महासभा में समृद्ध सांस्कृतिक प्रदर्शन किया, उससे वहां मौजूद सभी लोगों को उस विरासत व गौरव का एहसास जरूर हुआ होगा, जिसकी उम्मीद सभी देशों के खिलाड़ी और प्रशंसक गुजरात में आयोजित हो रहे खेलों से कर सकते हैं। आयोजन में शामिल होने वाले खेलों की अंतिम सूची तय करने की प्रक्रिया अगले महीने से शुरू होगी, लेकिन माना जा रहा है कि 2030 में खेलों की संख्या अगले वर्ष ग्लासगो में होने वाले खेलों से कहीं अधिक होगी। चूंकि भारत की नजर 2036 में आयोजित होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक पर भी है, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों के जरिये

यह साबित करने की कोशिश जरूर होगी कि देश अब बगैर किसी रुकावट के बड़े खेल आयोजन कर सकता है। इस लक्ष्य के मद्देनजर ही शायद देश के राजनीतिक और खेल नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि भारत कई प्रमुख आयोजनों की श्रृंखला आयोजित करे, जिससे देश भर में मजबूत खेल बुनियादी ढांचा विकसित करने में मदद मिले। हाल ही में, नई दिल्ली में पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अपने पहले विश्व एथलेटिक्स इंटरकॉन्टिनेंटल टूर की मेजबानी इसी दिशा में उठाए गए कदम समझे जा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों की मेजबानी का मतलब सिर्फ खेल नहीं होता, बल्कि यह अर्थव्यवस्था को भी ताकत देता है। जाहिर है कि पर्यटन

में उछाल, होटल उद्योग का विस्तार, स्थानीय हस्तशिल्प और खान पान को वैश्विक मंच, हजारों नई नौकरियां और शहर की ब्रांड वैल्यू में कई गुना बढ़ोतरी, ये सब इसके स्वाभाविक परिणाम होंगे। 2023 के क्रिकेट विश्वकप फाइनल की याद अब भी ताजा है, उम्मीद की जानी चाहिए कि 2030 में उससे कई गुना बड़े आयोजन का फायदा न सिर्फ गुजरात, बल्कि पूरे देश को मिलेगा।

चिंतन की खिड़की : यह जिंदगी इतनी सस्ती तो नहीं!

प्रदूषित हवा केवल दिल्ली की नहीं, पूरे देश की समस्या है। सिर्फ देश की राजधानी होने के कारण नहीं, बल्कि दूसरे कई शहरों के मुकाबले ज्यादा एयर मॉनिटरिंग स्टेशन होने के कारण दिल्ली का एक्यूआई सुर्खियों में रहता है। वायु प्रदूषण का सबसे आसान शिकार बच्चे बन रहे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली अपनी जहरीली हवा की वजह से सुर्खियों में है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) एक जानी-पहचानी स्थिति है, जो बताता है कि हवा कितनी प्रदूषित है और सांस लेने के कुछ घंटों या दिनों में आपकी सेहत पर क्या असर पड़ सकता है, जो अभी सीवियर-प्लस रेंज में है। यह हर साल होने वाला एक तमाशा है, जिसे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने और काम करने वाले कुछ लोग खुशी-खुशी स्वीकार करते हैं, जबकि कुछ इसका विरोध करते हैं। लेकिन इस जहरीली हवा को लेकर चल रही बहस में भी हम कई जरूरी बातों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि देश के कई हिस्सों में हवा की गुणवत्ता की स्थिति के बारे में आंकड़ों की भी कमी है। इसके अलावा, प्रदूषित हवा पर चर्चा के दौरान अक्सर मजदूर वर्ग की चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जो असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। जब स्कूल बंद हो जाते हैं या घर से काम करने की सलाह दी जाती है कि बच्चे अपना अधिकतर समय घर

सबसे पहले, प्रदूषित हवा केवल दिल्ली की नहीं, पूरे देश की समस्या है। सिर्फ देश की राजधानी होने के कारण नहीं, बल्कि दूसरे कई शहरों के मुकाबले ज्यादा एयर मॉनिटरिंग स्टेशन होने के कारण दिल्ली का एक्यूआई सुर्खियों में रहता है। दिसंबर, 2022 में संसद में एक सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि दो करोड़ की आबादी वाली दिल्ली में 40 एयर-क्वालिटी मॉनिटर थे। इसकी तुलना पूरे महाराष्ट्र (आबादी 12.6 करोड़) से करें, जहां ऐसे 41 स्टेशन थे। बिहार (12.7 करोड़ लोग) में 35 थे। देश के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में दिल्ली से कम मॉनिटर थे, जबकि यहां की आबादी दिल्ली से आठ गुना अधिक है और कानपुर, लखनऊ और वाराणसी जैसे शहर अक्सर दुनिया की %सबसे ज्यादा प्रदूषित% रैंकिंग में दिल्ली से आगे रहते हैं। पिछले हफ्ते बुलंदशहर का एक्यूआई 500 से अधिक हो गया, लेकिन यह बात राष्ट्रीय सुर्खियों में नहीं आई।

के अंदर बिताएं, तो क्या इस बारे में सोचा जाता है कि घरेलू सहायकों या निर्माण श्रमिकों के बच्चों का क्या होता है, जिनके माता-पिता के पास उन्हें रखने के लिए कोई जगह नहीं होती और जो बिना एयर प्यूरीफायर वाले एक कमरे वाले घरों में बंद रहते हैं? इन बच्चों के लिए सरकार क्या पहल कर रही है? दुख की बात यह है कि सोशल मीडिया पर इतनी नाराजगी के बावजूद, भारत के राजनीतिक वर्ग ने कभी भी स्वास्थ्य, पर्यावरण या साफ हवा के लिए बराबरी की बात को नहीं माना है। हर बार कुछ सीएनजी बसें चलाने, ऑड-ईवन स्कीम, व ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लागू किए जाते हैं, जो हवा बदलते ही खत्म हो जाते हैं।

तो आइए, हम उसी भाषा में बात करते हैं, जिसमें संभावना हो

सकती है, यानी आर्थिक और राजनीतिक तर्क। प्रदूषित हवा के कारण हमारे बच्चे सिर्फ अस्थमा और निमोनिया का ही शिकार नहीं हो रहे हैं, बल्कि हम सिस्टमैटिक तरीके से यह सुनिश्चित करते हैं कि लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाले लाखों भारतीय बच्चों के मस्तिष्क का विकास रुक सकता है। इसका विज्ञान स्पष्ट है। फाइन पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) भ्रूण और छोटे बच्चों के नाजुक ब्लड-ब्रेन बैरियर को पार कर जाता है, जिससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और न्यूरोइन्फ्लेमेशन होता है और कोशिकाएं हमेशा के लिए खत्म हो जाती हैं। चिल्ड्रेंस एन्वायर्नमेंटल हेल्थ कोलैबोरेटिव, एक बहुपक्षीय पहल है, जिसे यूनिसेफ ने यूनाइटेड नेशंस एन्वायर्नमेंट प्रोग्राम (यूएनईपी) और विश्व बैंक के साथ भागीदारी में शुरू किया है और जिसमें कई विश्वविद्यालय भी भागीदार हैं, यह चेतावनी देता है कि बच्चे वायु प्रदूषण के प्रति बहुत ज्यादा संवेदनशील होते हैं, और यह नुकसान जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान मां

के वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे के विकास पर असर पड़ सकता है, बाल मृत्यु दर बढ़ सकती है और समय से पहले जन्म, जन्म के समय कम वजन और जिंदगी भर विकास से जुड़ी दिक्कतों का जोखिम बढ़ सकता है। जन्म के बाद, बच्चे बड़ों की तुलना में ज्यादा प्रदूषित हवा अंदर लेते हैं, क्योंकि वे तेजी से सांस लेते हैं, ज्यादा समय बाहर बिताते हैं, और धूल व गाड़ियों के धुएं जैसी चीजों के ज्यादा करीब होते हैं। ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए है, क्योंकि बच्चों के फेफड़े, दिमाग और प्रतिरक्षा प्रणाली अब भी विकसित हो रहे होते हैं; थोड़ी-सी भी परेशानी से ज्यादा नुकसान होता है-छोटे एयरवेज ब्लॉक हो जाते हैं, वृद्धि रुक जाती है, और विकास में रुकावट आती है। समय के साथ, वायु प्रदूषण से अस्थमा, कैंसर, फेफड़ों के काम करने में दिक्कत और सोचने-समझने की क्षमता पर असर पड़ता है, जिससे बच्चों की सीखने, खेलने और आगे बढ़ने की क्षमता कम हो जाती है। इनमें से कई असर जिंदगी में बाद में दिखते हैं, और कुछ तो जिंदगी भर रहते हैं। चूंकि बच्चों के ब्लड-ब्रेन बैरियर अब भी बन रहे होते हैं, इसलिए वायु प्रदूषण तंत्रिका तंत्र के विकास में रुकावट डाल सकता है, खासकर जीवन के पहले तीन वर्षों में।

भारतीय वैज्ञानिक भी खतरे की घंटी बजा रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की दामिनी सिंह, इंस्टीट्यूट ऑफ इकनॉमिक ग्रोथ की इंद्राणी गुप्ता और आईआईटी, दिल्ली की सागनिक डे के 2022 के एक अध्ययन में, सैटेलाइट पीएम 2.5 डाटा को इंडियन ह्यूमन डेवलपमेंट सर्वे के दो चरणों के साथ मिलाकर, भारत में 8-11 साल के बच्चों के संज्ञानात्मक और शैक्षणिक प्रदर्शन पर बाहरी हवा के प्रदूषण के असर का एक अनुमान प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो बच्चे परीक्षा से पहले पूरे साल गंदी हवा (पीएम 2.5 के ज्यादा स्तर) में सांस लेते थे, उन्होंने स्कूल टेस्ट में बहुत खराब प्रदर्शन किया। सालाना औसत पीएम 2.5 में हर छोटी-सी बढ़ोतरी से (हवा के हर क्यूबिक मीटर में सिर्फ एक एक्स्ट्रा माइक्रोग्राम) बच्चों के गणित के अंक 100 में से 10 से 16 अंक, जबकि उनके पढ़ने के अंक 100 में से सात से नौ अंक तक घट गए। उनका समग्र मस्तिष्क प्रदर्शन का स्कोर भी कम हुआ।

आसान शब्दों में कहें, तो बच्चा जितनी ज्यादा देर तक गंदी हवा में सांस लेता है, उसका दिमाग सीखने और सोचने में उतना ही कमजोर होता है। इसका मतलब यह है कि भारत के वायु प्रदूषण की असली कीमत उससे कहीं ज्यादा है, जितना हम आमतौर पर मानते हैं। अब सोचिए कि 2047 तक विकसित भारत बनाने की हमारी उम्मीदों के लिए इसका क्या मतलब है!

-पत्रलेखा चटर्जी वरिष्ठ पत्रकार

जीवन धारा

जीवन को पानी की तरह बहने दें

जो ताओ को अपनाता है, उसका जीवन निर्मल पानी की तरह बहने लगता है। मनुष्य पृथ्वी से जुड़ा है, पृथ्वी आकाश से, आकाश ताओ से, और ताओ प्रकृति से। सब एक ही चक्र में बंधे हैं।

ताओ कभी प्रयास नहीं करता, फिर भी उसके माध्यम से समस्त सृष्टि चलती रहती है। यदि इन्सान ताओ की शांति में निवास करे, तो बिना आदेश, बिना संघर्ष, संसार स्वयं अपनी प्राकृतिक लय में बदल जाएगा। लोग सरल जीवन में संतोष पाएंगे, इच्छाओं से मुक्त होकर सामंजस्य में जीएंगे। ताओ नामरहित, अनादि, अनंत रहस्य है, जो बोले बिना दिशा देता है, चले बिना सबको मंजिल तक पहुंचा देता है।

जब अनावश्यक चाह समाप्त हो जाती है, तब भीतर और बाहर, दोनों जगह शांति दिखाई पड़ती है। जब हम और अधिक प्राप्त करने की लालसा छोड़ देते हैं, तभी सफलता का द्वार खुलता है। इच्छाओं का बोझ हमें दिखावे की दुनिया में कैद कर देता है। सादगी, धैर्य और करुणा, ये तीन सबसे बड़े खजाने हैं। सादगी हमें मूल से जोड़ती है, धैर्य प्रवाह के साथ चलना सिखाता है, और करुणा हमें हर जीव के साथ एकत्व का अनुभव कराती है।

जो ताओ को अपनाता है, उसका जीवन निर्मल पानी की तरह बहने लगता है। मनुष्य पृथ्वी से जुड़ा है, पृथ्वी आकाश से, आकाश ताओ से, और ताओ प्रकृति से। सब एक ही चक्र में बंधे हैं। इस चक्र के साथ चलने पर संघर्ष मिटने लगता है, कार्य पूरे होने लगते हैं, बिना संघर्ष के परिवर्तन आ जाता है। ताओ से जुड़ा जीवन अर्थपूर्ण हो जाता है, और वह प्रकाश की तरह अनंत तक फैल सकता है। प्रकृति कभी जल्दबाजी नहीं करती-वृक्ष धीरे-धीरे बढ़ते हैं, नदियां शांत बहती हैं, फूल समय पर ही खिलते हैं, फिर भी संसार में सबकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं। फिर मनुष्य ही क्यों दौड़ता है? क्यों इच्छाओं के पीछे स्वयं को खो देता है? ताओ सिखाता है कि जो सच में जानता है, वह कम बोलता है, क्योंकि बुद्धिमत्ता शब्दों की बौछार में नहीं, मौन की गहराई में निखरती है। ताओ एक से अनेक को जन्म देता है, और अनेक को फिर उसी मूल में लौटा देता है। जो ताओ के साथ चलता है, वह प्रकृति को अपना गुरु बनाता है। है और जीवन को एक शांत धारा की तरह बहने देता है। कोमलता को अपनाकर वह कठोर से कठोर परिस्थिति को भी बदल डालता है। जो कमजोर दिखते हैं, वे भी ऊंचा स्थान पा लेते हैं।

ताओ हर हृदय में मौजूद है, बस जरूरत सिर्फ इतना करने की है कि अहंकार को त्यागकर, इच्छाओं को कम करके, खुद को उस मौन प्रवाह (ताओ) के हवाले कर दिया जाए। जब व्यक्ति का ताओ के साथ एकाकार होता है, तब संसार उसका विरोधी नहीं, बल्कि मित्र बन जाता है, और मनुष्य यह जान लेता है कि ताओ अनंत है तथा वह स्वयं उसी अनंत का एक अंश है।

सूत्र = प्रकृति की तरह बनें

जब हम बगैर संघर्ष और बिना अनावश्यक चाह के जीते हैं, तब जीवन सहज रूप से पूर्ण होता चला जाता है। जितनी कम इच्छाएं होंगी, उतना ही मन मुक्त होगा। प्रकृति की तरह धीरे, स्थिर व कोमल होकर चलना ही वास्तविक शक्ति है। जब अहंकार मिटता है और व्यक्ति खुद को ताओ के प्रवाह में सौंप देता है, तब उसे अनुभव होता है कि संसार विरोधी नहीं, सहयोगी है।

-लाओ त्सू

अपनी दुनिया अपने लोग

अमीरी के अमरबेल का अंतिम सच

इच्छा को अमरबेल कहा जाता है। इसका पार पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी है। इच्छा के दरबार में कभी इस चीज की अहमियत है, तो कभी उस वस्तु की। यह लालसा किसी भी वस्तु की कल्पना को मन के अंधेरे कोने से झाड़ पोंछकर ले आती है और इच्छा की जीभ लपलपाने लग जाती है। इसीलिए अरस्तू कहते हैं कि संसार में जितने मनुष्य हैं, उतनी ही मन:स्थिति और मानसिकता भी विद्यमान है। जगत की तमाम इच्छाओं में रुपए-पैसे की कामना सबसे अलहदा और बलवती मानी जाती रही है, लेकिन कभी-कभार इससे इतर भी कुछ देखने को मिल जाता है। एक कार्यशाला में सहभागियों से दौलतमंद होने का असली मतलब पूछा गया। हैरानी की बात यह है कि सौ फीसद लोगों ने कहा सादा जीवन और खुशी ही अमीरी का संकेत है। आभासी मंचों पर भी लगभग हर आयु वर्ग का अंतिम जवाब यही था कि शांति और सुकून ही दौलतमंद होना है। यानी अब लोगों की सोच कुछ तो बदल रही है। इसका मतलब यह हुआ कि हमेशा महंगे लिबास में रहना और मूल्यवान चीजें हासिल करना अमीरी नहीं है।

चार साल पहले की महामारी, उतने समय से युद्ध के भयानक घटाटोप तथा कुदरती कहर और मौसमी असंतुलन के हालात आदि से लोगों की कामना ने करवट ली और लोगों ने सरल जीवन को ही संपन्न जीवन कहना मानना आरंभ किया। अब शायद सिक्कों की खनक और शाही ठसक काफी लोगों के लिए सही मायने में अमीरी नहीं है। पैसे देकर अपने लिए सुविधा जुटा लेने को भी पूरी तरह से अमीरी अमीरी नहीं कह व सकते हैं। अमीरी है प्रसन्नता के सबसे उम्दा पलों में चेहरे पर खिला संतुष्टि का भाव। इस परिभाषा पर तंत्रिका वैज्ञानिकों से लेकर मनोचिकित्सकों, व्यवहार अर्थशास्त्रियों, सकारात्मक मनोवैज्ञानिकों और बौद्ध भिक्षुओं की भी आम सहमति थी। दरअसल, संपन्नता पर्याय है अर्थपूर्ण जीवन का, जो सिखाता है वक्त की अहमियत, मंजिल का महत्त्व। यह भी कि यह जीवन सोच और उम्मीदों से भरा हुआ है। यकीनन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो इसी तरह की वास्तविक विचारधारा से ही फलते-फूलते हैं।

आज कुछ पुराने फलसफे बदल भी रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक साधारण जीवन में धनवान होने का क्या अर्थ है और वहां तक पहुंचने के लिए लोग क्या कर रहे हैं? क्या दौलतमंद होने की कोई एक परिभाषा हो सकती है? इनका तात्पर्य ताबड़तोड़ धन हासिल करना नहीं है। अब इसको भी जीवन मंत्र माना जाने लगा है कि कम भी हमेशा ज्यादा होता है। सामान्य तौर पर जिंदगी में अमीर होने के लिए कुछ बुनियादी चीजों पर भी गौर किया। गहरी तथा मीठी नींद, खुशगवार और हवादार मौसम में टहलना तथा उन लोगों के साथ होना, जिन्हें हम प्यार करते हैं। यह सब भी वास्तविक अमीरी के लिए बेहद जरूरी है। कुदरत को उसके दिए रूप में देखना और ज्यादा अमीरी से भर देता है। जिंदगी के सच्चे अहसास में ही संपन्नता का रस लबालब भरा हुआ है।

जाता है। मसलन, छोटे मकान की जगह एक बंगला, दो या तीन वाहन तथा नौकर आदि की सुविधा होगी, तभी अमीर कहलाने का गौरव हासिल होगा। यह भाव पिछले एक दशक से शायद कम होने लगा है। मगर गौर से सोचें तो आज ऐसा लगता है कि यह परिपक्व परिभाषा बहुत उजली है और सकारात्मक भी। अच्छी मानसिकता, अच्छी सेहत, आकांक्षाओं और असलियत के बीच एक शानदार तालमेल, परिवार, दोस्ती और समुदाय के साथ समरस और सुदृढ़ रिश्ते, एक शांत मन और अच्छे उद्देश्य से अपना जीवनयापन और सार्थक काम, इसके साथ करुणा का भाव और दूसरों को मदद करना। शायद यही आज अमीरी की असली परिभाषा कही जाएगी।

आज अगर कोई सोने-चांदी के बर्तन में भोजन करने के बाद भी बेचैन है, तो उसकी दौलत माटी के ढेर के बराबर है। और अगर कोई कम जरूरत में आनंद से जी रहा है, तो उसकी सादी रोटी और दाल भी शाही कही जा सकती है। रेलयात्रा के दौरान एक सज्जन किसी मित्र से बतिया रहे थे। वह सज्जन अपने साथी से कह रहे थे कि मेरी अमीरी तुम ले लो और अपनी सेहत मुझे दे दो। यह सुनकर वह दोस्त कहने लगा कि मैंने तो तुमको सौ बार कहा था कि हर रोज एक घंटा अपने शरीर को दो। तुमने बस बैंक खाता ही समृद्ध किया मेरे मित्र। सचमुच, दौलत का पैरोकार बनने में उतना मजा नहीं है। आज अगर कोई व्यक्ति संतोष से सराबोर है तो उसका मन और भी ज्यादा खुश होगा। इसी क्रम में अगर उसका अपना कुटुंब भी इसी तरह खुश है, तो उसके इर्द-गिर्द और वातावरण में यों भी हंसी-खुशी तो मौजूद होंगी और इस प्रकार वह व्यक्ति अपने समाज की खुशी का कारण बनेगा।

गहरी तथा मीठी नींद, खुशगवार और हवादार मौसम में टहलना तथा नौकर और उन लोगों के साथ होना, जिन्हें हम प्यार करते हैं। यह सब भी वास्तविक अमीरी के लिए बेहद जरूरी है। कुदरत को उसके दिए रूप में देखना और ज्यादा अमीरी से भर देता है। जिंदगी के सच्चे अहसास में ही संपन्नता का रस * लबालब भरा हुआ है। उसका तत्त्व जो है, वही जीवन को अमीर महसूस करने का हिस्सा हैं। जिसने यह बात समझ ली वह हर हाल में अमीर है।

उच्च वर्ग के बीच उठना-बैठना, महंगी जीवन शैली का अनुगमन या आरामतलब होने से कोई व्यक्ति न तो अमीरी पा सकता है और न ही आत्मसंतोष। इन सबसे महत्त्वपूर्ण है परिष्कृत व्यक्तित्व। प्रतिभाशील और उन्नतिशील बनने का अवसर इसी आधार पर मिलता है कि हम कुदरत का सामीप्य खोजते है। रुपए से नहीं, जीवन से लगाव रखते हैं। शायद सरल जीवन जीते हुए इंसानियत ऊंच-नीच के सांचे, गोलबंदी, छोटे-बड़े की जंजीर की सीवन उधड़ेगी और असंतोष, घुटन, कुढ़न की कड़वी गोली से निजात पा लेंगी। चौतरफा संतोष से हर तरह की कामयाबी हासिल होगी।

-पूनम पांडे

मुद्दा

विकास एक साझा सफर है

इस जी-20 सम्मेलन ने दबदबे के बजाय सहयोग पर आधारित एक ज्यादा बराबरी वाले विश्व व्यवस्था की संभावना का इशारा किया।

हाल ही में जोहानिसबर्ग में संपन्न हुआ जी-20 शिखर सम्मेलन वैश्विक राजनीति में एक अहम मोड़ बनकर उभरा और यह इसलिए नहीं कि इस सम्मेलन में कौन-कौन-से देश शामिल हुए, बल्कि इसलिए कि इसमें कौन उपस्थित नहीं हुआ। अमेरिका के इसमें शामिल न होने पर विश्व सदस्य देशों ने सम्मेलन की शुरुआत में ही संयुक्त घोषणापत्र के जरिये उम्मीद से ज्यादा एकजुटता का परिचय दिया। इसमें पक्का इरादा और जल्दबाजी, दोनों दिखी-यह दावा कि वैश्विक प्रशासन किसी एक ताकत का इंतजार नहीं कर सकती, चाहे वह कितनी भी असरदार क्यों न हो।

दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व ने बातचीत को एकजुटता, बराबरी और सुधारों की ओर मोड़ा, जो वैश्विक दक्षिण की आवाज को ऐसे समय में बुलंद करना चाहता है, जब बहुपक्षीयता पर स्पष्ट दबाव दिख रहा है। जलवायु परिवर्तन, कर्ज की स्थिरता और वैश्विक असमानता के इर्द-गिर्द घोषणा की रूपरेखा ने विकासशील अर्थव्यवस्था

को रोकने वाली संरचनागत रुकावटों की ओर ज्यादा इशारा किया। फिर भी, अमेरिका की गैरमौजूदगी के असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसकी अनुपस्थिति के फैसले को बड़े पैमाने पर बहुपक्षीय जिम्मेदारियों से पीछे हटने के तौर पर देखा गया, खासकर जलवायु वित्त, कर्ज पुनर्गठन और विकासात्मक सहयोग से जुड़ी जिम्मेदारियों से। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, अमेरिका की भागीदारी अक्सर यह तय करती है कि वैश्विक वादे नतीजों में बदलेंगे या नहीं। उसके बिना, मजबूत घोषणाओं को भी लागू करने में दिक्कत आ सकती है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिका के बगैर इन फैसलों को सफल बनाने के लिए जरूरी वित्तीय मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति मिलेगी। इस बदलते वैश्विक माहौल में, भारत ने एक खास जगह बनाई है। जोहानिसबर्ग में जिन विषयों को प्राथमिकता दी गई-समानता, कर्ज में राहत, जलवायु न्याय और सांस्थानिक सुधार-वे भारत के लंबे समय से चले आ रहे वैश्विक नजरिये से काफी मिलते-जुलते हैं। भारत ने लगातार विकासशील देशों का साथ दिया है, बहुपक्षीय कर्ज प्रदाता संस्थानों में सुधार की वकालत की है, और ज्यादा समावेशी प्रशासनिक संरचना की मांग की है। इस शिखर सम्मेलन के नतीजों से नई दिल्ली को वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने का नया कूटनीतिक लाभ मिलेगा। एशियाई देश एक ज्यादा संतुलित वैश्विक व्यवस्था की ओर देख रहे हैं, और भारत औद्योगीकृत पश्चिम व वैश्विक दक्षिण की उम्मीदों के बीच एक पुल का काम कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार सबको साथ लेकर चलने वाले वैश्विक सहयोग के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया है और दुनिया के नेताओं को याद दिलाया है कि %वसुधैव कुटुम्बकम% को वैश्विक प्रशासन की संरचना का मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कई वैश्विक मंचों पर भी इस पर जोर दिया है कि %विकास एक साझा सफर है, कोई प्रतिस्पर्धा नहीं।% यह यह सुनिश्चित करने के लिए है कि जलवायु लचीलापन, डिजिटल बदलाव के दौर में व सतत विकास के वैश्विक बदलाव में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पीछे न छूट जाएं। फिर भी, चुनौतियां बनी हुई हैं। घोषणाओं और कार्रवाई के बीच अब भी बड़ा अंतर है। नई वित्तीय प्रणाली या सांस्थानिक सुधारों के बिना, जलवायु न्याय और कर्ज की स्थिरता की उम्मीदें शायद कभी पूरी ही न हों। चीन के अड़ियल रवैये से पैदा होने वाले भू-राजनीतिक टकराव आम सहमति को मुश्किल बना सकते हैं। दुनिया के प्रतिस्पर्धी ताकतों के खेमे की ओर खिसकने का खतरा है, जिससे बहुपक्षीयता कमजोर होगी। भारत सहित विकासशील देशों को रोजगार, विकास और ऊर्जा सुरक्षा जैसी घरेलू जरूरतों के साथ वैश्विक वादों को संतुलित करना होगा।

-ईरा सक्सेना

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। लेवाली के अभाव में शुक्रवार को अनाज मंडी में चना बाजार मंदी के रहे। अन्य दलहनों में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन नरमी पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर मंदी की रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली ठंडी रहने से बाजार नरमी के रहे। चना घटकर 5700-5750 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। अन्य दलहनों में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन नरमी पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4160, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 2600-2650, (200) 2450-2500, (250) 2800-2850

तेल- सींगदाना 1430-1450, मुम्बई 1460, राजकोट तेलिया 2430, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1245, कपास्या 1230-1235, धूलिया 1235, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1475-1500, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 4800-5000, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों कीमती धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 164000, चॉंदी (99) 163500, टंच 162800, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 127200,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को शुरुआती कारोबारी सत्र में रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.45 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया सात पैसे कमजोर होकर 89.43 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की वैश्विक मजबूती ने घरेलू मुद्रा पर दबाव बनाया। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.41 प्रति डॉलर पर खुला था पर जल्द ही यह फिसलकर 89.43 के स्तर पर पहुंच गया। यह गिरावट पिछले बंद भाव 89.36 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में सात पैसे की कमजोरी को दिखाती है। गुरुवार के कारोबार में भी रुपया 14 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 89.36 पर बंद हुआ था, जिससे लगातार दूसरे दिन मुद्रा पर दबाव देखने को मिला।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भ्रर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.71 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 85,706.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 12.60 अंक की गिरावट के साथ ही 26,202.95 पर बंद हुआ। आज केवल वाहन और फार्मा शेयरों में तेजी रही। निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.59 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.55 फीसदी और निफ्टी कंजप्शन 0.18 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। निफ्टी आईटी 0.11 फीसदी, निफ्टी वित्तीय सेवा 0.20 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.58 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ ही बंद हुआ। मिड्कैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 69.90 अंक टूटकर 61,043.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 47.55 अंक टूटकर

17,829.25 पर था।सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, टाटा स्टील के शेयर उछले जबकि भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक, बीईएल, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक के शेयर गिरे। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और आईआईपी डेटा आने से पहले बाजार में हल्की मुनाफावसूली रही। इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती गिरावट से उबरकर हरे निशान में पहुंच गया। सेंसेक्स 85,821 अंक पर 101 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी50 35 अंकों की बढ़त के साथ 26,251 अंक पर पहुंच गया। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। अमेरिका में थैंक्सगिविंग की वजह से स्टॉक फ्यूचर्स सामान्य रहे। नेस्डेक कम्पोजिट अपनी सात महीने की बढ़त को रोकने की ओर दिखा। अमेरिका में डॉव जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 10 अंक बढ़े, जबकि एसएंडपी 500 और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स लगभग स्थिर रहे। नवंबर में अमेरिकी बाजार कमजोर रुझान के साथ बंद है।

स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए अलग नीति की मांग

नई दिल्ली ।एजेंसी। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा है कि भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग को केवल राष्ट्रीय इस्पात नीति में एक अध्याय जोड़ने की बजाय स्वतंत्र और प्रतिबद्ध नीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्टेनलेस स्टील का उत्पादन, कच्चा माल और अनुप्रयोग कार्बन स्टील से अलग होते हैं, इसलिए इसे अलग नीतिगत ढांचे की जरूरत है। जेएसएल भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील उत्पादक कंपनी है और विशेष स्टील के घरेलू बाजार में इसका लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है। अधिकारी का कहना है कि केवल एक अध्याय जोड़ने से इस उद्योग का महत्व और मूल्य कम हो जाएगा। इस्पात मंत्रालय ने लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करने के लिए स्टेनलेस स्टील को राष्ट्रीय इस्पात नीति में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई नीति में स्टेनलेस स्टील पर एक अलग अध्याय होगा। उन्होंने कहा कि इस नीति में क्षेत्रवार वास्तविकताओं को ध्यान में रखा जाएगा, जैसे कम क्षमता का उपयोग, उच्च उत्पादन लागत और कच्चे माल की कमी। अधिकारी ने यह भी कहा कि स्टेनलेस स्टील के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना जरूरी है। इसमें नीति स्तर पर शिक्षा, जमीनी स्तर पर जागरूकता और प्रतिभा संपन्न श्रमशक्ति शामिल हैं। उन्होंने जोर दिया कि स्टेनलेस स्टील की वेल्डिंग सामान्य स्टील से पूरी तरह अलग होती है, इसलिए प्रशिक्षित श्रमिक और तकनीकी तैयारी आवश्यक है।

1 अप्रैल से पहले चारों नए श्रम कोड के नियम बन जाएंगे- श्रम सचिव

नई दिल्ली ।एजेंसी। केंद्र सरकार चारों श्रम संहिताओं को जल्द लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। श्रम सचिव वंदना गुरनानी ने बताया कि मंत्रालय का लक्ष्य इन नियमों को 1 अप्रैल 2026 से पहले अधिसूचित करना है, ताकि वे अगले वित्त वर्ष की शुरुआत से प्रभावी हो सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार चाहती है कि लेबर कोड निर्धारित समय से भी पहले लागू हो जाए और इसी दिशा में सभी प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। गुरनानी के अनुसार मंत्रालय जल्द ही नियमों का ड्राफ्ट दोबारा जारी करेगा, जिसके बाद 45 दिनों तक जनता से सुझाव मांगे जाएंगे। मंत्रालय की योजना है कि अगले दो से तीन महीनों में सभी नियमों को अंतिम रूप दे दिया जाए। इसके साथ ही, श्रम अधिकारियों—केंद्र और राज्य दोनों की ट्रेनिंग को अधिक प्रभावी बनाने और उनकी जिम्मेदारियों को सरल करने पर भी काम जारी है। नए श्रम कानूनों के तहत कई प्रक्रियाएं जैसे रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस, मंजूरी और निरीक्षण को डिजिटल मोड में सरल बनाने की कोशिश की जा रही है। इसी उद्देश्य से श्रम सुविधा और समाधान जैसे मौजूदा ऑनलाइन पोर्टल्स को नए प्रावधानों के हिसाब से अपडेट किया जा रहा है, ताकि उद्योगों और कर्मचारियों दोनों को सुगम सुविधा मिल सके।

मेष- आज का दिन आपके लिए बढिया रहने वाला है। आपका आत्मविश्वास मजबूत होने से आपके काम आसानी से पूरे होंगे। खर्चो पर आपको नियंत्रण रखना होगा। आप अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें और यदि किसी सहयोगी से कोई वाद विवाद चल रहा है, तो आप उसे भी दूर करने की कोशिश करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए चुनौती पूर्ण रहने वाला है, लेकिन आप अपने संयम से उन चुनौतियों को भी डटकर सामना करेंगे। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको शारीरिक समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा। आपके बॉस आपके कामों से काफी खुश होंगे, वह आपके प्रमोशन की बात आगे कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा, लेकिन आप किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा बिल्कुल ना करें। किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। वाहन की खराबी के कारण आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा। आपको अपने बढ़ते खर्चों को थोड़ा लिमिट करके चलने की आवश्यकता है।

कर्क- आज के दिन आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखने के लिए रहेगा। कार्य क्षेत्र में कामों में कुछ समस्याएं आएंगी, इसलिए आप मिल बैठ कर दूर करने की कोशिश करेंगे। आपके पिताजी की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी। भाई व बहनों से प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद विवाद खड़ा हो सकता है। किसी कानूनी मामले में अपनी आंख व कान खुले रखें। जीवन साथी को आप कहीं बाहर लेकर जा सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। परिवार में किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। प्रेम संबंधों में निकटता आएगी। माता जी की किसी बात को लेकर कोई कहासुनी हो सकती है। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपनी जिम्मेदारियां बखुबी निभाएंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। स्वास्थ्य में हल्की थकान महसूस होगी। आप अपने बिजनेस की योजनाओं पर अपने किसी पार्टनर से बातचीत कर सकते हैं। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छे स्कीम में इन्वेस्टमेंट करेंगे, जो आने वाले समय में बेहतर लाभ देगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको कार्यक्षेत्र में टीम वर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आप कोई निर्णय बहुत ही सोच विचार कर लें, क्योंकि जल्दबाजी के कारण कोई गलती हो सकती है। यदि आपने किसी काम को लेकर जोखिम उठाया, तो यह आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। अपनी धन संबंधी योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे। आपको किसी नई नौकरी का बुलावा आ सकता है। माता जी को सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ थोड़ा अधिक रहेगी। आप अपने कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपका बॉस से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे, लेकिन कुछ अजनबी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। आप अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें। किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में कोई काम करने के लिए रहेगा। अपनी जरूरत के हिसाब से खर्च करें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे और आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपकी सेहत में गिरावट आने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर भी आपको थोड़ी टेंशन हो सकती है। आप अपने कामों में कुछ परिवर्तन करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। किसी अजनबी पर भरोसा करना आपको नुकसान देगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए सब बढ़िया रहने वाला है। आप अपने कामों में पूरी मेहनत से जुटेंगे। यदि कोई काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो आज उसे भी पूरा करके ही दम लेंगे। आपको यदि कोई सेहत संबंधी समस्या चल रही थी, तो उसमें भी सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। परिवार के सदस्यों में प्रेम व सहयोग की भावना बनी रहेगी और प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। कुछ नया करने की इच्छा जागृत होगी।

शब्दजाल - 8094

शब्द जाल में 10 केंद्रीय मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	स्	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान,गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल,नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 8093 का हल

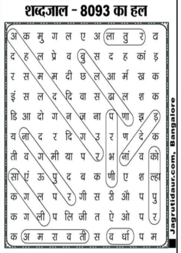

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7038

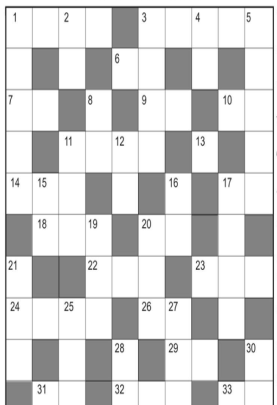

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7037

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मकर	09.50 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.36 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.09 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.39 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.20 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.18 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.47 बजे से
राहुकाल		कन्या	00.59 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		तुला	03.10 बजे से
		वृश्चिक	05.25 ब.से

शनिवार 2025 वर्ष का 333 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 23.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
योग हर्षण 09.27 बजे को समाप्त।
करण बालव 11.51 बजे तदनन्तर कौलव 23.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872543
जूलियन दिन 2461008.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 07

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बच्चे की ईमानदारी

उन दिनों द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था। जर्मन सेना पोलैंड पर हमला कर चुकी थी। सेना के एक अधिकारी पोलैंड के एक सुदूर गांव में बने अपने शिविर से कुछ सैनिकों के साथ घोड़ों के लिए चारा इकट्ठा करने निकले। अधिकारी ने गांव के एक बच्चे को पकड़कर कहा, 'चलकर बताओ कि यहां किस खेत में अच्छी फसल है?' बच्चा उनके साथ चल पड़ा। चारों ओर खेत लहलहा रहे थे। सभी की फसल बहुत शानदार दिखाई दे रही थी। सैनिक चाहते थे कि उन खेतों में से ही किसी एक की फसल काट लें, किंतु बच्चा बार-बार कहता था, 'कुछ और आगे चलिए, बहुत अच्छी फसल आप लोगों को बताऊंगा।' सैनिकों को पोलैंड की सेना के जाल में फंस जाने की आशंका भी सता रही थी किंतु वे चलते रहे। धीरे-धीरे वह बच्चा सैनिकों को लगभग गांव की सीमा पर स्थित खेतों पर ले गया। वहां उसने एक खेत बताया। सैनिकों ने उस खेत से फसल काटकर गट्ठर बांधे और घोड़ों पर रख लिए। सैनिक अधिकारी बड़ी ही नाराजगी से बच्चे से बोले, 'तू हमें बेकार इतनी दूर ले आया। ऐसी फसल तो पास के खेतों में भी थी।' बच्चे ने कहा, 'मैं जानता हूं कि आप लोग खेत के स्वामी को फसल का मूल्य तो देने वाले हैं नहीं। तो फिर किसी दूसरे किसान का नुकसान कैसे कराता। यह मेरा अपना खेत है और मेरे लिए तो इसी की फसल सबसे अच्छी है।' यह सुन अधिकारी ने लज्जित होकर उस बच्चे को फसल के मूल्य के साथ-साथ पुरस्कार देकर भी सम्मानित किया।

सूडोकु नवताल- 7347

★★★✯☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7346 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 8562

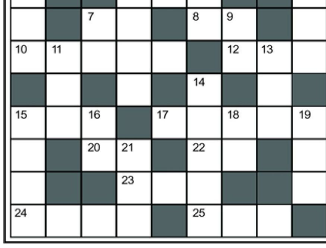

बाएँ से दाएँ

1. लालसा,मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश,जन्मभूमि-3
15. पाबंदी,रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल,व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन,बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो,गंजा-3
4. साहूकार,व्यापारी-4
5. जांच,परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी,किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत,जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8561 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

1 दिसंबर में होगी धान खरीदी

पालडोंगरी कैंप में सोसायटियों ने तैयारी की पूरी

कैप पहुंच मार्ग की अब तक नहीं ली गई सुध

पद्मेश न्यूज ।लांजी।

लांजी क्षेत्र में 1 दिसंबर 2025 से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ हो जाएगी, जिसके लिए पालडोंगरी स्थित कैप में धान खरीदी करने वाली सभी समितियों के द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। किन्तु मेन रोड से कैप तक पहुंच मार्ग काफी जर्जर है, जिसके संबंध में विगत दिनों समाचार पत्र के माध्यम से प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया था इसके बावजूद भी इसके सुधार के संबंध में कोई सुध नहीं ली गई है। ज्ञात हो कि खरीदी केन्द्र पालडोंगरी कैप में इस बार तो 5 से अधिक समितियों द्वारा जिनमें सेवा सहकारी समिति पालडोंगरी, सेवा सहकारी समिति साडरा, सेवा सहकारी समिति दहेगांव, सेवा सहकारी समिति कुम्हारीकला, सेवा सहकारी समिति कुम्हारी खुर्द द्वारा खरीदी की जानी एवं उनके द्वारा अपने स्तर पर खरीदी के लिए व्यवस्था पूर्ण कर ली है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या इस पालडोंगरी कैप में बनी हुई है वह है मुख्य मार्ग से कैप पंहुच मार्ग जो कि बहुत ही खस्ताहाल हो चुका है। मार्ग पर बड़े वाहनो के आवागमन के चलते मार्ग गड्डो में तब्दील हो चुका है। किसान जब भी पालडोंगरी कैप में अपनी अपनी धान लेकर बैलगाड़ी, ट्रैक्टर, मेटाडोर आदि से लेकर आयेंगे तो हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ रहेगा। गड्डो में कभी भी वाहन पलटने का डर भी बना रहेगा। अनेको बार इस संबध में शिकायतें हो चुकी है कि धान खरीदी करने के पूर्व ही इस मार्ग को दुरस्त कर लिया जाये लेकिन आज दिनांक तक मार्ग दुरस्त नही किया गया है। यह भी बतादे कि प्रतिवर्ष धान खरीदी के समय मौसम विभाग भी करवट लेता है बारिश का आगमन होता ही है बारिश के चलते यह मार्ग और अधिक खराब हो जाता है और पानी से भरे गड्ढे दिखाई नही देते जिसके चलते बडी दुर्घटना का अंदेशा बन जाता है। इस समस्या पर प्रशासन स्वयं संज्ञान लेवे। किसानों के द्वारा यह भी निवेदन किया गया है कि 1 दिसम्बर से खरीदी प्रारंभ की जा रही है अतः अतिशिघ्र उक्त मार्ग को दुरस्त किया जाये।

अनेको ग्रामों के किसान पंहुचते है धान लेकर

पालडोंगरी स्थित धान खरीदी केन्द्र या कैप स्थल की बात की जाये तो लगभग 1 दर्जन से अधिक ग्रामो के किसान उक्त स्थल पर अपनी फसल लेकर पंहुचते है। बतादे कि पालडोंगरी स्थित कैप में पालडोंगरी, रमपुरा, कटंगी, बोरी, फोफसा, सहेकी, साडरा, केरेंगांव, दहेगांव, देवलगांव, सिंगोला, करेजा, कुम्हारी खुर्द, सिहारी, जीवनारा दिघोरी, घोटी घुसमारा, अमेड़ा पा, कुम्हारी कला लाड़सा बिंझलगांव, खर्रेगांव, सिरेगांव, पौंडी इन सभी ग्रामो के किसान अपनी उपज फसल लेकर पालडोंगरी स्थित कैप पंहचुते है इसके अलावा सभी सोसायटियों से खरीदी गई धान भी बडे बडे वाहनो के माध्यम से उक्त कैप में आते है लेकिन कैप पंहुच मार्ग पूर्ण रूप से खस्ताहाल है जिसके चलते रोजाना दुर्घटना अंदेशा बना रहता है कभी भी बडे वाहन ट्रैक्टर ट्रॉली इस मार्ग पर पलट सकती है जिसको लेकर अधिकारियों को संज्ञान में लेना चाहिये तथा वर्तमान में समय रहते उक्त मार्ग को दुरस्त किया जाये।

पंचायत द्वारा कराया जाएगा मार्ग दुरस्त - एसडीएम

इस संबंध में एसडीएम कमलचंद सिंहसार को मार्ग के संबंध में अवगत कराया गया तो उनके द्वारा कहा गया कि इस संबंध में जनपद पंचायत लांजी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को इस मार्ग में जो गड्ढे पड़े हैं उन्हें पंचायत के माध्यम से शीघ्र दुरस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

किरनापुर शासकीय महाविद्यालय के शरद खत्री को मिली पीएचडी की उपाधि

पद्मेश न्यूज ।किरनापुर। स्व.दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में कार्यरत ग्रंथालयाध्यक्ष शरद खत्री को सेम ग्लोबल विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। श्री खत्री ने मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों में ई-पुस्तकालय की स्थापना ÷ एक विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर अपना शोध कार्य वरिष्ठ मार्गदर्शक डॉ. विशाल चावला के निर्देशन में सफलतापूर्वक पूर्ण किया। उनके शोध में प्रदेश के महाविद्यालयों में ई-पुस्तकालयों की आवश्यकता, उपयोगिता एवं तकनीकी संरचना का विस्तृत अध्ययन किया गया है। पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने पर उनके ईस्ट मित्रों एवं सहयोगियों डॉ. लीलाधर चचाने, डॉ. तीरथ सिन्हा, गणेश भूते, प्रणय पाराशर, अनुरोध बैस, नितेश बोहरे तथा नकुल चापेकर ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। तथा महाविद्यालय परिवार ने भी श्री खत्री की उपलब्धि को संस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भाजपा सरकार धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये देकर अपना वादा पूरा करे -राजु मेंढे

पद्मेश न्यूज ।लांजी। प्रदेश में आगामी 1 दिसंबर से धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर प्रारंभ होने जा रही है। जिसको लेकर पूर्व जनपद सदस्य राजू मेंढे के द्वारा सरकार से वादा खिलाफी को लेकर कहा गया है सरकार गठन के वक्त या अपनी घोषणा पत्र में सरकार ने किसानों से बडे बडे वादे किये जिसमें किसानों के द्वारा धान की विक्री पर समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रदान करने का वादा किया गया था लेकिन आज सरकार गठन होने के तीसरी बार सरकार धान की खरीदी की जा रही है लेकिन सरकार ने अपना वादा नही निभा पाई। राजु मेंढे ने कहां कि भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों के साथ स्पष्ट भेदभाव कर रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की ही सरकार है, लेकिन वहां के किसानों को लाभकारी मूल्य दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है, जिससे वहां के किसानों को राहत मिल रही है।उन्होंने आगे कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने यदि वादा किया था, तो उसे समय पर पूरा किया जाना चाहिए था। किसानों को बार-बार आश्वासन देकर भ्रमित किया जा रहा है, जबकि उनकी मेहनत और उपज का वास्तविक मूल्य उन्हें नहीं मिल पा रहा है। आपने यह भी कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने वचन पत्र में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के लिये धान का 3100 रूपये प्रति क्विंटल का वादा किया था लेकिन चुनाव जीतने के बाद अपना वादा छत्तीसगढ़ में पूरा किया तथा मध्यप्रदेश में अपने वादे से लगातार मुकरती हुई दिखाई दे रही है। चुनाव जीतने के बाद सरकार तीसरी बार धान की खरीदी आगामी 1 दिसंबर से कर रही है। लेकिन इस बार भी मध्यप्रदेश सरकार ने 3100 रूपये धान खरीदी की जावेगी यह नही कहा है जिस कारण किसानों में भारी निराशा का माहौल बना हआ है तथा अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है।

ग्रामीण पटेल संघ ब्लॉक शाखा लांजी कार्यकारिणी का हुआ गठन - मुकेश दशरिया बने अध्यक्ष

पटेले संघ ने विधायक राजकुमार कर्राहे से की भेंट - अपनी मांगों से अवगत कराया

पद्मेश न्यूज ।लांजी। लांजी क्षेत्रान्तर्गत 28 नवंबर को माँ गायत्री शक्ति पीठ लांजी के सभागृह में ब्लॉक लांजी के ग्रामीण पटेल संघ ब्लॉक शाखा की बैठक प्रात÷ 11 बजे से आहुत कि गई। जिसमें क्षेत्र के समस्त स्थाई पटेल एकत्रित हुये तथा संघ की विभिन्न मांगो एवं अधिकारों को लेकर चर्चा कि गई तथा ब्लॉक शाखा लांजी के अध्यक्ष पद सहित अन्य पदों पर भी नियुक्ति की गई।

आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्रामीण पटेल संघ बालाघाट के जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिती में सर्वप्रथम लांजी ग्रामीण पटेल कल्याण संघ कि नव नियुक्त कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर वारी निवासी समाज सेवी मुकेश दशरिया, उपाध्यक्ष पद पर समाजसेवी देवेश ऐडे, सचिव धर्मेन्द्र सिंह बैस निवासी बडगांव को मनोनित किया गया। इसके उपरांत उक्त नवनियुक्ति पदाधिकारियों के साथ सभी ग्रामीण पटेल संघ के सदस्यो के द्वारा क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे से अपनी विभिन्न मांगो को लेकर मुलाकात कि गई तथा उन्हे अपनी मांग एवं अधिकार से अवगत कराया गया। पटेल संघ के द्वारा यह भी प्रस्ताव रखा गया कि आगामी समय में हम भोपाल में पटेल संघ का अधिवेशन आहुत करना चाहते है जिस पर श्री कर्राहे ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महादेय से समय लेकर अधिवेशन आयोजित करवाने का प्रयास किया जायेगा। पटेल संघ से जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश दशरिया, उपाध्यक्ष देवेश ऐड़े, सचिव धर्मेन्द्र सिंह बैस, सुरेन्द्र सिंह चौहान, प्रेमलाल बोम्बर्डे, उदेलाल डहारे, भागचंद ठाकरे, पीतम सिंह बैस, बारेलाल, ईशुलाल चौधरी, श्रीराम मुरकुटे, प्रेमलाल बेदरे, सीएल मरठे, बाबूदास जामरे, फागुलाल पांचे, नरेन्द्र मोहारे, प्रतापसिंह सैय्याम, परमानंद कलपुरे, रमेश बनौठे, मुलचंद ऐड़े, भोलाराम बाहे, बुधारी बाहेश्वर, जागेश्वर दल्लेमाल, हेमराज परते, झांसीराम घोरमारे, किशनलाल हनौते, मीताराम धारने, विनोद कुमार ऐरपुडे, सेवकराम भगत, दीनदयाल रहांगडाले, संपत्त राव भागडकर, मुलचंद चौधरी, मांगीलाल रहांगडाले, प्रेमलाल पटले, चुड़ामन सिंह सिहोरे आदि प्रमुख उपस्थित रहे।

मुकेश दशरिया ने जताया आभार

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त होने पर मुकेश दशरिया के द्वारा समस्त पटेल कल्याण संघ के सदस्यो का आभार व्यक्त करते हुये कहा गया कि मुझ पर विश्वास करके मुझे अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। मै पटेल संघ के द्वारा सौंपे गये दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा तथा पटेल संघ के अधिकारों को लेकर सतत प्रयास किया जायेगा। नवनियुक्त उपाध्यक्ष देवेश ऐड़े एवं सचिव धर्मेन्द्र बैस ने भी संघ का आभार व्यक्त कर धन्यवाद प्रेषित किया है।

बालाघाट जिले में आधार घोटाला ÷ लांजी का आधार केंद्र भी जांच के दायरे में, दो दिन से बंद होने पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज ।लांजी। बालाघाट पुलिस के द्वारा जिले आधार केन्द्र को लेकर बड़ी कार्यवाही की गई है जिसमें भरवेली निवासी मोहसिन खान को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के द्वारा बताया गया कि मोहसिन खान जो कि जिले में आधार सेन्टर संचालित करता था इसके द्वारा आईरिस एवं फिंगरप्रिंट का क्लोन तैयार कर आधार कार्ड मशीन का लोकेशन छिपाने के लिये वीपीएन का उपयोग करता था। जिसकी शिकायत के बाद भरवेली पुलिस के द्वारा मोहसिन खान को गिरफ्तार किया जाकर उसकी निशानदेही पर अन्य साथियों को भी पुलिस दबोच रही है।

लांजी से भी जुडे हो सकते है तार सुक्ष्मता से कि जाये जांच

लांजी तहसील कार्यालय अन्तर्गत लोक सेवा केन्द्र के तहत आधार का संचालन किया जा रहा है। जो कि किसी तकनीकि कारणों के चलते विगत दो दिनो से बंद पड़ा हुआ है। आधार केन्द्र पंहुचकर जब इस विषय कि जानकारी ली गई तो लोक सेवा केन्द्र में मौजूद ऑपरेटरो के द्वारा बताया गया कि तकनीकी खराबी के चलते आधार केन्द्र दो दिनों से बंद है। मुताबिक सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार उक्त आधार केन्द्र शमा खान के नाम से संचालित है जो कि मोहसिन खान की परिचीत

या पारिवारिक सदस्य होना बताया जा रहा है जिसकी जांच कि जानी चाहिये। उल्लेखनीय है कि आरोपी मोहसीन खान के द्वारा अपने परिजनों एवं परिचीतों के नाम से टेंडर जमा किये टेंडर स्वीकृत होने के बाद संबधित आधार केन्द्रों की मशीनों और आईडी वास्तविक टेंडर धारी के बजाए आरोपी मोहसीन अपने पास रखता था जिन मशीनों और आईडी का संचालन आरोपी कुटरचित क्लोन बायोमेट्रिक से करता था। इन सभी तथ्यो को जोडते हुये लांजी आधार केन्द्र की भी सुक्ष्मता से जांच की जानी चाहिये।

दो दिनों से क्यू बंद है आधार केन्द्र

जिले में आधार केन्द्र को लेकर हुई कार्यवाही के बाद अब लांजी क्षेत्र में संचालित आधार केन्द्र विगत दो दिनों से बंद बताया जा रहा है यह क्यों बंद पड़ा है इस बारे में पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा जांच कराई जानी चाहिये। साथ ही कलेक्टर महोदय इस ओर भी ध्यान देवे की कि लांजी में पूर्व में दो से तीन आधार केन्द्र संचालित हुआ करते थे जिसको लेकर पूर्व में कभी परेशानी नही हई लेकिन जब से एक ही आधार केन्द्र संचालित हो रहा है क्षेत्र में आधार अपडेशन को लेकर परेशानी बढती ही जा रही है घंटो लोगो को इंतजार करनां पड़ रहा है।

वीजीएफ की राशि भी हुई है जारी, इस संदर्भ में भी सुक्ष्मता से जांच की मांग

बता दे कि लांजी केन्द्र को वीजीएफ की राशि भी जारी हुई है जबकि लांजी आधार केन्द्र में प्रतिदिन आधार अपडेशन का कार्य जोरो पर चलता है। रोजाना सैकड़ो लोगो की आधार अपडेशन में भीड लगी रहती है जिनसे आधार अपडेशन के लिये 100 से 150 रूपये यहां तक कि 200 रूपये भी लिये जाने की जानकारी दी गई है। इन सभी विषयों परभी जांच कि जानी चाहिये, आधार अपडेशन की फीस निर्धारित की जाये ताकि लोगो को पता रहे है आधार अपडेशन के लिये कितना शुल्क नियत देना होता है। वहीं वीजीएफ राशि को लेकर जो जानकारी प्राप्त हुई है उसमे संभवत÷ ऐसा होता है कि जहां आधार अपडेशन का कार्य नही चल रहा है उन्हे वीजीएफ की राशि प्रदाय होती है। कहीं वीजीएफ राशि कि तो हेराफेरी नही हो रही है इन सभी विषयो पर भी सुक्ष्मता से जांच की जानी चाहिये।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मासूम से दरिंदगी करने वाला 7 दिन बाद गिरफ्तार

- पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश, हुआ शॉर्ट एनकाउंटर - पैदल चलकर पहुंचा था भोपाल, मुस्लिम युवकों की मदद से पकड़ाया

भोपाल। रायसेन के गौहरगंज में 6 साल की मासूम से दुष्कर्म के फरार आरोपी सलमान (23) को सात दिन बाद भोपाल से गिरफ्तार कर लिया गया है। दरिंदे पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित था। उसे भोपाल की गांधीनगर पुलिस ने सूचना मिकने पर रात 1 बजे हिरासत में लिया और तत्काल गौहरगंज पुलिस के हवाले कर दिया। गौहरगंज पुलिस आरोपी को लेकर अपने क्षेत्र के लिए रात को ही रवाना हो गयी थी, जहां उससे आगे की पूछताछ और कार्रवाई की जानी थी।

- जंगल के रास्ते पैदल भोपाल पहुंचा, मुस्लिम युवकों ने दबोचा

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद वह जंगलों के रास्ते पैदल चलकर भोपाल में दाखिल हुआ और गांधीनगर इलाके में छिपने के लिए कमरा ढूंढ रहा था। आरोपी सलमान को गांधीनगर के स्थानीय मुस्लिम युवकों ने पहचान लिया। सलमान की सूचना युवकों ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने फौरन ही घेराबंदी कर उसे धर दबोचा।आरोपी सलमान के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही कई हिंदू संगठन के कार्यकर्ता गांधीनगर थाने पहुंच गए थे। इलाके में तनाव की आशंका को देखते हुए गांधीनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और हिंदू संगठनों के पहुंचने से पहले ही आरोपी को गौहरगंज पुलिस के हवाले कर दिया था।

- गौहरगंज में आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

जानकारी के मुताबिक रायसेन के कीर्तिनगर गांव के पहले सलमान को ले जा रही पुलिस की गाड़ी का टायर पंचर हो गया था। टायर चेंज करने के लिए एसआई गाड़ी से उतरा वैसे ही सलमान ने भागने की कोशिश करते हुए पिस्टल छीन कर पुलिस कर्मी पर फायर किये। जवाबी कार्रवाई में सलमान के पैर पर गोली लगी और वह घायल हो गया इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसका इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहा है।

- यह है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार 21 नवंबर की शाम करीब 6 साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। उसी दौरान आरोपी सलमान उसे चॉकलेट दिलाने के बहाने जंगल की ओर ले गया और दुष्कर्म कर फरार हो गया था। बच्ची बाद में रोती हुई जंगल में मिली थी। बच्ची को गंभीर हालत में भोपाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

- एसपी पर थी गिरी गाज

मामले में पुलिस की लापरवाही को देखते हुए, सीएम मोहन यादव ने तत्काल प्रभाव से रायसेन एसपी पंकज पांडेय को पद से हटाने और उन्हें पुलिस मुख्यालय अटैच करने के निर्देश दिए थे। पंकज पांडेय की जगह, भोपाल जोन-1 के डीसीपी आशुतोष गुप्ता को रायसेन का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया था। नए एसपी बनने के 48 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

- पकडाने वाले युवको हने की फांसी की मांग

दरिंदे की गिरफ्तारी के समय का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो गांधीनगर क्षेत्र के उन युवकों का बताया गया है, जिन्होंने आरोपी की सूचना पुलिस को दी थी। वीडियो में युवक कहते हुए नजर आ रहे हैं, की सलमान रहने के लिए किराए का कमरा ढूंढ रहा था। सोशल मीडिया पर जारी हुए उसके फोटो के आधार पर उन्होंने उसे पहचान लिया और फ़ौरन ही इसकी सूचना खजूरी थाने के पुलिसकर्मी राहुल गुरु को दी। इसके बाद आरोपी को पकड़ लिया गया। इन युवकों ने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की है।

शॉर्ट एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच कराई जाए

- शॉर्ट एनकाउंटर में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने उठाए सवाल, कहा

भोपाल। रायसेन में 6 साल की बच्ची से रेप का आरोपी सलमान पकड़ा जा चुका है, वहीं भागने के प्रयास में हाफ एनकाउंटर में उसे पैर में गोली भी लगी है। वहीं अब इस एनकाउंटर पर सियासी बवाल भी शुरू हो गया है। पूर्व कानून मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने शुक्रवार को बड़ा बयान देते हुए मांग की है कि शॉर्ट एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

पीसी शर्मा ने कहा, यह बहुत बड़ा सवाल है कि आरोपी घटना के बाद भोपाल और रायसेन में खुलेआम घूमता रहा, लेकिन पुलिस और प्रशासन उसे पकड़ नहीं पाया। अचानक गाड़ी का टायर पंचर हुआ और शॉर्ट एनकाउंटर हो गया, इसमें कई प्रश्नचिह्न हैं। इस एनकाउंटर की जांच होनी चाहिए। पुलिस-प्रशासन की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है। वहीं पूर्व मंत्री शर्मा ने आरोपी को सजा के मामले में भी सख्त रुख अपनाया और कहा, ऐसे हैवान को फांसी की सजा भी कम है। जिस तरह अरब देशों में इस तरह के जघन्य अपराधियों को सार्वजनिक रूप से कड़ी सजा दी जाती है, वैसी ही सजा इस दरिंदे को मिलनी चाहिए थी।

गौरतलब है कि रायसेन में 21 नवंबर को 6 साल की बच्ची के साथ आरोपी सलमान ने चॉकेलट दिलाने के बहाने से ले जाकर दुष्कर्म की घिनौनी करतूत को अंजाम दिया गया था। घटना के करीब 6 दिन बाद आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार किया गया। यहां गांधीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-11 में एक चाय की दुकान पर सलमान चाय पीने पहुंचा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे मौके पर ही धर लिया। पूछताछ में सलमान ने कबूल किया कि 21 नवंबर की रात गौहरगंज के पांजरा इलाके में बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद वह जंगल के रास्तों से भागकर भोपाल पहुंच गया था। पुलिस ने उस पर पहले ही 30 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

बुंदेलखंड के विकास के लिए माइलस्टोन होगी साबित

- खजुराहो में सरकार... 8 और 9 दिसंबर को होगी मोहन कैबिनेट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में समेकित विकास के लिए जो कदम उठाया है, उसके तहत खजुराहो में 8 और 9 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक होगी। जिसमें कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगेगी। सरकार की कैबिनेट बैठक बुंदेलखंड के विकास के लिए माइलस्टोन यानी मील का पत्थर साबित होगी। वहीं मीटिंग से पहले क्लीन खजुराहो और ग्रीन खजुराहो की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जानकारों का कहना है कि बुंदेलखंड में विकास के लिए औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और जल संसाधनों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। जिनका लक्ष्य रोजगार सृजित करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना जैसे प्रयास पानी की कमी को दूर करने और कृषि को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैं। ऐसे में दिसंबर में होने वाली कैबिनेट बैठक महत्वपूर्ण साबित होगी।

कैबिनेट बैठक में विकास योजनाओं, निवेश, पर्यटन और प्रशासनिक सुधार से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर केंद्रित चर्चा होगी। वहीं बुंदेलखंड के विकास के लिए केन बेतवा लिंक परियोजना की समीक्षा भी इस बैठक में की जाएगी। साथ ही बैठक से पहले खजुराहो को क्लीन खजुराहो और ग्रीन खजुराहो की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बुंदेलखंड में विभिन्न विकास कार्य चल रहे हैं, जिनमें जल परियोजनाओं के माध्यम से सिंचाई और पेयजल की सुविधा बढ़ाना, नए राजमार्ग और कॉरिडोर बनाना, और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करना, आर्थिक विकास को गति देना और लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है।

प्रमुख विकास कार्य

बुंदेलखंड में कई विकास कार्य चल रहे हैं। पवई में सिंचाई के लिए लगभग 1.35 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचित करने और 600 से अधिक गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोडने के लिए इस कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने की योजना है। 112 किलोमीटर लंबे सागर-कानपुर फोर-लेन हाईवे का निर्माण किया जा रहा है, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। सागर में 1,700 करोड़ रुपये के निवेश से डेटा सेंटर की स्थापना की जा रही है, जिससे लगभग 1,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण जैसे संस्थान औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं नवीनकरणीय ऊर्जा में निवेश की योजना है। आईटी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके। बुंदेलखंड के विकास के लिए विशेष विकास प्राधिकरण और निधियां स्थापित की गई। मुख्यमंत्री ने हालही में सागर जिले की बहुप्रतीक्षित लांच नदी परियोजना की स्वीकृति की घोषणा की।

300 करोड़ से बेबस नदी पर बनेगा बांध

सागर में 300 करोड़ की बेबस नदी सिंचाई परियोजना को स्वीकृति मिली है। इस बांध का पानी 2028 से सागर की जीवनदायिनी राजघाट बांध परियोजना को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस परियोजना को बनाने का ऐलान किया है, जिससे गर्मी में सागर, मकरोनिया, कैंट और आर्मी क्षेत्र में होने वाले जल संकट से राहत रहेगी। साथ ही सुरखी विधानसभा के 29 गांव की 5000 हेक्टेयर जमीन भी सिंचित होगी। जल्द ही डीपीआर फाइनल होगी और फिर भू अर्जन का काम शुरू किया जाएगा। इस परियोजना पर बीते 2 साल से सर्वे किया जा रहा है। बता दें, साल 2001 में सागर की प्यास बुझाने के लिए राजघाट बांध परियोजना शुरू की गई थी। लेकिन, बढ़ती आबादी की वजह से पर्याप्त जल आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। इसके चलती लंबे समय से राजघाट बांध की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की जा रही थी। ऊंचाई बढने से गांव और खेती की भूमि डूब में आ जाती, जिसकी वजह से प्रस्ताव अटका हुआ था। लेकिन, अब कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की मांग पर आखिरकार मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सागरवासियों की सुविधा को देखते हुए परियोजना का ऐलान कर दिया। बेबस नदी परियोजना के तहत बांध खमरिया गांव के पास बनाया जाना है, जो राजघाट बांध से ही करीब 16 किलोमीटर ऊपर होगा। ऐसे में बांध से नदी में पानी छोडने पर यह सीधे राजघाट बांध में ही आएगा। बांध की क्षमता 36 ।64 एमसीएम यानी 36.6 अरब लीटर पानी की होगी। गर्मी के समय जब राजघाट बांध रीतने लगता है, उस समय 11.25 एमसीएम यानी 11.28 अरब लीटर पानी बांध में छोड़ा जाएगा, जो 25 एमसीएम से अधिक पानी बचेगा, वह 29 गांवों में सिंचाई के लिए दिया जाएगा।

शीतकालीन सत्र से पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक

– सरकार को घेरने की बनेगी रणनीति

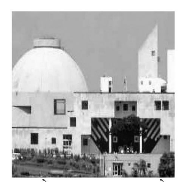

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र तीन दिन बाद शुरू होगा। इससे पहले कांग्रेस ने 30 नवंबर को विधायक दल की बैठक बुलाई है। यह मीटिंग राजधानी भोपाल में आयोजित होगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार आगामी रविवार को शाम 7.30 बजे विधायकों से चर्चा करेंगे। इस दौरान सरकार को घेरने की रणनीति और रूपरेखा तैयार की जाएगी। एमपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र की शुरुआत 1 दिसंबर से होने जा रही है। जो 5 दिसंबर तक चलेगी। पांच दिवसीय सत्र में कुल चार बैठकें होंगी। इस सत्र में अनुपूरक बजट समेत चार विधेयक लाए जा सकते हैं। विधानसभा सचिवालय ने सत्र की तैयारियां शुरू कर दी हैं। विधेयकों को लेकर विभागों ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सरकार को घेरने की तैयारी

वहीं विपक्ष रोजगार, महंगाई और किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। यह बैठक 30 नवंबर को शाम 7.30 बजे भोपाल में होगी। जिसमें रूपरेखा और सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी।

सत्र की अवधि बढ़ाने लिख चुके हैं पत्र

आपको बता दें कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शीतकालीन सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग भी की थी। उन्होंने राजयपाल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सत्र की अवधि को अपर्याप्त बताया था। सिंघार ने कहा था कि सिर्फ चार बैठकों का यह शीतकालीन सत्र प्रदेश के महत्वपूर्ण जनमुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त नहीं है। इतने सीमित समय में न तो विपक्ष अपनी बात रख पाएगा न ही जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी।

विधानसभा के आसपास धारा 163

इधर, पुलिस ने विधानसभा के 5 किलोमीटर के अंदर धारा 163 लगाई है। सत्र के दौरान जुलूस और प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। वहीं भारी वाहनों का प्रवेश भी वर्जित किया गया है। इस दौरान पांच से ज्यादा लोग एकत्रित नहीं हो सकेंगे। इसे लेकर पुलिस कमिश्नर ने आदेश जारी कर दिया है।

आईपीएस डी श्रीनिवास वर्मा प्रतिनियुक्ति से लौटेंगे

भोपाल। एमपी कैडर के दिल्ली में पदस्थ आईपीएस अधिकारी और सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल एकेडमी के जाइंट सेक्रेट्री की प्रतिनियुक्ति खत्म हो गई है। वे जल्दी ही एमपी में वापसी करेंगे। उधर एमपी कैडर के आईएएस अधिकारी अविनाश लवानिया की केंद्र में प्रतिनियुक्ति के बाद राज्य सरकार ने ऊर्जा विभाग के सचिव विशेष गढ़पाले को एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी का एमडी बनाया है। लवानिया को जल्दी ही रिलीव किया जाएगा।

वर्ष 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी डी श्रीनिवास वर्मा सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल एकेडमी में जॉइंट सेक्रेट्री के तौर पर काम कर रहे थे। जिन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 नवम्बर को जारी निर्देश में एमपी कैडर में वापस भेजने का फैसला किया है। वर्मा की एमपी वापसी के बाद उन्हें एमपी कैडर में नई पदस्थापना दी जाएगी। उधर 2009 बैच के आईएएस अविनाश लवानिया को सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के अंतर्गत दिल्ली में पदस्थ किया गया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने एमपी के चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखकर उन्हें रिलीव करने के लिए कहा है। इसके चलते मोहन सरकार ने लवानिया के स्थान पर नई पोस्टिंग भी कर दी है। चूंकि लवानिया एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी के एमडी की जिम्मेदारी निभा रहे थे और रबी सीजन पीक पर होने के कारण इस समय बिजली की डिमांड प्रदेश में तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते ऊर्जा विभाग में सचिव के पद पर पदस्थ विशेष गढ़पाले को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ वल्लभ भवन में प्रदर्शन

पूर्व प्रांताध्यक्ष कंसोटिया पर 65 लाख रुपए अवैध निकालने का आरोप, सीएम से शिकायत

भोपाल। ब्राह्मणों की बेटियों के खिलाफ बयान देने के मामले में अजाक्स के नव निर्वाचित अध्यक्ष और आईएएस अधिकारी संतोष कुमार वर्मा के खिलाफ वल्लभ भवन (मंत्रालय) कैंपस के सामने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन हुआ। संतोष वर्मा मुर्दाबाद और भगवान परशुराम की जय-जयकार करते हुए यहां पहुंचे कांग्रेस-बीजेपी समेत सभी दलों और संगठनों के लोगों ने श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इन सभी के द्वारा राज्य सरकार से मांग की गई है कि वर्मा का आईएएस अवॉर्ड वापस लिया जाए और एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए। तख्तियां लेकर पहुंचे लोगों ने जय श्री राम के भी नारे लगाए। पुलिस बल की मौजूदगी में हुए प्रदर्शन में मंत्रालय कर्मचारी अधिकारी संघ के सुधीर नायक के अलावा पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, बीजेपी नेता गिरीश शर्मा, पुष्पेंद्र मिश्रा, मयूर उपाध्याय समेत समाज के अन्य लोगों की मौजूदगी रही। इसके साथ ही संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया पर संघ के खातों से कथित रूप से 65 लाख रुपए निकालने को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

वर्मा के बयान को लेकर प्रदेशभर से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। गुरुवार को भी ब्राह्मण संगठनों ने रोशनपुरा चौराहे पर प्रदर्शन किया

गया था। शुक्रवार को मंत्रालय पर प्रदर्शन किया। उधर, संघ के दूसरे धड़े के अध्यक्ष मुकेश मौर्य और उनके पदाधिकारियों ने 13 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर संघ के खातों से 65 लाख रुपए निकाले जाने के मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। संघ के दूसरे धड़े के प्रांतीय महासचिव मुरारी लाल लिथोरिया के हस्ताक्षरित ज्ञापन के अनुसार पूर्व प्रांताध्यक्ष जेएन कंसोटिया, तत्कालीन प्रांतीय महासचिव एसएल सूर्यवंशी पर विभागीय पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि संगठन के एसबीआई टीटी नगर और बैंक ऑफ इंडिया अरेरा कॉलोनी में संचालित खातों से 65 लाख रुपए अवैध रूप से निकाले गए है। संगठन के धन का दुरुपयोग और अमानत में खयानत की गई। अजाक्स की नई कार्यकारिणी का दावा है कि दोनों बैंक खातों पर नियंत्रण मुकेश मौर्य के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी को मिलने के बाद भी राशि निकाली गई।

दो फाड़ हुआ अजाक्स

अजाक्स में नेतृत्व को लेकर विवाद लंबे समय से चल रहा है। ग्वालियर में आमसभा के दौरान 29 जुलाई 2023 को मुकेश मौर्य को सर्वसम्मति से प्रांताध्यक्ष चुना गया था। इस चुनाव को तत्कालीन अध्यक्ष कंसोटिया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसायटी द्वारा दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद मुकेश मौर्य की कार्यकारिणी को वैधता दी गई। फिर भी विवाद शांत नहीं हुआ। शिकायत के अनुसार सेवानिवृत्त अधिकारी गौतम पाटिल ने कंसोटिया को अनधिकृत रूप से पुनः महासचिव नियुक्त कर दिया और रजिस्ट्रार के आदेश के विरुद्ध अपील दायर कर दी, जो वर्तमान में विचाराधीन है। ज्ञापन में दावा किया गया है कि कंसोटिया ने संगठन पर दोबारा नियंत्रण बनाए रखने के लिए ऐसे व्यक्ति को महत्व दिया जिस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पत्र के अनुसार राजवीर अग्निहोत्री पर 2 अप्रैल 2018 को रेलवे ट्रैक उखाडने का आरोप है। वह कई महीने जेल में सजा काट चुका है और मुरैना पुलिस एवं रेलवे कोर्ट में अन्य प्रकरण भी दर्ज हैं। नई कार्यकारिणी का आरोप है कि ऐसे व्यक्तियों को पद देकर सामाजिक सौहार्द व संगठन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

एसआईआर में बड़े जिलों की स्थिति खराब

भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सर्वे अभियान में मध्य प्रदेश के चारों महानगर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर की स्थिति खराब है। भोपाल प्रदेश में सबसे पिछड़ा है। 26 नवंबर की स्थिति में यहां मात्र 50 प्रतिशत डिजिटाइजेशन ही हो पाया है। इंदौर में 51 प्रतिशत, ग्वालियर में 55, जबलपुर में 66 प्रतिशत काम हुआ है।

अधिकारियों का कहना है कि महानगरों में मतदाता रुचि नहीं ले रहे। पता बदलने के कारण वे बीएलओ को मिल ही नहीं रहे। इस कारण दिक्कत आ रही है। मुरैना, भिंड, शिवपुरी, उज्जैन, सिंगरौली, सागर और बुरहानपुर में डिजिटाइजेशन 75 प्रतिशत से कम है। भारत निर्वाचन आयोग की डायरेक्टर व मप्र में एसआईआर की प्रभारी शुभ्रा सक्सेना ने भी बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान महानगरों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने भोपाल कलेक्टर को यह तक कहा था कि गति नहीं बढ़ी तो कार्रवाई भी करनी पड़ सकती है। विशेष शिविर लगाकर एसआईआर फार्म भरवाने को कहा था।

वन विहार में तीन नए बाघ की एंट्री

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में तीन नए बाघों का आगमन हुआ है। इसके साथ ही यहां बाघों की कुल संख्या बढ़कर 14 हो गई है। मध्य प्रदेश वन विभाग ने मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और कमजोर शावकों की सुरक्षा के लिए यह बड़ा कदम उठाया है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से एक वयस्क नर बाघ को पकडक़र वन विहार लाया गया है। यह बाघ बार-बार मानव बस्तियों में घुसने की आदत डाल चुका था, जिससे ग्रामीणों में दहशत थी। वन विभाग ने इसे जंगल में छोडना जोखिम भरा माना और स्थायी रूप से वन विहार में नियंत्रित वातावरण में रखने का फैसला किया।

कर्मचारियों की अवकाश व्यवस्था में बड़ा बदलाव, चाइल्ड केयर लीव में कटौती

भोपाल । प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों की अवकाश व्यवस्था में राज्य सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। सबसे बड़ा परिवर्तन महिला कर्मचारियों की चाइल्ड केयर लीव में किया गया है। अब तक महिलाओं को दो वर्ष यानी 730 दिन का संतान पालन अवकाश पूर्ण वेतन के साथ मिलता था, लेकिन नए नियमों के अनुसार पहले 365 दिन ही 100 प्रतिशत वेतन मिलेगा। इसके बाद अगले 365 दिनों के लिए केवल 80 प्रतिशत वेतन अनुमत होगा। यह नियम अवकाश को एक बार में या टुकड़ों में लेने, दोनों ही स्थितियों में लागू होगा। इसके अलावा एक बदलाव यह है भी है कि सरोगेसी से जन्मे बच्चे की देखभाल करने वाली महिला कर्मचारी को भी अब इस अवकाश का लाभ मिलेगा। नियमों में दत्तक संतान ग्रहण अवकाश भी शामिल किया गया है, जिसके तहत कर्मचारी बच्चे की उम्र एक साल होने तक अवकाश ले सकेंगे। नए प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को हर वर्ष 30 दिन अर्जित अवकाश मिलेगा और इसे दो किस्तों में दिया जाएगा। किसी भी कर्मचारी को लगातार पांच वर्ष से अधिक की छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवकाश मांगना अधिकारी का अधिकार नहीं माना जाएगा, बल्कि अंतिम निर्णय स्वीकृत करने वाले अधिकारी का होगा। चिकित्सा अवकाश के मामले में भी नियम कड़े किए गए हैं। मेडिकल सर्टिफिकेट अवकाश मंजूरी की गारंटी नहीं होगा, यह पूर्णतः स्वीकृति प्राधिकारी के विवेक पर निर्भर करेगा। पूरे सेवाकाल में 180 दिन तक का अर्द्धवेतन अवकाश बगैर मेडिकल प्रमाण पत्र के मिल सकेगा, लेकिन अगर कर्मचारी इस अवधि में इस्तीफा देता है तो यह अवधि अर्द्धवेतन अवकाश मानी जाएगी और अंतर की राशि वसूली जाएगी। स्टडी लीव के लिए भी नई शर्तें तय की गई हैं। कर्मचारी को अधिकतम एक वर्ष की अध्ययन अवकाश और पूरे सेवाकाल में कुल 24 माह तक की अनुमति दी जा सकेगी, लेकिन इसमें फीस, यात्रा और अन्य खर्च कर्मचारी को स्वयं वहन करना होगा।

मध्य प्रदेश में बीएडधारी प्राथमिक शिक्षकों को छह महीने का ब्रिज कोर्स अनिवार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश के बीएडधारी प्राथमिक शिक्षकों के लिए छह माह का ब्रिज कोर्स अनिवार्य कर दिया गया है। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) नई दिल्ली द्वारा यह कोर्स ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग ओडीएल मोड पर कराया जा रहा है। संबंधित शिक्षक 25 दिसंबर तक पंजीयन करा सकते हैं। कोर्स नहीं करने पर नौकरी से बाहर कर दिया जाएगा।

इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सभी जिला के जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ब्रिज कोर्स की समयसारिणी भी जारी की गई है। कोर्स में पंजीयन कराने के बाद एक साल में इसे पूरा करना होगा। अन्यथा शिक्षक की सेवाएं आगे जारी नहीं रखी जाएंगी।

कोर्स करना अनिवार्य

दरअसल, प्राथमिक शिक्षकों की व्यावसायिक योग्यता के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त 2023 को आदेश पारित किया था। इस तिथि के बाद नियुक्त बीएड योग्यताधारी अभ्यर्थियों की प्राथमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति मान्य नहीं होगी। 11 अगस्त 2023 के पूर्व नियुक्त बीएड योग्यताधारी अभ्यर्थी (जिनकी नियुक्ति मान्य की गई है) को छह माह का ब्रिज कोर्स करना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में सभी डीईओ को निर्देशित किया गया है कि वर्ष 2023 में नियुक्त इन शिक्षकों को एनआईओएस पोर्टल पर ब्रिज कोर्स के लिए स्वयं पंजीयन कराने के लिए सूचित किया जाए। ऐसा न करने पर नौकरी से बाहर कर दिया जाएगा। इसका उत्तरदायित्व संबंधित शिक्षक का होगा। बता दें कि मप्र में प्राथमिक शिक्षकों की संख्या करीब 1.40 लाख है। इसमें से 11 अगस्त 2023 के पूर्व नियुक्त बीएड योग्यताधारी प्राथमिक शिक्षकों की संख्या करीब 400 है, जिन्हें ब्रिज कोर्स करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव तय

रुतुराज, रजत और रिंकू में से किसी एक को नंबर तीन पर मिल सकता है मौका

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की 2-0 से हार के बाद अब टीम में बदलाव तय है। इसके तहत ही घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे कुछ खिलाड़ियों को टीम में जगह मिल सकती है। चयन समिति तीसरे नंबर के बल्लेबाज के लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह में से किसी एक को शामिल कर सकती है। भारतीय टीम पिछले काफी समय से नंबर तीन के लिए बल्लेबाज नहीं तलाश पायी है। पहले करुण नायर और उसके बाद साई सुदर्शन को इस नंबर पर आजमाया गया था पर दोनो ही असफल रहे हैं।

सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से रन बनाये हैं। उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने वह सहज नहीं रहे हैं। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। ऐसे में चयन समिति के पास बदलावा के अलावा कोई रास्ता नहीं हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन का प्रथम श्रेणी औसत 78 और यश राठौड़ का पिछले रणजी सत्र में 960 रन रहा है। उन्होंने ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

जहां तक नंबर तीन का सवाल है तो रुतुराज गायकवाड इस स्थान के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अभी तक 43 प्रथम श्रेणी मैच में 45 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। वह इस सत्र में पहले ही दो शतक और रणजी ट्रॉफी में 90 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं। वह तीसरे स्थान के लिए सही मानसिकता वाले खिलाड़ी नजर आते हैं। दूसरा नाम रजत पाटीदार का है, जिनका टेस्ट मैचों में पहला प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत भी 45 से अधिक है और वह भारतीय मध्य क्रम को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। एक और खिलाड़ी रिंकू सिंह है जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 60 की औसत से रन बनाए हैं।

वहीं एक एक पूर्व चयनकर्ता ने कहा, 'अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, ''वहीं ऑलराउंडर नितीश रेड्डी में निरंतरता की कमी है। वह ज्यादा से ज्यादा टी20 खेल सकते हैं, एकदिवसीय नहीं कोच को ये बात समझनी होगी। रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

मनोज तिवारी बोले, कोच गंभीर को हटायें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। भारतीय टीम एक साल के अंतराल में दूसरी बार किसी सीरीज के सभी मैच हारी है। वहीं इसी बीच पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि कोच गंभीर की जगह पर बीसीसीआई को अब किसी दूसरे को कोच बनाना चाहिये।

तिवारी ने कहा है कि भारतीय टीम इंडिया की आज जो खराब हालत है उसके लिए गंभीर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले काफी समय से चीजें सही दिशा में नहीं चल रही हैं। वे जिस प्रक्रिया का पालन करना चाहते हैं वह सही सही नहीं है। पिछले कुछ समय मे ही काफी बदलाव हुए जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी ये बात सामने आयी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भी खिलाड़ी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये।'

वहीं जब उनसे पूछा गया कि टीम को नया कोच बनाना चाहिये तो तिवारी ने कहा, यही समय है कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट को बचाने के लिए नये कोच बनायें। दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज हार के बाद गंभीर ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को भी बताया था। इस पर भी तिवारी ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी वाली टीम तो रोहित, द्रविड़ और कोहली ने तैयार की थी।

तिवारी ने कहा, 'मैंने गंभीर का वो वीडियो देखा था जिसमें वह दावा कर रहे हैं कि उनके कोच रहते ही चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप टीम ने जीता था जबकि वास्तविकता ये है कि इस टीम को रोहित, द्रविड़ ने तैयार किया था और उससे पहले कोहली ने। अगर गंभीर उन दो टूर्नामेंट में भारत के कोच नहीं भी रहे होते तब भी टीम जीतती ही क्योंकि वो टीम पहले से बनी हुई थी।'

वहीं होंगे गौतम गंभीर?

दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज हारने के बाद गंभीर ने कहा कि इसके लिए पूरी टीम द दोषी है पर सबसे पहले उनका नंबर आता है। साथ ही कहा था कि उनके भविष्य पर फैसला बीसीसीआई को लेना है क्योंकि भारतीय क्रिकेट महत्वपूर्ण है, वह या कोई व्यक्ति नहीं। वहीं बोर्ड ने कहा है कि टीम बदलाव से गुजार रही है।

गंभीर के कोच बनने के बाद 19 टेस्ट मैचों में से 10 में हारी भारतीय टीम

घरेलू मैदान पर अजेय रहने की छवि को धक्का लगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने के बाद से ही गौतम गंभीर का सफर कुछ खास नहीं रहा। टीम को टेस्ट में पहले न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सभी मैचों में घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम को 1-3 से हार झेलनी पड़ी थी। इस प्रकार गंभीर के कार्यकाल में भारतीय टीम तीसरी टेस्ट सीरीज हारी है। भारत को घरेलू मैदान पर जिस प्रकार न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने हराया उससे उसकी घरेलू मैदान पर अजेय रहने की छवि भी टूट गयी। इससे गंभीर का टेस्ट में कोच के तौर पर रिकॉर्ड 19 मैच में सात जीत, 10 हार और दो ड्रॉ है जिसमें जीत का प्रतिशत केवल 36.82 है। वह केवल डंकन फ्लेचर से आगे हैं जिनकी जीत का प्रतिशत 33.33 (39 टेस्ट में 13 जीत, 17 हार, 9 ड्रॉ) रहा है। टीम को केवल आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी ओर एशिया कप में जीत मिली। इसके अलावा वह इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज बराबरी पर लाने में सफल रही। उसके बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीती।

गंभीर के कार्यकाल में टेस्ट परिणाम

1- भारत बनाम बांग्लादेश, चेन्नई टेस्ट, भारत 280 रन से जीता
2- भारत बनाम बांग्लादेश, कानपुर टेस्ट, भारत 7 विकेट से जीता
3- भारत बनाम न्यूजीलैंड, बेंगलुरु टेस्ट, भारत 8 विकेट से हारा
4- भारत बनाम न्यूजीलैंड,पुणे टेस्ट, भारत 113 रन से हारा
5- भारत बनाम न्यूजीलैंड, वानखेड़े टेस्ट, भारत 25 रन से हारा
6- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, पर्थ टेस्ट, भारत 295 रन से जीता
7 - भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया,एडिलेड टेस्ट, भारत 10 विकेट से हारा
8- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, ब्रिसबेन टेस्ट, मैच ड्रॉ रहा
9- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, मेलबर्न टेस्ट, भारत 184 रन से हारा
10- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी टेस्ट, भारत 6 विकेट से हारा
11- भारत बनाम इंग्लैंड, लीड्स टेस्ट, भारत 5 विकेट से हारा
12- भारत बनाम इंग्लैंड, बर्मिंघम टेस्ट, भारत 336 रन से जीता
13- भारत बनाम इंग्लैंड, लॉर्ड्स टेस्ट, भारत 22 रन से हारा
14- भारत बनाम इंग्लैंड, मैनचेस्टर टेस्ट, मैच ड्रॉ रहा
15- भारत बनाम इंग्लैंड, द ओवल टेस्ट, भारत 6 रन से जीता
16- भारत बनाम वेस्टइंडीज, अहमदाबाद टेस्ट, भारत पारी और 140 रन से जीता
17- भारत बनाम वेस्टइंडीज, दिल्ली टेस्ट, भारत 7 विकेट से जीता
18- भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, कोलकाता टेस्ट, भारत 30 रन से हारा
19- भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, गुवाहाटी टेस्ट, भारत 408 रन से हारा

राहुल की कप्तानी में अब एकदिवसीय सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेंगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अब केएल राहुल की कप्तानी में 30 नवंबर से दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की करारी हार से उबरना रहेगा। नियमित कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के कारण इस सीरीज में राहुल की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ये देखना होगा। इस सीरीज में जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। लेफ्ट-राइट मिश्रण, मध्यक्रम और गेंदबाज़ी ऑर्डर मिट्टी पर असर डाल सकते हैं। इस सीरीज में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी से भारतीय टीम को लाभ होगा हालांकि उसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों से सावधान रहना होगा।

वहीं टैम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा। एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है। पहला एकदिवसीय मैच- 30 नवंबर 2025, रांची में दोपहर 1:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा एकदिवसीय मैच- 3 दिसंबर 2025 को रायपुर में खेला जाएगा।तीसरा एकदिवीसय मुकाबला- 6 दिसंबरको विशाखापत्तनम में होगा। तीनों ही मैच दोपहर 1 बजकर 30 मिनट से खेले जाएंगे

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत - केएल राहुल (कप्तान व विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा,ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका- टैम्बा बावुमा (कप्तान), ओत्तनेल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवॉल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोर्ज़ी, रुबिन हर्मन, केशव महाराज, मार्को जैनसन, एडेन मार्कराम, लुंगी ङ्गिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रायेन।

आईसीसी का दोहरा रवैया सामने आया, पर्थ की पिच को अच्छी रेटिंग मिली

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का दोहरा रवैया फिर सामने आया है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में हुए पहले टेस्ट में एक ही दिन में 19 विकेट गिरे थे और दो दिनों में ही मैच समाप्त हो गया था। इसके बाद से भी अंदाजा लगाया जा रहा था कि पिच को खराब रेटिंग मिलेगी पर ऐसा हुआ नहीं और पिच को अच्छी रेटिंग मिली है जबकि भारत और उपमहाद्वीप में अगर कोई मैच तीन दिन में भी समाप्त होता है तो आईसीसी उसे कराब रेटिंग दे देती है।

पर्थ स्टेडियम में दो दिन के एशेज टेस्ट की पिच को आईसीसी ने अपनी बेस्ट रेटिंग दी है। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों पर 123 रन बनाये और मैच दो दिनों में खत्म हो गया था। आईसीसी के एलीट पैनल के मैच रेफरी रंजन मदुगले की आधिकारिक रिपोर्ट में इस पिच को बहुत अच्छा ग्रेड दिया गया है। आईसीसी ने चार-टियर रेटिंग सिस्टम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लागू किया हुआ है, जिसमें टॉप रेटिंग वेरी गुड है। पर्थ की पिच को यही रेटिंग आईसीसी ने दी है। वेरी गुड रेटिंग का मतलब है कि ऐसी पिच जिसमें अच्छी तरह गेंद ने कैरी किया, लिमिटेड सीम मूवमेंट और मैच की शुरुआत में लगातार बाउंस हुआ हो, जिससे बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच नियंत्रित मुकाबला हो सके। हालांकि, विकेटों के गिरने से ऐसा नहीं लगा, लेकिन दूसरे दिन के अंत में जिस तरह का खेल ट्रैविस हेड ने दिखाया, उससे लगा कि इसस पिच पर रन बन सकते हैं 1847 गेंदों के साथ यह ऑस्ट्रेलिया में दूसरा सबसे छोटा पूरा हुआ टेस्ट था और 1888 के बाद से फेंकी गई गेंदों के हिसाब से सबसे छोटा एशेज टेस्ट था। पहली तीन पारियों में तेज गेंदबाज हावी रहे थे।

श्रीलंका ने पाक को हराकर फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली। दुष्मंथा चमीरा की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका ने त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के 6ठे मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। इस मैच में जीत के लिए पाकिस्तान को अंतिम ओवर में 10 रनों की जरुरत थी पर दुष्मंथा की घातक गेंदबाजी के सामने पाक बल्लेबाज टिक नहीं पाये। पाक टीम अंतिम ओवर में 3 ही रन बना पाई इस प्रकार श्रीलंकाई टीम ने 6 रनों से जीत हासिल की है। चमीरा को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। इस गेंदबाज ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम ने कामिल मिशारा के अर्धशतकों की सहायता से 20 ओवर में 5 विकेट पर 184 रन बनाये। कामिल ने 76 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 158.33 का था। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने 40 रन बनाये। वहीं पाक की ओर से अबरार अहमद ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। जीत के लिए 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 179 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही मेजबान टीम ने 4 विकेट खो दिये थे। बाबर इस मैच में भी खाता नहीं खोल पाये। कप्तान सलमान आगा ने 44 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेली पर वह टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये। अंतिम ओवर में पाकिस्तान को मात्र 10 रनों की जरुरत थी पर टीम उसे हासिल नहीं कर पायी।

कमिंस और हेजलवुड शामिल नहीं

दूसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम में नहीं हुआ बदलाव, स्मिथ ही रहेंगे कप्तान

दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में 4 दिसबर से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी थी। दिन-रात का दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से गाबा में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच के लिए अपने दल में कोई बदलाव नहीं करते हुए पहले टेस्ट में खेले खिलाड़ियों को ही इस मैच के लिए रखा है। इससे साफ है कि चोट से उबर रहे नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को इसमें जगह नहीं मिली है और पहले टेस्ट में कप्तान रहे स्टीव स्मिथ इस मैच में भी टीम की कप्तानी करते नजर आयेंगे।

कमिंस हालांकि टीम के साथ बने रहेंगे पर खेलेंगे नहीं। वहीं हेजलवुड भी अभी तक हैमस्ट्रिंग के दर्द से नहीं उबरे हैं। इससे साफ है कि बैक-अप तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट इस मैच में भी बने रहेंगे। डॉगेट ने अपने पहले ही टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था। दूसरे टेस्ट के लिए टीम में तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर को शामिल किया गया है। वहीं अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी दूसरे टेस्ट के लिए टीम में रखा गया है हालांकि मैच से पहले उन्हें फिटनेस जांच से गुजरना होगा। ख्वाजा को पर्थ टेस्ट के दौरान बैक स्पैजम हुआ था जिस कारण से वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर पाये थे। ख्वाजा अगर फिट नहीं पाए जाते हैं तो उनकी जगह पर ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर और बैक-अप बैटर जोश इंग्लिस को शामिल किया जा सकता है। दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

आयुष म्हात्रे की कप्तानी में अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में उतरेगी भारतीय टीम

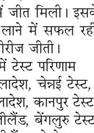

मुम्बई। बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अगले माह 12 से 21 दिसंबर 2025 तक दुबई में होने वाले पुरुष अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। ये टूर्नामेंट 50-ओवर के फॉर्मेट में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 14 वाल के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में शामिल किया गया है। वैभव ने हाल ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं 18 साल के ऑल-राउंडर विहान मनोज मल्होत्रा टीम का उपकप्तान बनाया गया है। यह टूर्नामेंट अंडर 19 विश्व कप की तैयारी को देखते हुए अहम रहेगा। विश्वकप अगले साल जनवरी-फरवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा।

भारतीय टीम को ग्रुप ए में अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान के साथ रखा गया है। दूसरे ग्रुप में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ एक क्वालिफायर भी हैं।

ग्रुप ए = इंडिया, पाकिस्तान, क्वालिफायर 1, क्वालिफायर 3

ग्रुप बी = बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, क्वालिफायर 2

टीम इस प्रकार है-

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा ??(उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन, एरॉन जॉर्ज।

स्टैंड-बाय खिलाड़ी = राहुल कुमार, हेमचुडेशन जे, बी.के. किशोर और आदित्य रावत

टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस प्रकार है =

12 दिसंबर बनाम क्वालिफायर 1 दुबई में
14 दिसंबर बनाम पाकिस्तान दुबई में
16 दिसंबर बनाम क्वालिफायर 3 दुबई में
19 दिसंबर - सेमीफाइनल
21 दिसंबर - फाइनल

विराट और रोहित को धोनी ने डिनर पर बुलाया, अपनी कार में होटल तक छोड़ा

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार 30 नवंबर को होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के लिए रांची पहुंच गये हैं। रांची भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का गृहनगर है। ऐसे में उन्होंने विराट और ऋषभ के लिए अपने घर पर एक पार्टी रखी। ऐसे में ये तीन दिग्गज डिनर पार्टी में एकसाथ नजर आये। धोनी इसके बाद रोहित और विराट को स्वयं अपनी कार में होटल तक छोड़ने पहुंचे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है और प्रशंसकों ने इसको काफी पसंद किया है। इस याराने को खूब पसंद कर रहे हैं।

गौरतब है कि विराट ने अपने करियर की शुरुआत धोनी की कप्तानी में खेलकर ही की थी। धोनी के कार्यकाल के दौरान विराट कप्तान के तौर पर तैयार हुए थे। धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने ही हर प्रारुप में टीम की कप्तानी संभाली थी। इससे भारतीय क्रिकेट शीर्ष स्तर पर पहुंचा। धोनी ने आज से पांच साल पहले 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है पर वह एकदिवसीय क्रिकेट खेल रहे हैं। विराट कोहली बुधवार को ही लंदन से रांची पहुंचे थे और इसके अगले दूसरे ही दिन यानी वह धोनी से मिलने उनके घर पहुंचे। लंबे समय बाद इन तीनो को देखकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं।

बाबर टी20 में सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों में शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट के पूर्व कप्तान बाबर आजम के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड जुड़ गया है। बाबर श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के 8वें मुकाबले में खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इससे वह पाक की ओर से टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। बाबर अपने करियर में 10वीं बार शून्य पर ही आउट हो गये। इससे पहले पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब और उमर अकमल भी टी20 क्रिकेट में 10 बार 0 पर आउट हुए हैं। वहीं पिछली 9 टी20 पारियों में 4 बार खाता नहीं खोल पाये थे। वहीं शाहिद अफरीदी 8 बार शून्य पर आउट हुए थे। वहीं शीर्ष-7 बल्लेबाजों द्वारा घर पर सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने के मामले में बाबर ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। बाबर ने रोहित अपनी धरती पर 5 बार 0 पर आउट हुए थे। बाबर अपनी धरती पर 6 बार शून्य पर आउट हुए हैं। वहीं दसुन शनाका इस सूची में 7 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

कर्नाटक में तैयार हो रहा नई सरकार का गणित...

भाजपा और जनता दल (एस) मिलकर डीके को समर्थन देने की बना रहे रणनीति, भाजपा ला सकती है अविश्वास प्रस्ताव

क्या कांग्रेस का सबसे बड़ा किला ढह जाएगा, वेट एंड वॉच मोड में भाजपा

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सियासी तलवार खिंच चुकी है। अब ये मामला कांग्रेस हाईकमान के पाले में है। भाजपा इस मामले में कूदने के बजाए वेट एंड वाच के मोड में खड़ी नजर आ रही है, क्योंकि उसे इसी रणनीति में अपना सियासी लाभ दिख रहा है। उधर, राज्य में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर पूरा राजनीतिक खेल गर्म है। इसी बीच भाजपा ने दावा किया है कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गिर सकती है। भाजपा नेता सुनील कुमार ने अविश्वास प्रस्ताव तक की बात कही है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा और जनता दल (एस) शिवकुमार का साथ देने के लिए तैयार हैं। बस डीके को कांग्रेस के 30-35 विधायक तोडने् होंगे

कर्नाटक विधानसभा में कुल 224 सीटें होती हैं, यानी किसी भी पार्टी को सरकार बनाने के लिए 113 सीटें चाहिए। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की आंधी चली और पार्टी ने 135 सीटें अपने नाम कीं। भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद केवल 66 सीटें जीत पाई। वहीं जनता दल (सेक्युलर) के खाते में 19 सीटें गईं। अब यदि भाजपा और जेडीएस की सीटें जोड़ दी जाएं तो कुल मिलाकर 85 सीटें बनती हैं। इसका मतलब है कि यह गठबंधन बहुमत से 28 सीटें दूर है। अगर किसी तरह 28 सीटें जुड़ती हैं, तो भाजपा-जेडीएस गठबंधन 113 के बहुमत तक पहुंच सकता है।

डीके कर सकते हैं बगावत

पूरा समीकरण तभी बदल सकता है अगर डीके शिवकुमार कांग्रेस से नाराज

होकर बगावत करें। अगर वह करीब 30 विधायकों को अपने साथ कर लेते हैं, तो कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की जमीन तैयार हो सकती है। यह संभावना भी जताई जा रही है कि शिवकुमार, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे की तरह, बगावत के बाद मुख्यमंत्री पद तक पहुंच सकते हैं। याद दिला दें महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना में बड़ा विद्रोह कर कई विधायकों के साथ एनडीए का साथ दिया था और फिर मुख्यमंत्री बने थे। कर्नाटक में भी कुछ ऐसा ही समीकरण बन सकता है। डीके शिवकुमार कितने विधायकों पर प्रभाव रखते हैं, इस पर कोई आधिकारिक या स्पष्ट आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। हालांकि खुद शिवकुमार दावा करते रहे हैं कि उनके पास करीब 138 विधायकों का समर्थन है। यह दावा कितना सच है, यह आने वाले दिनों की राजनीति तय करेगी।

सीएम की लड़ाई हाईकमान के पाले में

कर्नाटक में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जिस तरह सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच आर-पार की जंग छिड़ गई है, उसके चलते कांग्रेस का सबसे बड़ा किला कहीं ढह न जाए। कर्नाटक में कांग्रेस का संकट गहराता ही जा रहा है। शिवकुमार और सिद्धारमैया में कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है और अब फैसला बेंगलुरू से नहीं, बल्कि दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान के दरबार से होगा। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच कर्नाटक कांग्रेस दो धड़ों में बंटी हुई है। शिवकुमार के समर्थक विधायक और नेता खुलकर उतर गए हैं कि मुख्यमंत्री बदला जाए। वहीं, सीएम सिद्धारमैया भी अपनी सियासी लॉबिंग तेज कर दी है और अपनी कुर्सी को बचाए रखने के लिए दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से मिलेंगे। देश के तीन राज्यों में कांग्रेस अपने दम पर सत्ता में है। कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना की कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में उसका सबसे बड़ा किला कर्नाटक ही है, लेकिन कुछ समय से राज्य में सियासी टकराव चल रहा है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद की कुर्सी को लेकर वर्चस्व की जंग छिड़ी हुई है, जिससे पार्टी की छवि बुरी तरह प्रभावित हुई है।

ढाई-ढाई साल वाले फॉर्मूले से छिड़ी जंग

कर्नाटक में यह घमासान तब तेज हुआ है जब सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे हुए हैं। कहा जा रहा है कि सरकार गठन के दौरान भी सीएम पद को लेकर जारी खींचतान के बाद ढाई साल का फॉर्मूला तय हुआ था। बताया जा रहा है कि 2023 में कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत के बाद यह तय हुआ था कि मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के लिए बांटा जाएगा। इस फॉर्मूले के तहत सिद्धारमैया पहले ढाई साल सीएम रहेंगे और उसके बाद डीके शिवकुमार सत्ता संभालेंगे। दरअसल, सिद्धारमैया का ढाई साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है और तभी से डीके शिवकुमार खेमे के विधायक अब उन्हें सीएम बनाने की बात कह रहे हैं। डीके शिवकुमार के भी दिल्ली आकर गांधी परिवार से मिलने की बात कही जा रही है। वहीं, सिद्धारमैया कह रहे हैं कि मेरी ताकत घटी नहीं, बढ़ी है। उन्होंने कहा कि विधायक दिल्ली जाएं, कोई समस्या नहीं। आखिरी फैसला हाईकमान का है। साथ ही कहा कि 2023 में जो जनादेश मिला था, वह पाँच साल के लिए था।

वेट एंड वॉच के मूड में खड़ी भाजपा

कर्नाटक में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच छिड़ी लड़ाई में भाजपा वेट एंड वॉच की रणनीति पर चल रही है। वह अपनी तरफ से कोई पहल करती नहीं दिख रही है। भाजपा नेता इसे कांग्रेस के घर का झगड़ा बता रहे हैं। कर्नाटक से आने वाले एक केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना ने कहा है कि भाजपा को डीके शिवकुमार की जरूरत नहीं है। भाजपा ने कहा कि अगर कांग्रेस के पास हिम्मत है तो वह विधानसभा भंग करे और राज्य में चुनाव करवाए। उन्होंने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा बहुत मजबूत है। उसको डीके की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक की हालत खराब है। सडकों की हालत बहुत बुरी है, कांग्रेस पार्टी पावर शेयरिंग के ड्रामे में उलझी हुई है। कर्नाटक की जनता ने इससे भ्रष्ट सरकार नहीं देखी है।

पृष्ठ01 का शेष

प्रवक्ता के मुताबिक मैं एमएमसी के तमाम साथियों को खुले रूप से संपर्क करने के लिए बाउफेंग की एक खुली फ्रिक्वेंसी (नंबर) 435.715 जारी कर रहा हूं।

जिसमें अगले एक महिने (1 जनवरी 2026) तक हम हर दिन दोपहर 11 बजे से 11.15 के बीच एक-दूसरे से संपर्क स्थापित कर पाएंगे। इसके अलावा भी हमारे बीच संपर्क की जो तय फ्रिक्वेंसी है, उस पर तय समय पर चालू रखकर प्रयास करेंगे। साथियों, इसमें देर ना करें, जितना जल्दी हो सके संपर्क करने का प्रयास करें।

यह भी कहा कि मैं, तीनों राज्य की सरकारों से अपील करता हूं कि वे उक्त बयान को अगले दो दिनों तक रेडिओ पर सांध्यकालिन प्रादेशिक समाचार के ठीक पहले अवश्य प्रसारित करें। हमारे साथियों से अपील करते हुए, हम जो ऑडियो टेप जारी करेंगे उसे अगले 10 दिनों तक शाम के प्रादेशिक समाचार के ठीक पहले अवश्य प्रसारित करें। हमारे साथी अधिकतर सुबह एवं शाम के प्रादेशिक समाचार अवश्य सुनते हैं।

इनके अनुसार हम जनप्रतिनीधियों और पत्रकारों से गुजारिश करते हैं कि, इस प्रक्रिया के पूरे होने तक वे इसी तरह हमसे सहयोग बनाए रखें। हम, हमारे साथी सोनु दादा और सतीश दादा से भी यह अनुरोध करते हैं कि, वे हमारी बात को तीनों राज्यों की सरकार के पास रखें, और इस पूरी प्रक्रिया के शांतिपूर्ण तरिके से संपन्न होने में सहयोग करें।

इस तरह अब माओवादियों ने अपनी वक्त की मांग संबंधी 85 दिन की समय सीमा को घटाकर 1 जनवरी 2026 कर दिया है. उनके मुताबिक अगर सब कुछ ठीक रहा तो 1 जनवरी 2026 के दिन माओवादी मध्यप्रदेश महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के जंगलों से निकलकर सरकारों को हथियार सौंप देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जो सरकार हमें बेहतर सहयोग करेंगी उसके समक्ष में जायेंगे।

संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी के 09 छात्रो का चयन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी खेल कैलेंडर अनुसार संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन पी एम श्री एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी मे दिनांक 28 नवंबर से किया जा रहा है जिसे हेतु शासकीय एस एस पी महाविद्यालय वारासिवनी के 9 छात्रों का चयन किया गया है। महाविद्यालय के लिए हर्ष का विषय हैं की जिले की टीम मे महाविद्यालय के 9 सदस्य का चयन हुआ हैं। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता एवं पश्चिम क्षेत्र विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु किया जाएगा। इन छात्रो के चयन पर महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष प्रफुल्ल बिसेन, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम, क्रीड़ा अधिकारी विकास साहू, क्रीड़ा समिति के समस्त सदस्यगण, प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक व समस्त विद्यालय स्टॉफ ने इन बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में चयनित 9 छात्रों में मधुर डोंगरे पिता गोवेर्धन डोंगरे, राहुल वैध पिता राजकुमार वैध, वंश कुमार पिता मनोज श्यामकुंवर, शुभम नगपुरे पिता योगेंद्र नगपुरे, आयुष बिसेन पिता प्रभुदयाल बिसेन, रोहित धुर्वे पिता चैन लाल धुर्वे, अंकित कुमार पिता ओमकार, विजय धार्मिक पिता श्याम धार्मिक, संस्कार लिल्हारे पिता वीरेंद्र लिल्हारे शामिल है। सभी का चयन जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता बालाघाट में उच्च प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

निजी कंपनियों से बिजली खरीदेगी मप्र सरकार

- अडानी समेत तीन निजी कंपनियों से 25 साल का होना है करार

भोपाल। प्रदेश में भविष्य की जरूरत पूरा करने के लिए चार हजार मेगावाट बिजली खरीदी की तैयारी है। अडानी समेत तीन निजी कंपनियों से 25 साल के लिए करार होना है। कंपनियों ने बिजली की दर 5.83 रुपये प्रति यूनिट तय की है। इस पर अंतिम मुहर के लिए मप्र विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल की गई है। इस बीच आयोग में दावा-आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं, जिनमें कहा गया कि यदि प्रस्तावित दर को मंजूरी मिली तो प्रदेश को 25 साल में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक भुगतान करना होगा और इसका भार जनता को झेलना पड़ेगा।

मप्र की बिजली कंपनी को चार हजार मेगावाट का अनुबंध करना है। 25 साल के लिए ताप विद्युत गृह से बिजली खरीदी के लिए निविदा की गई थी। अडानी पावर ने 1600, टोरंट पावर गुजरात ने 1600 मेगावाट और 800 मेगावाट हिंदुस्तान पावर ने बिजली खरीदी के लिए आफर किया। तीनों कंपनियों से 5.83 रुपये प्रति यूनिट की दर मिली। कंपनियों ने इसके लिए ताप गृह की स्थापना इकाई को आधार बनाया। रिपोर्ट के अनुसार बिजली प्लांट लगाने के लिए करीब 13.5 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट लागत बताया। इसी आधार पर 5.83 रुपये प्रति यूनिट दर का प्रस्ताव मिला।

4.60 रुपये प्रति यूनिट की दर से देना था प्रस्ताव

आपत्तिकर्ता राजेंद्र अग्रवाल का दावा है कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने मध्य प्रदेश राज्य हेतु जारी अंतिम रिसोर्स एडिक्यूसी प्लान रिपोर्ट 2024-25 के मूल आधार पर यह निविदा निकाली है। इसमें प्रति मेगावाट स्थापना लागत 8.84 करोड़ रुपये है। इस हिसाब से निजी कंपनियों को करीब 4.60 रुपये प्रति यूनिट की दर से प्रस्ताव देना था। प्रदेश सरकार यदि मौजूदा प्रस्ताव पर 25 साल का बिजली खरीदी करार करती है तो करीब एक लाख करोड़ अतिरिक्त भुगतान करना होगा। बिजली कंपनी पर प्रतिवर्ष करीब चार हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त बोझ आएगा।

ये भी आपत्तियां लगाई

आपत्तिकर्ता एडवोकेट राजेंद्र अग्रवाल ने आयोग को भेजे पत्र में कहा कि चार हजार मेगावाट बिजली खरीदी करार करने से पूर्व जनसुनवाई क्यों नहीं की गई। जबकि राजस्थान में वितरण कंपनियों को 3200 मेगावाट खरीदी के लिए सार्वजनिक सुनवाई की थी। सुनवाई के बाद वहां खरीदी निरस्त कर दी थी। इसके अलावा चार हजार मेगावाट ताप विद्युत के लिए निविदा 2035 तक की जरूरत के लिए है। - राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि जिस वक्त निविदा जारी हुई थी उस समय जीएसटी बढ़ा हुआ था। अब जीएसटी दरें घट चुकी हैं। इस हिसाब से करीब 0.25 पैसे प्रति यूनिट राशि कम हो जाएगी।

कृषि विज्ञान केन्द्र की जिले के किसान भाइयों को सामसामयिक सलाह

बीज उपचार कर ही रबी फसलों की बुवाई करें किसान

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। वर्तमान में प्रमुख फसलें जैसे गेहूं, चना, अलसी मसूर एवं मटर आदि की बुवाई की सीजन चल रहा हैं। अत: खाद एवं रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के साथ-साथ अनिवार्य रूप से ताजा कल्चर एवं जैव उर्वरकों का प्रयोग कर खेती की लागत में कमी कर अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे द्वारा किसान भाईयों के लिए निम्न समसामयिक सलाह जारी की गई हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग हमेषा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर करना चाहिए। कम लागत में विभिन्न प्रकार के जैव उर्वरकों जैसे गेहूं में एजोटोबैक्टर तथा फास्फेट घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर से बीजोपचार 10-15 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें। इसके प्रयोग से क्रमष: 15-20 प्रतिषत तक नत्रजन तथा फास्फोरस की बचत होती हैं।

इसी प्रकार चना, मटर, मसूर आदि की बुवाई पूर्व जैव उर्वरकों एवं कल्चर जैसे ट्राईकोडर्मा, पी.एस.बी. एवं राइजोबियम से 10-15 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीज उपचार करें। ऐसा करने से क्रमष: उकठा या उगरा आदि रोगों में कमी के साथ-साथ फसलों में नत्रजन तथा फास्फोरस की लगभग 15-20 प्रतिषत तक बचत होती हैं। अत: जैविक उर्वरकों का प्रयोग करते समय हमेषा संस्तुत किए गए रासायनिक उर्वरकों की मात्रा में से 20-25 प्रतिषत तक घटाकर उपयोग करें। इससे लागत में कमी के साथ-साथ रोगों का नियंत्रण भी होगा।

मृदा में रासायनिक उर्वरक जैसे डी.ए.पी., एस.एस.पी., एन.पी.के., विषेषकर (12:32:16) आदि का लगातार प्रयोग करने से भूमि में लगभग 80-85 प्रतिषत तक फास्फोरस अनुपलब्ध अवस्था में पड़ा रहता हैं और पौधों को सुगमता से उपलब्ध नहीं हो पाता हैं। अत: यदि जैविक उर्वरकों जैसे ट्राईकोडर्मा फफूंदनाषक एवं पी.एस.बी. को प्रति एकड़ 2.0 कि.ग्रा. मात्रा को 100 किलों पकी गोबर की खाद में मिलाकर एक सप्ताह तक छाया में 40 प्रतिषत नमी के साथ मिलाकर रखने के बाद अंतिम जुताई के साथ नमी अवस्था में प्रयोग करने से भूमि की दषा में सुधार के साथ-साथ रासायनिक उर्वरकों की बचत के साथ-साथ लागत में कमी भी कमी आयेगी।

रासायनिक उर्वरकों के रूप में उपरोक्त फसलों डी.ए.पी. के अतिरिक्त एन.पी.के. (12:32:16), सिंगल सुपर फास्फेट जो भी उपलब्ध हो प्रयोग कर सकते हैं। सामान्य तौर पर संतुलित मात्रा में निम्नानुसार रासायनिक उर्वरकों को देने की सिफारिष की गई हैं। विकल्प एक के रूप में सिंचित गेहूं में एन.पी.के. (12:32:16) की (65 कि.ग्रा.) मात्रा के साथ-साथ 02 बोरी यूरिया की मात्रा तथा 25 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाष प्रति एकड़ की दर से देना चाहिए। वहीं अर्धिसिंचित गेहूं में (12:32:16) को एन.पी.के. (मिश्रित उर्वरक) के रूप में प्रति एकड़ 35-40 कि.ग्रा. एवं यूरिया की (45 कि.ग्रा.) एवं 12 कि.ग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश देना चाहिए। जबकि दोनों ही अवस्था में जिंक सल्फेट 10 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से प्रत्येक तीन साल बाद भूमि में जुताई के समय अवष्य मिलाना चाहिए। अन्यथा पौधों की बड़वार प्रभावित होती हैं। यदि आप के पास डी.ए.पी. उपलब्ध हो तो सिंचित गेहूं में प्रति एकड़ एक बैग डी.ए.पी. तथा यूरिया (80 कि.ग्रा.) एवं पोटाष की 25 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से देना चाहिए। जबकि अर्धसिंचित गेहूं में उपरोक्त मात्रा को आधी कर देना चाहिए।

इसी प्रकार सिंचित गेहूं में यदि आपके पास सिंगल सुपर फास्फेट उपलब्ध हो तो गेहूं प्रति एकड़ इसकी मात्रा सिंचित गेहूं में 150 कि.ग्रा. तथा यूरिया 10 कि.ग्रा. एवं म्यूरेट आफ पोटाष 25 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से देना चाहिए। अर्धसिंचित गेहूं में उपरोक्त मात्रा को आधी कर देना चाहिए। चना, मसूर एवं मटर इत्यादि दलहनी फसलों में विकल्प एक के रूप में एन.पी.के. (12:32:16) को प्रति एकड़ (65 कि.ग्रा.) एन.पी.के. देना चाहिए। जबकि विकल्प दो के रूप में प्रति एकड़ एक बैग डी.ए.पी. तथा 7 कि.ग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश देना चाहिए वहीं पोटाष की 12 कि.ग्रा. मात्रा को खेत की अंतिम जुताई के समय भूमि में मिला देना चाहिए।

यदि दलहनी फसलों में जैव उर्वरक जैसे पी.एस.बी. तथा राइजोबियम कल्चर का उपयोग करते हैं तो उपरोक्त मात्रा में 20-25 प्रतिषत तक उपरोक्त उर्वरकों को कम करके प्रयोग करना चाहिए। यदि समय पर उर्वरक उपलब्ध नहीं हो तो अंतिम विकल्प के रूप में दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों का प्रयोग भूमि एवं बीज उपचार के उपरांत बुवाई कर सकते हैं तथा बाद में घुलनषील उर्वरक की 1-1.5 कि.ग्रा. मात्रा 150-200 लीटर पानी में घोलकर फूल आने के पूर्व दो बार छिड़काव आवष्यक करें। साथ ही एक लीटर स्यूडोमोनास का छिड़काव करने से पौधों में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ रोगों का प्रकोप से भी बचाव होगा। सभी किसान साथियों से अनुरोध हैं, कि मृदा के स्वास्थ्य एवं अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिये वैज्ञानिक अनुषंसा के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करें।

एल्युमिनाई एसोसिएशन ने किया महान शिक्षाविद को याद

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 26 नवंबर को सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक, प्रख्यात शिक्षाविद और समाज सुधारक डॉ. हरिसिंह गौर जयंती को बालाघाट जिले की सागर विश्वविद्यालय एल्युमिनाई एसोसिएशन द्वारा बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. हरिसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, एल्युमिनाई एसोशिएसन के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने पुष्प अर्पित श्रृद्धांजली दी। इस असवर पर एक विशेष गौर बब्बा स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा और समाज के उत्थान के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने उनके अद्वितिय दान, विश्वविद्यालय की स्थापना और उनके दूरदर्शी विचारों को याद किया। इस आयोजन का महत्वपूर्ण भाग पूर्व छात्रों का पुर्नमिलन रहा, जहां विभिन्न बैच के पूर्व छात्रों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर अपनी पुरानी स्मृतियों का आनंद लिया और महाविद्यालय के विकास में अपने सहयोग पर चर्चा की। एसोशिएसन के सक्रीय सदस्य डॉ. सतीश चिले ने आगामी परियोजनाओं में सक्रीय भागीदारी के लिए पूर्व छात्रों से अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने एवं एसोशिएशन के सभी सदस्यों को साथ लाने में संयोजक डॉ. सतीश चिले, डॉ. प्रवीण श्रीवास्वत एवं डॉ. पी.एस. कातुलकर की सक्रीय भूमिका रही।

आधार बायोमैट्रिक एवं यू डाइस के संबंध में प्राचार्यों की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में आधार बायोमैट्रिक एवं आधार अपडेशन को लेकर शिक्षा विभाग में विशेष कार्य किया जा रहा है, इसी कड़ी में 27 नवम्बर को सीएम राईज स्कूल बालाघाट में सभी शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यो की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बताया गया कि जिले के 65 हजार बच्चों के आधार बायोमेट्रिक एवं अपडेशन की कार्यवाही की जाना है, जिसके लिए तत्परता के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है। इस दौरान यू डाइस डाटा सही फीड हो इस संबंध में एडीपीसी एवं जिला प्रोग्रामर द्वारा प्राचार्यों को प्रशिक्षित किया गया।

मोट्राईज्ड ट्राईसायकल ने बदली दिव्यांग अनुपचंद चौहान की जिंदगी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। संघर्ष अगर हौसलों के साथ हो, तो जिंदगी में नई राहें खुद-ब-खुद बन जाती हैं। बालाघाट जिले की कटंगी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगोडी के निवासी अनुपचंद चौहान, जो 80 प्रतिशत से अधिक अस्थि बाधित दिव्यांग हैं, आज अपने हौसले और सरकारी योजनाओं की सहायता से आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं। उनकी कहानी न सिर्फ प्रेरित करती है, बल्कि यह भी बताती है कि सही संसाधन मिलने पर हर व्यक्ति अपनी पहचान बना सकता है।

अनुपचंद चौहान मोटर पंप सुधारने और वाइंडिंग का कार्य करते हैं। पहले उनकी शारीरिक स्थिति और आवागमन की कठिनाइयों के कारण वे घर से बाहर जाकर काम नहीं कर पाते थे। केवल वही ग्राहक काम देता था जो उनके घर तक पहुँच पाता। इस कारण उनकी आय मात्र 4 से 5 हजार रुपये प्रतिमाह तक सीमित थी। लेकिन जनपद पंचायत कटंगी द्वारा आयोजित चिन्हांकन शिविर में उन्हें मोट्राईज्ड ट्राईसायकल के लिए चयनित किया गया और जनवरी 2025 में केंद्र सरकार की एडिप योजना के अंतर्गत उन्हें मोट्राईज्ड ट्राईसायकल प्रदान की गई। इस एक बदलाव से अनुपचंद के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल गई है।

मोट्राईज्ड ट्राईसायकल मिलने से अनुपचंद आत्मनिर्भर हो गया है । उसे अब अपने घर एवं गांव से बाहर जाने के लिए किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। अब अनुपचंद चौहान मोट्राईज्ड ट्राईसायकल 8 से 10 किलोमीटर दूर स्थित गांवों तक स्वयं पहुँचकर अपनी सेवाएँ दे पा रहे हैं। इससे न केवल उनका ग्राहकों से संपर्क बढ़ा है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी कई गुना बढ़ा है। आज वे अपनी मेहनत के बल पर प्रति माह 10 से 12 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं। उनके अनुसार यह ट्राईसायकल उनके लिए सिर्फ एक साधन नहीं, बल्कि नई संभावनाओं का द्वार है।

सरकार द्वारा उन्हें नि:शक्तजन पेंशन एवं बस का पास भी प्रदान किया गया है, जिससे उनके आर्थिक बोझ में और कमी आई है। दो बेटियों के पिता श्री अनुपचंद चौहान की एक बेटी की शादी हो चुकी है और अब वे अपनी छोटी बेटी की शादी धूमधाम से करने का सपना देख रहे हैं।एक ऐसा सपना जिसे अब वे पूरा कर पाने की स्थिति में हैं। अनुपचंद चौहान की यह कहानी बताती है कि सही सहयोग, मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक प्रयास किसी भी चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं। मोट्राईज्ड ट्राईसायकल ने न केवल उनके पैरों को गति दी, बल्कि उनके जीवन को भी नई दिशा और सम्मानजनक आय का मार्ग प्रदान किया है। उनकी यह सफलता अन्य दिव्यांग साथियों के लिए प्रेरणादायक है कि वे भी सही अवसर और सहायता से अपना जीवन संवार सकते हैं।

न्यूज गैलरी

मोटरसाइकिल फाइनेंस कंपनी द्वारा ले जाने के मानसिक तनाव में एक व्यक्ति ने खाया कीटनाशक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। फाइनेंस कंपनी द्वारा टीवीएस मोटरसाइकिल सीज कर ले जाने के मानसिक तनाव में आकर एक व्यक्ति ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक दवाई के सेवन से गंभीर व्यक्ति रामलाल पिता भादो खगारे 50 वर्ष ग्राम खुटिया थाना भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलाल खगारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी प्रमिला के अलावा एक लड़का और एक लड़की है। सभी की शादी हो चुकी है। बताया गया कि रामलाल खगारे ने टीवीएस मोटरसाइकिल फाइनेंस करा कर ली थी। हाल ही में मोटरसाइकिल की किस्त जमाने करने पर फाइनेंस कंपनी ने टीवीएस मोटरसाइकिल सीज कर ले गए थे। जिसके कारण रामलाल खगारे मानसिक तनाव में चल रहा था। 27 नवंबर की शाम से रामलाल खगारे घर नहीं आया था। 28 नवंबर को सुबह 10ः00 बजे रामलाल की पत्नी प्रमिला अपनी बेटे बहु बेटी और दामाद के साथ खेत काम करने के लिए घर से निकले थे। तभी रामलाल खगारे घर आया और वह घर में ही था। सभी लोग खेत चले गए थे। खेत में काम करने के बाद 2ः00 सभी लोग घर पहुंचे देखें। रामलाल खगारे पलंग पर लेटा हुआ था पास में जाकर देखें पलंग के पास दुर्गंध आ रही थी और वहीं पर कीटनाशक दवाई की खाली बोतल भी पड़ी थी। रामलाल खगारे बेहोशी की हालत में था। जिसे तुरंत उसके परिजनों ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। संभावना व्यक्त की जा रही की टीवीएस मोटरसाइकिल को फाइनेंस कंपनी वालों ने सीज कर ले जाने के मानसिक तनाव में आकर रामलाल खगारे ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

सुपर 5000 की मेरिट सूची विभागीय पोर्टल पर अपडेट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मप्र भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्तीर्ण बच्चों के लिए मण्डल की सुपर 5000 (10वीं) एवं (12वीं) योजना में पात्र छात्र छात्राओं की माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री परीक्षा (शैक्षणिक सत्र 2024-25) की मेरिट सूची मण्डल द्वारा श्रम विभागीय पोर्टल के माध्यम से पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध करा दी गई है। प्रभारी श्रम पदाधिकारी बालाघाट ने जानकारी देकर बताया है कि इस योजना अन्तर्गत पात्र छात्र छात्राओं द्वारा हितलाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन श्रम विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन किये जा सकते है। अतः ऐसे समस्त पंजिकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे जो कि उक्त योजनान्तर्गत पात्रता रखते है एवं वर्तमान में आगामी कक्षा में अध्ययनरत है वे हितलाभ के लिए आवेदन ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से मार्च 2027 तक कर

हथियार छोड़ देने का मतलब गद्दारी करना नहीं होता!!

एमएमसी जोन के प्रवक्ता अनंत की अपने कैडर के साथियों से अपील

विशेष
पद्मेश न्यूज़ । बालाघाट

कल देर रात एमएमसी जोन के प्रवक्ता ने अपने साथियों से हथियार छोड़ने के सन्दर्भ में एक भावुक ऑडियो टेप जारी किया है. यह प्रिंट स्वरुप में भी है. इसमें भी माओवादियों ने 1 जनवरी 2026 तक एक साथ हथियार डालने को लेकर बातें कही गयी है.

उक्त ऑडियो टेप का अविकल पाठ इस तरह है -

'मध्यप्रदेश महाराष्ट्र छत्तीसगढ़ जोन के तमाम साथियों

आप सभी साथी मेरी आवाज को अच्छी तरह पहचानते हो। आप सभी से मेरा अनुरोध है कि, इस ऑडियो टेप को ध्यान से सुनें और एक निर्णय पर आकर योग्य कदम उठाएं।

आप सब जानते ही हैं कि, हमारे पार्टी ने देश-दुनिया की बदलती परिस्थितीयों का मूल्यांकन करते हुए वर्तमान में सशस्त्र संघर्ष को अस्थाई रूप से विराम देते हुए समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर जनता के बीच जाकर काम करने का फैसला लिया है। इस फैसले के बाद हमारे पार्टी के केंद्रीय कमिटी सदस्य और पोलित ब्यूरो मेंबर कॉमरेड सोनूदादा, सीसीएम कॉमरेड सतीशदादा, और कॉमरेड चंद्रन्ना ने दर्जनों साथियों के साथ मिलकर हथियार त्यागकर सरकार के पुनर्वास और पूनामार्गेम को स्वीकार किया है। यह आत्मसमर्पण नही है। हमारे साथियों ने इसे पूनामार्गेम कहने की अपील की है। सरकार भी इसे पूनामार्गेम ही कह रही है।

यह क्रांति के साथ धोखा या जनता के साथ विश्वासघात कतई नही है। हथियार छोड़ देने का मतलब ही गद्दारी करना नही होता। मैनें, उनकी 23 पन्नों की विश्लेषणात्मक अपील पढ़ी है। हम संघर्ष करना नही छोडेंगे, जनता के सवाल उठाते रहेंगे, लेकिन हथियार त्यागकर.हथियार उठाकर नहीं! सशस्त्र संघर्ष अब भी प्रासंगिक है अथवा नही इस पर बहस बाद में होती रहेगी, किंतु वर्तमान समय सशस्त्र संघर्ष को जारी रखने के लिए कतई अनुकुल नही है। हमने बहुत साथियों को खोया है, अभी हम और साथियों को खोना नही चाहते। ध्यान रहें, हमारी पार्टी पर पिछले कुछ सालों से वामपंथी संकीर्णतावादी/दुस्साहसवादी लाईन हावी हुई थी, जिसका आज यह परिणाम निकलकर सामने आया है। अतीत में हथियारबंद संघर्ष ने ही हमारे आंदोलन को देश-दुनिया में एक अलौकिक पहचान दिलाई थी, किंतु वर्तमान में वही हथियार हमें जनता में जाने से रोक रहे हैं, तब उन्हें सीने से लगाकर रखने का क्या मतलब ?

हथियार एक साधन है, साध्य नही. क्रांति का संपूर्ण सोच नही। आज सवाल हथियारों को सीने से लगाकर पार्टी को खत्म होते देखने का नही है, बल्कि उसे बचाने का है।

मैं, सोनुदादा का संदेश आप सभी साथियों तक बाद में पहुंचाउंगा, लेकिन पहले मेरा यह ऑडियो संदेश और अपील सुनने के बाद आप सभी लोग जहां कहीं भी हो, यथाशीघ्र सशस्त्र संघर्ष को अस्थाई रूप से विराम देने के फैसले पर आ जाएं। और एक-दूसरे को त्वरित संपर्क करने का प्रयास करें। बेहतर होता हम सब एक साथ मिलकर इस उचित फैसले पर आ पाते, किंतु फिलहाल हमारे पास उतना समय नही है। बहस-मुबाहिसों के लिए हमारे पास आगे काफ़ी समय पडा है। पहले हम सब को बचना है। संपर्क के लिए मैं बाउफेंग का एक खुला फ्रिक्वेंसी नंबर 435.715 जारी कर रहा हूं। जिसमें हम अगले एक माह तक (1 जनवरी 2026) तक रोजाना दोपहर 11 से 11.15 के बीच मिल सकेंगे। इसके अलावा हमारे बीच तय फ्रिक्वेंसी और समय पर भी हम मिल सकते हैं।

मैं, हमारे स्व्ह्ह के तमाम साथियों से अपील करता हूं कि, इस कठिन परिस्थिती में वे धैर्य ना खोएं, धीरज बनाए रखें, अकेले-अकेले जाकर आत्मसमर्पण ना करें। हम यह एकसाथ करने जा रहे हैं, किंतु आत्मसमर्पण नही पूनामार्गम स्वीकार रहे हैं। आप सभी से मेरी विनती है, विवेक से काम लें और एक-दूसरे को जितना जल्दी हो सके संपर्क करके, हम सब मिलकर 1 जनवरी 2026 को हथियार छोड़कर पूनामार्गेम स्वीकार करेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,
अनंत
प्रवक्ता,
महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-स्पेशल जोनल कमिटी, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

चांदसी दवा खाने के डॉक्टर संजय राय गिरफ्तार

अनाधिकृत रूप से एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से रोगियों कर रहे थे इलाज

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मलाजखंड पुलिस ने ग्राम मोहगांव स्थित चांदसी दवा खाना के डॉक्टर संजय राय को अनाधिकृत रूप से रोगियों का इलाज एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से किए जाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिये । जिनके विरुद्ध धारा 24 मध्य प्रदेश आर्युविज्ञान परिषद अधिनियम 1987 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। गिरफ्तार डॉक्टर संजय राय को अभिरक्षा पत्रक भरकर जमानत पर छोड़ दिया गया है।

जानकारी के अनुसार डॉ एस के राय द्वारा मोहगांव में न्यू बस स्टैंड स्थित परिसर में चांदसी दवा खाना के नाम से क्लीनिक संचालित की गई थी। इस क्लीनिक में डॉ एस के राय द्वारा अनाधिकृत रूप से रोगियों का एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से उपचार किए जाने की शिकायत मिल रही थी। इस शिकायत पर 30 अगस्त को चिकित्सकिय दल के द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। चांदसी दवा खाने का निरीक्षण किए जाने पर पाया गया था कि डॉ संजय राय द्वारा क्क्ष्व।।स्ब्ह्व।।क्रष्ट. भोपाल से माह मार्च 2013 में बैचलर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी की योग्यता प्राप्त की थी। जिसका प्रमाण पत्र काउंसिल ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सिस्टम आफ मेडिसिन भोपाल द्वारा 3 नवंबर 2014 को प्रदान किया गया था। संजय राय के द्वारा बैचलर ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी की योग्यता का काउंसिल ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सिस्टम आफ मेडिसिन भोपाल में दिनांक 3 नवंबर 2014 को पंजीयन कराया गया था। जिसका पंजीयन क्रमांक 26283 है। डॉ संजय राय को इस बैचलर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी की योग्यता के अनुसार कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के द्वारा 22 दिसंबर 2022 को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में चिकित्सीय कार्य की जाने की अनुमति प्रदान करते हुए उन्हें लेख किया गया था कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के अलावा अन्य किसी भी पेथी से चिकित्सा करने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जांच दल द्वारा आकस्मिक निरीक्षण करने पर डॉक्टर संजय राय के क्लीनिक में अनेक प्रकार की एलोपैथिक दवाइयां पाई गई। जांच दल के द्वारा समस्त एलोपैथिक औषधियां को सील बंद कर अपनी अभिरक्षा में लिया गया था। अतः डॉक्टर संजय राय द्वारा राज्य शासन की मान्यता प्राप्त अहर्ता प्राप्त किए बिना रोगियों का एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति से उपचार कर अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर धारा 24 मध्य प्रदेश आर्युविज्ञान परिषद अधिनियम 1987 का उल्लंघन किया गया। डॉ संजय राय के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के द्वारा मलाजखंड पुलिस थाना को पत्र लिखा गया था। जिसके आधार पर मलाजखंड पुलिस थाना में डॉक्टर संजय राय के विरुद्ध धारा 24 मध्य प्रदेश आयु विज्ञान परिषद अधिनियम 1987 के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें इस अपराध में गिरफ्तार किया गया है।

एक व्यक्ति ने शराब के नशे में खाया कीटनाशक, जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भेंडारा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति आकाश पिता वासुदेव बंसोड़ 30 वर्ष ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाश बंसोड़ खेती किसानी करता है। 27 नवंबर की शाम आकाश बंसोड़ ने शराब पिया था और शराब की नशे में ही वह अपने खेत चला गया और खेत में शराब के नशे में ही उसने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया ।कीटनाशक दवाई का सेवन करने के बाद आकाश बंसो? घर आया और उल्टी करने लगा था। जिसे परिजनों के द्वारा पूछने पर उसने कीटनाशक दवाई खाने के संबंध में बताया। इसके बाद आकाश बंसोड़ को उसके परिवार वालों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

खैरलांजी, किरनापुर व लांजी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा निरंतर खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में 27 नवम्बर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा खैरलांजी, किरनापुर एवं लांजी में कार्यवाही की गई है।

बिना लायसेंस और गंदगी वाले होटलों को बंद कराया गया

खैरलांजी स्थित हरिओम किराना के निरीक्षण में उसका खाद्य रजिस्ट्रेशन नही पाए जाने पर तत्काल बंद कराया गया एवं बिना पंजीयन का प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पायल किराना से जांच के लिए घी एवं मूंग के नमूने लिए गए। किरनापुर स्थित संजय होटल को गंदगी व अस्वछ्ता के चलते बंद कराया गया एवं अस्वच्छता का प्रकरण तैयार किया गया। बस स्टैंड किरनापुर स्थित विश्वकर्मा होटल एवं एमपी-50 होटल में साफ स्वच्छता में आंशिक कमी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 32 का नोटिस दिया गया। किरनापुर स्थित रोमन किराना बिना खाद्य लाइसेंस के संचालित पाए जाने पर बंद कराया गया एवं जांच के लिए चाय पत्ती व मेथी के नमूने लिए गए एवं बिना लाइसेंस का प्रकरण भी बनाया गया।

लांजी की होटल को गंदगी के कारण बंद कराया गया

लांजी मुख्य बाजार स्थित जयकारा होटल, बीकानेर होटल, शीतल उपहार गृह एवं नैवेद्यम होटल बंद पायी गई। यह होटल सुधार संबंधी निर्माण कार्य करने के लिए बंद रखा जाना बताया गया। जबकि होटल शिवराज के किचन में गंदगी, अस्वच्छता एवं किसी भी प्रकार का सुधार कार्य नही कराए जाने पर उसे तत्काल बंद कराया गया एवं अस्वछ्ता का प्रकरण बनाया गया।

होटल आशियाना पर 25 हजार रुपए का जुर्माना

इस कार्यवाही के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहिब, योगेश डोंगरे एवं गीता टांडेकर तथा नायब तहसीलदार किरनापुर बबीता सूर्या, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर शामिल थे। विदित हो विगत दिवस वारासिवनी बस स्टैंड स्थित होटल आशियाना को अस्वच्छता के चलते बंद कराया गया था एवं प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था, जिस पर होटल संचालक द्वारा सुधार कार्य करवा कर दुकान खुलवाने का निवेदन किया गया था। न्यायालय के आदेश उपरांत दुकान खोली गई एवं संचालक पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट